REGISTERED NO. D--(D)--73



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 37

नई विल्ली, शनिधार, सितम्बर 13, 1986 (भाद्रपव 22, 1902)

No. 371

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1980 (BHADRA 22, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यैं, 💤 🛪 ज्लन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that if may e filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड

PART III—SECT: N 1

ज्बन न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों है

सवा आयोग, रेल विभाग और भारत को गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptrol Public Service Commission, the Indian Government Service and by Attached

Auditor General, the Union and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ल - 110011, दिनांक 1 ग्रगस्त 1980

सं० ए० 3501 4/1/80 प्रणा० ∏--- मंघ लोक सेवा ग्नायोग के संवर्ग में के० स० नेवा के स्थाई ग्रनुभाग ग्राधि-कारो श्रं। एस० के० सिश्र को श्रध्यक्ष, संघ लोक आयोग द्वारा 15--7-80 में 14-10-80 तक को श्रवधि के लिये ग्रथवा नियमित प्रबन्ध किये जाने तक, ग्रथवा श्रागामी श्रादेशो तक, जो भी पहले हो, वरिष्ट विण्लेषन के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2 श्रा एस० के० मिश्र, संघ लोहा सेवा ग्रायोग में वरिष्ट विश्लेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनिय्क्ति पर होगे भीर उनका बेतन वित्त महाशय के समय समय पर संशोधित का० जां० मं० एफ० 10(24)-ई० III(60) दिनांक 4-5-61 में मिलिहित उपबन्धों की शती के अनुसार विनियमित होगा।

नहें विल्ल । 011 दिनांक 6 ग्रागस्त, 1980

मं० ए० 35074/1/79-प्रशा० II---संघ लोक सेवा श्रायोग के सबर्ग ं के लग्न के निम्नलिखित दो श्रस्थाई प्रनुभाग प्रधिकारियों को सचिव, संघ लोक सेवा <mark>प्रायोग</mark> 5-11-1980 तक की भ्रवधि के लिये ज्या ग्रागामी प्रादेशो तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक 🚉 सारत निदिष्ट पदो पर नदर्थग्राधार पर प्रतिनियुक्ति में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियक्त किया ाता है।

- 1. श्री योगिन्दर नाथ--ग्रन्० ग्रधिकारी (विशेष पर्यक्षा)
- 2 श्री डॉ० थ्रार० मदान--- श्रन्० श्रधिकारी (विणेष सेवार्ये)
- 2 म्रनभाग म्रधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियक्ति हो जाने के परिणासस्वरूप सर्वश्री योगिन्दर नाथ भ्रीर डी० भ्रार० मदान का वेतन वित्त मंत्रालय, ब्यय विभाग के समय समय पर संगोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)

(9913)

1-236 GI/80

ई० III(60) दिसांक ५-5-61 का णती के अनुसार विवियमित होगा।

> एय० बातचन्द्रन, उप सन्तिष, क्वृते अध्यक्ष,

नई दिल्ती-110011, दिनाभ 16 अपभन 1980

म० ए० 12022/1/19-प्रगा० I(ii)—केन्द्रीय मिलिशालय सेवा के चयन ग्रेड प्रतिगारी तथा संग लेक सेवा प्रायोग के अपिलय में 39 सिचिव थी। एन० के० प्रमाद को 26-5-1980 के प्रविद्ध में ग्रागामा श्रादेणों तक, संघ लोग सेवा प्रायोग के कार्याक्ष में १० 2000-125/2-2250 के वेतनमान में संयुक्त सिचव के पट पर स्थानापश रूप से कार्य करने के कि विभावत सिया अता है।

एस० बालचन्द्रनः, उप समिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

वेन्द्रीय सनक्षेत्रा आयोग

नई दिल्ली. दिनां । 16 ध्रगस्त 1980

मं० 44 पंत्र धार० एस० 52—ग्रवनी नियर्तन की आयु होने पर, श्री एस० के० बासुदेवन, केन्द्रीय सन्तिकालय सेवा के रोलेक्शन ग्रेड अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग में विभागाय जांच ध्रायुक्त के पद पर कार्यरत, 31 जुलाई, 1980 (ग्राप्याह्न) रोलेक्श-निवृत्त हो गर्य।

श्रो० पी० शर्मा, निदेशक

गृह मंत्रालय ता० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्धेषण व्युरो

नई तिल्ला, दिनांग 21 ग्रगस्त 1980

मं० एफ० 2/74-प्रणासन-5—िवनांक 1-7-80 से विनांक 26-7-80 तक 26 दिन की प्रजित छुट्टी समाप्त हो जाने के बाद प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एफ० मी० गर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (तिसलनाडु 1964), पुलिस प्रावीक्षक, केन्द्रीय प्रत्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाये दिनांक 27-7-1980 के प्रविद्ध से तिमलनाडु सरकार की वापस सौंबी जानी है।

र्का० ला० ग्रोबर, प्रणासनिक प्रविकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी महानिदेशालय केन्द्रभेय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ल -110001, दिनातः श्रगस्त 1980

सं० श्री० दो॰ 1478/80-स्थापना---राष्ट्रपति निम्न-लिखित को केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल मे जनरल इयटी आफिसर ग्रेड-IJ(डी॰ एस॰ पी॰ /कम्पनी कमाण्डर) के पद पर अस्थाई रूप से, स्वास्थ्य परीक्षण में सही पाय जाने की शर्त उनके सामने दिखाई गई तारीख से नियुक्त करते हैं .---

1. डा० एस० पलानी चामी	19-7-80
	पूर्वाह्न'
2. डा० एम० कृष्णाराव	25-7-80
	अपराह्न
3. স্থা০ (প্রশেনি) ওদা जैन	1-8-80
	श्रपराह्न

दिनांक 22 भ्रगस्त 1980

सं० श्रो० दो-1464/80-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० के० गतेने शेखरन को 22 जुलाई 1980 के श्रपराह्न से केवल तीन माह के लिये श्रथवा उम पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनण्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 23 भगस्त 1980

मं० पी० एल० 2/79-स्थापना—श्री मोहन सिंह ने उनके कार्यालय श्रधीक्षक के पद पर परावर्तित होने के फलस्वरूप श्रनुभाग श्रधिकारी का कार्यभार 11-8-1980 (श्रपराह्न) को त्याग दिया।

के० भ्रार० के० प्रसाद, सहायक निवेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 ग्रगस्त 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—भटिंडा को स्थानान्तरित होने पर श्री के० एस० श्रह्लुवालिया ने 10 जुलाई, 1980 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड दिया।

मं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—रांची से स्थाना-तिरत होने पर श्री के० एस० ग्रहलुवालिया ने श्री ग्रार० के० जोली के स्थान पर 23 जुलाई, 1980 के ग्रपराह्म मे के० ग्री० मु० ब० यृनिट एन० एफ० एल० भटिंडा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ग्रीर श्रीनगर में स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रार० के० जौली ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया। सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—होशंगाबाद से स्थानान्तित होने पर श्री वाई० पी० जोगेवार ने 16 जुलाई, 1980 के पूर्वीह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट ग्रार० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—सिम्द्री सं स्थाना-न्तरित होने पर श्री के० एस० मिनहास ने श्री एम० एस० बोस के स्थान पर 8 जुलाई, 1980 के श्रपराह्म से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, एन० पी० पी० सी० तुली (नागा-लैंड) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया श्रीर श्री एम० एस० बोस ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)9/80-कार्मिक—-बोकारो से स्थाना-न्तरित होने पर श्री एल० पी० सिंह ने 22 जुलाई. 1980 के पूर्वीह्न से के० ग्री० मु० ब०, यूनिट, ए० एस०पी०, दुर्गा पुर, के महायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 20 श्रगस्त 1980

सं० ई०-16016/19/76-कार्मिक:—प्रितिनियुक्ति की अविध समाप्त होने पर श्री एच० के० चटर्जी ने 11 अगस्त, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक का कार्यालय, के० औ० सु० ब०, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

प्रतिनियुक्ति भ्राधार पर भ्रनुभाग श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री मोहन ढलवानी ने श्री एच० के० चटर्जी के स्थान पर उकत पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

> ह्० अपठनीय महानिरीक्षक

भग मंद्रालय (भग न्यूरो)

किमला-171004, दिनांक 8 सितम्बर 1930

सं• 23/3/80 सी• पी• आई०——जुलाई, 1980 में आँद्योगिक श्रमिकों का अखिल मारतीय उपभोक्ता मूक्य सूचकांक (आधारवर्ष 1960=100) जून, 1980 के स्तर से 8 अंक बढ़ कर 394 (तीन सी चरानवे) रहा है। जुलाई 1980 माह का मूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 479 (चारसी उनामी) आता है।

आतन्द स्वरूप भारवाज, संयवत निदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 श्रगस्त 1980

मं० 10/20/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इन कार्यालय की तारीख 18 जनवरी, 1980 की समसंख्क ग्रिधिसूचना के अनुक्रम में श्रीमती कृष्णा चौधरी की, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में भाषाविद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 31 दिसम्बर,

1980 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की नारीख 28 मार्च, 1979 की श्रिधसूचना सं० 12/5/71-ग्रार० जी० (प्रणा० 1) के पैराग्राफ 2 में उल्लिखित णती के श्रनुसार सहयं बढ़ाने हैं।

श्रीमती चौधरी का मृख्यालय कलकत्ता में होगा।

मं० 11/37/80-प्रणा० 1:—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्रव्येषक के पद पर कार्यरत निम्निलिखित श्रिधिकारियों को, नई दिल्ली मृख्यालय के साथ उसी कार्यालय में प्रत्येक के नाम के समक्ष दिशत तारीख में एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरे जाएं, जो भी श्रविश्र पहले हों, पूर्णत: श्रम्थाई श्रीर तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नित पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर सहर्प नियुवन करने हैं :—

ऋम सं० ३	ाधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1	2	3
ा. श्री एल <i>ः</i>	भी० शर्मा	19 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म)
2. श्री ए स	्र एस० बावा	19 जुलाई, 1980 (पूर्वीह)

उपरोक्त पदों पर नियुक्तियां सम्बन्धित श्रिधकारियों की सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनिकी) के पदों पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता ग्रीर ग्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय विना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, राज्यों में जन-गणना कार्य निदेणालयों में अन्वेषकों के पद पर कार्यरत निभ्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के समक्ष दिशत कार्यालय एवं तारीख से एक वर्ष की अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर पदोक्षति छारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

ऋम सं०	ग्रधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्य कर रहे हैं	नियुक्ति की तारी ख
1	2	3	4
1. ধ্রী য	गार०ई० चौधरी	जनगणना कार्य निदेणालय, महाराष्ट्र बम्बई	23 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)
2. श्री १ लेक		उपरोक्त-	21 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म)

1	2	3	4
3. श्री रा	-1	न्द्र जनगणना कार्य निदेशालय श्रान्ध्र प्रदेश	-

4. श्री एम० एन० सरकार जनगणना कार्य 23 जुलाई, 1980 निदेशालय पश्चिम (पूर्वाह्म) बंगाल, कलकत्ता

2. उपरोक्त पद पर नियुक्ति संबंधित श्रिधकारी को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। सबर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाए उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर ध्रागे उच्च पद पर पदोश्रति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

3. सर्वश्री चौधरी, पींगुरलेकर, राव ग्रौर सरकार का मुख्यालय क्रमणः धम्बई, हैदराबोद ग्रौर कलकत्ता में होगा।

दिनांक 21 ग्रगस्त 1980

सं० 11/116/79-प्रशा० -I:—-राष्ट्रपति, उत्पर प्रदेश सिविल सेवा के ग्रिधिकारी श्री टी० पी० पाठक को उत्पर प्रवेश लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीखा 19 जुलाई, 1980 के श्रपराह्म से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रति-युक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहुर्य नियुक्त करते हैं।

श्री पाठक का मुख्यालय गोरखपुर में होगा।

सं० 11/6/8 0-प्रशा० 1—-राष्ट्रपति, उसर प्रदेश लेखा सेवा के श्रीधकारी श्री मनमोहन नारायण श्रीवास्तव को उसर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 श्रगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीवास्तवा का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

दिनांक 23 ध्रगस्त 1980

सं० 10/40/79-प्रणा०- — राष्ट्रपति, इस कार्यालय के वरिष्ठ प्रनुसन्धान प्रधिकारी के पद पर कार्यरत डा० एस० प्रार० मेहता की सेवाएं, इस कार्यालय के तारीख 19 मार्च, 1980 के समसंख्यक ज्ञापन में उल्लिखित नियुक्ति की णतीं के प्रधीन अपेक्षित एक महीने के नोटिस पर, उनकी प्रार्थना के प्रनुसार, तारीख 8 प्रगस्त, के प्रपराह्म से समाप्त करते हैं।

पी० पदमनाभ, भारत के महापंजीकार कार्यालयः निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-2, दिनांक 23 भ्रगस्त 1980

सं० प्रशा० I/का० म्ना० 245/5-6/पदोन्नति/79-8 1/894—निदेशक लेखापरीक्षा के एतद्द्वारा इस कार्यालय के निस्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को 14 म्नगस्त, 1980 भ्रपराह्न से श्रागामी म्नादेण होने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये लेखापरीक्षा श्रिधकारियों के रूप में नियुक्त किया है।

क्रम संख्या नाम

सर्बश्री

- 1. श्री दीप चन्द जैन
- 2. म्रार० सी० जैन श्री भ्रार० सी० जैन की पदोन्नति उस तिथि से लागू होगी जिस तिथि को यह नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय से वापस भ्रा जाते हैं।
- 3. कें० के० मलिक
- 4. बी० डी० गुप्त
- 5. एस० बी० वर्मा
- एस० के० गुप्त
- 7. प्रेमानन्द

ह० अपटनीय

संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1980

सं० समा० (ए०)/जी० श्रीं०/896—महालेखाकार गुजरात के श्रधीन लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर श्रगला श्रादेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

 श्री के० राघवन " एच० जे० महेता 	1-8-80 (पूर्वाह्न)
3. " ए० के० राजगोपालन	"
4, '' के० के० तिवेदी 5. '' वी० जे० शाह	n
6. " इ० ए स ० सन्दरराजन	"

उपयुक्त पदोन्नतियां तदर्थ स्राधार पर 1980 के विशेष दीवानी सीवील स्रावेदन पत्न संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के श्रन्तिम स्रादेशों की प्राप्ति की शर्तों पर की जाती है।

> ग्न० कृष्णाराव, उप महालेखाकार प्रशासन कार्यालय महालेखाकार गुजरात अहमदाबाद

श्रीनगर, दिनाक 20 स्रगस्त 1980

प्रशा० 1/60/सार्वजनिक-80-81/2175-81---महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर, श्रीनगर श्रगले श्रादेण जारी होने तक निम्नलिखित दो स्थाई अनुभाग अधिकारियो को 8 भ्रगस्त, 1980 (पू०), से स्थानापन्न रूप मे लेखा श्रधि-कारी नियुक्त करते हैं ---

- 1 श्री मोमनाथ काक
- 2 श्री पृथ्वीनाथ हण्डू

हर प्रसाद दास, वरिग्ठ उप महालेखाकार (प्र०एव घ्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, उडीसा भुवनेश्वर, दिनाक 14 श्रगस्त, 1980

म० 65-- महालेखाकार महोदय ने ग्रगले भ्रादेश तक इस कार्यालय के निम्निखित प्रनुभाग प्रधिकारियों को वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर प्रत्येक के सामने श्रकित तिथि से लेखा अधिकारियों के रूप में कार्य सम्पादन के लिये नियुक्त किया है।

पदोन्नति, न्यायालयो मे विचाराधीन मामलों पर उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय के लिये निर्णयानुसार तदर्थ म्राधार पर की गई है।

				पूजास्त
1	श्री गोपाल चन्द्र दास			4-7-80
2	श्री देवेन्द्र कुमार महान्ती			5-7-80
3	श्री ए० वेक्ट राव			9-7-80
4	श्री विजय सिकदार			7-7-80
5.	श्री वुर्योधन राजहस			2-7-80
6	श्री मुकुन्दा नायक			2-8-80
		के०	पी०	वेकटेश्वरन,

यरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

trafa

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्नक

नई विल्ली-110022, दिनाक 18 श्रगस्त 1980

सं0-68018(2)/71/प्रणा<math>0-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा की एक अधिकारी, कुमारी भ्रंजली भ्रहलुवालिया (जो वित्त मंत्रालय (रक्षा प्रभाग) नई दिल्ली मे, विलीय उप सलाहकार के रूप मे प्रतिनियुक्ति पर है) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) मे, स्थानापन्न रूप मे कार्य करने के लिये,

दिनाक 1 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से, ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, 'श्रनुक्रम नियम'' के श्रक्षीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> श्रार० एल० बक्शी, रक्षा लेखा अपर महा नियन्नक (प्रणा०)

रक्षा मन्नालय

ष्ठी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनाक 20 ग्रगस्त 1980

स० 18/80/ए/ई०-1 (एनजी) --- महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैंक्टरियाँ महोदय, श्री जगदीश चन्द्र घोष, सहायक स्टाफ श्रफसर (तदर्थ) को स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसर के पद पर, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्सि मे, दिनाक 1-8-80 से प्रागामी प्रादेश होने तक, प्रोन्नति करते

श्री घोत्र दिनाक 1-8-80 से दो वर्षो तक परखावधि पर रहेगे।

महानिवेशक, आईनेन्स फैक्टरियो महोदय, श्रीमती स्मृति लाना सेन गुप्ना, स्थाई सहायक को, सहायक इंस्टाफ अफसर (तदर्थ) के पद पर, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्ति मे, दिनाक 1-8-80 से, ग्रागामी भ्रादेश होने तक, प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 21 श्रगस्त 1980

स० $19/80/\sqrt{\xi}$ 01 (एन० जी०)—महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरिया महोदय, श्री देवब्रतराय, स्थाई सहायक, को दिनाक 18-8-80 से भ्रग्निम भ्रादेश न होने तक, तदर्थ श्राधार पर, वर्तमान रिक्ति मे सहायक स्टाफ भ्रफसर (ग्रुप ''बी'' राजपत्नित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

> डी० पी० चक्रवर्ती, ए डी जी भी एफ प्रशासन क्ते महानिदेशक, भ्रार्डनेन्स फैक्टरिया

वाणिज्य मत्रालय

हथकरघा विकास भ्रायुक्त कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रगस्त 1980

ए०-12025 (एक) / 3/80-व्यवस्था II (क) ---राष्ट्रपति श्री सुदाम चन्द चावरे को 7 जुन, 1980 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेशो तक के लिये बुनकर मेवा केन्द्र, दिल्ली मे सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

सं० ए० 12025(1)/7/80-व्यवस्था II (क) — राष्ट्र-पति श्री जी० रामास्वामी को 1 श्रगस्त 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र मद्रास में उपनिदेशक (बुनाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/7/80-व्यवस्था II (क)— राष्ट्रपति श्री ग्रार० सी० शास्त्री, तकनीकी महायक (रंगाई) को 29 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड I (ग्रीसेंसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/7/80-व्यवस्था IJ (क)---राष्ट्रपित श्री ग्रार० ए० देशपांडे, तकनीकी सहायक (रंगाई) को 29 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रागामी भादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, बंगलीर में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोसैसिंग) के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

> एन० पी० शेपाद्रि, संयुक्त विकास भ्रायुक्त, (हथकरघा)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

धनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय नई दिल्ली-19, दिनांक 20 भ्रगस्त 1980

सं० ए० 11013/1/79-स्थापना—इस निदेशालय की 25 प्रप्रैल, 1980 की इसी संख्या की प्रिधसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति मंत्रालय के स्थानापक्ष वरिष्ठ हिन्दी प्रनुवादक श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में हिन्दी प्रधिकारी के पद पर सदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः प्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर पहली सितम्बर, 1980 से 28 फरवरी, 1981 तक अथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति सक, जो भी पहले हो जारी रखा गया है।

ग्र० कु० श्रग्रवाल, मुख्य निदेशक

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रगस्त 1980

सं० 12(566)/68-प्रशासन (राजपन्नित)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर तकनीकी परामर्शवाता के रूप में नियुक्ति होने पर, डा० श्रार० बी० परमार्थी ने दिनांक 30 ज्न, 1980 (श्रपराह्म) से लघु

उद्योग सेवा संस्थान (णाखा), वाराणमी के उप निदेशक (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उप निदेशक (प्रशा०)

फिल्म प्रभाग

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय बम्बई, दिनांक 20 श्रगस्त 1980

सं० ए० 12025(ii)/4/79-गीबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री नाय जे० फेनी, स्थाई, प्रनुरक्षण ग्रिभियन्ता, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को स्थानापन्न प्रयोगशाला ग्रिभियन्ता के पद पर तद्वर्थ पर दिनांक 31-5-1980 के पूर्वाह्न से अगले ग्रादेण तक नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा, सहायक प्रशासकीय स्रधिकारी **कृते** सुख्य निर्माता

पव सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० ए० 12026/1/77-स्थापना—प्रधान सूचना प्रिक्षिकारी एनद् द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय संवर्ग सेवा के ग्रेड 4 श्रिधकारी और श्राकाणवाणी महानिदेणालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यरत श्री डी० जनार्थन राव को पत्र सूचना कार्यालय के मद्राम कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर 18 जून, 1980 के पूर्वाह्म से 2 वर्ष की श्रवधि के लिये प्रणासनिक ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

मदन मोहन शर्मा, सहायक प्रधान सूचना प्रधिकारी कृते प्रधान सूचना प्रधिकारी

विज्ञापन ग्रौर दश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रगस्त 1980

सं० ए० 12026/9/80-स्था०---विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री डी० एल० घोषाल, वितरण सहायक श्री जोगीराम लंगन, सहायक वितरण श्रिधकारी, जिनको छुट्टी दी गई है तथा इसके पश्चात् श्रस्थाई रूप से नई दिल्ली में स्थानान्तरण किया गया है के स्थान पर 14 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई रूप में सहायक वितरण श्रिधकारी के पद पर नियक्त करते हैं।

जनक राज .लिखी, उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और दक्ष्य प्रचार निदेशक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 ग्रगस्त 1980

सं० ए० 19019/16/79-के० से० स्वा० यो०-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेणक ने डा० ए० एस० राव को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 23 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से श्रस्थाई श्राधार पर श्रायुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुवत किया है।

> एन० एन० घोष, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 ग्रगस्त 1980

> संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्नेनिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक ग्रगस्त 1980

सं० ए० 19023/5/80-प्रणा० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री कें एन० घुंगस्दकर सहायक विषणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन अम्बई में तारीख 11-7-80 (पूर्वा०) में श्रगले आदेश होने तक स्थानायन विषणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 ग्रगस्त 1980

मं० ए० 19023/49/78-प्रणा० III—इस निदेशालय के प्रधीन अक्षोहर में उप विष्णित प्रधिकारी (वर्ग-I) के पद पर्े पदोन्नति होने के उपरान्त श्री ए० के० गृहा ने तारीख 30-7-80 के श्रपराह्म में फरीदाबाद में विषणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/6/80-प्रणा III—संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तृतियों के श्रनुसार श्री हर प्रसाद सहायक विषणन श्रधिकारी को इस निदेणालय के श्रधीन बम्बई में तारीख 11-7-1980 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न विषणन श्रधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है। 2. विपणन श्रिधकारी के पट पर नियुक्ति होने के उपरान्त श्री हर प्रमाद ने तारीख 30-6-80 के ग्रपराह्न में टॅगाटूर में महायक विपणन ग्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/49/80-प्रणा० III—संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तृतियों ध्रनुसार श्री कलोल चन्दर लहरी को इस निदेशालय के प्रधीन कलकत्ता में तारीख 20-6-80 (ध्रवराह्म) से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विकास प्रधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/50/80-प्रशाः III—संघ स्नोक सेवा आयोग के संस्तृतियों के श्रनुसार कुमारी सजनी बन्ना को इस निदेशालय के अधीन चण्डीगढ़ में तारीख 11-7-80 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन श्रिधकारी (वर्गा) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 श्रगस्त 1980

सं० ए० 19023/26/78-प्र० III—इस निदेशालय के ग्रधीन खण्डवा में उप वरिष्ठ विषणन ग्रधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री ए० जी० देशाण्डे ने तारीख 21-6-80 के ग्रपराह्न में नागपुर में विषणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/4/80-प्र० III—विभागीय पदोक्षति सिमिति (वर्ग ब) की संस्तुतियों के प्रतुसार निम्निलिखित प्रधिकारियों को, जो प्रत्यकालीन प्राधार पर सहायक विपणन प्रधिकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 25-4-80 से प्रगसू प्रावेण होने तक नियमित प्राधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन प्रधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

- 1. श्री जी० वी० राममूर्ति।
- 2. श्रीमती श्रार० ललिता।
- 3. श्री पी० डी० गिरासे।
- 4. श्री के० जयनन्दन।

सं० ए० 19025/13/80-प्र० III—संघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० के० गंगोपाध्याय को सारीख 10-7-80 (पूर्वा०) से इस निवेशालब के अधीन बम्बई में स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

उनका त्यागपत्र तारीख 12-7-80 (ग्रप०) से स्वीकार कर लिया गया है।

> वी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन **इते** कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु म्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० पी० ए० /43(1)/805 आर० 4--- नियंत्रक, भाभा परमाण अनुसन्धान केन्द्र, सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय में स्थाई सुरक्षा अधिकारी श्री करमचन्दानी लक्ष्मण हीरानन्द को, जबिक वे छुट्टी पर थे, सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय से भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में स्थानान्तरित किये जाने पर, इस अनुसन्धान केन्द्र में 12 मार्च 1980 से अग्रिम आवेशों तक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

12 मार्च 1980 से 13 मई, 1980 तक श्रपने श्रवकाश समाप्त होने पर श्री करमचन्दानी ने 14 मई 1980 पूर्वाह्न को सुरक्षा श्रधिकारी पद का कार्यभार संभाल लिया है।

यह ग्रधिसूचना दिनांक 9 जून, 1980 की समसंख्यक ग्रिथिसूचना के ग्रिथिकम में है।

> ए० एस० दीक्षित, उपस्थापना श्रिधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनौंक 11 श्रगस्त, 1980

सं० विप्राह्म/3(262)/76-प्रणासन/10811—हस प्रभाग की दिनांक प्रप्रैल 7, 1980 की प्रधिसूचना संख्या 3(262) 76-प्रणासन के प्रनुकम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि विपिक श्री एन० टी० करवानी को जुलाई 31, 1980 के ग्रपराह्म तक के लिये. सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पद का कायभार स्थानापन रूप में संभाने रखने की ग्रनुज्ञा प्रदान कर दी गई है।

व० वि० थत्ते, प्रशासन श्रधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना . डाक नपविप कालोनी, दिनांक 16 ध्रगस्त 1980

सं० त० प० वि० प०/प्रशा०/1(71)/80-एस०/10550-नियंत्रक सामान्य तथा रक्षा-लेखा कार्यालय के श्री के०
एल० वी० भुवया, सेक्शन ग्रधिकारी (लेखा), जो नरोरा
परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक
लेखा ग्रधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्ति
ग्रवधि समाप्त होने के पण्चात् उन्होंने ग्रपने पद का कार्यभार
दिनांक 30 जून, 1980 के ग्रपराह्न में छोड़ दिया तथा
ग्रपने पूर्व विभाग को, ग्रपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

सं० नं० पर्व वि० पर्व /प्रका / 5(17) / 80-एस / 10551 — पश्चिमी रेलवे, बम्बई के श्रनुभाग श्रिधकारी (लेखा), श्री म्रार० बी० भ्रवस्थी, जो नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा म्रधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्ति भ्रविध समाप्त होने के पश्चात्, उन्होंने भ्रपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1980 के भ्रपराह्म में छोड़ दिया तथा श्रपने पूर्व विभाग को भ्रपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा० 1(183)/80-एस०/
10552—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, महालेखाकार कार्यालय राजस्थान, जयपुर
के अनुमाग अधिकारी (लेखा) श्री निरंजन देव को, नरोरा
परमाणु विद्युत परियोजना में, सहायक लेखा अधिकारी के
प्रतिनियुक्ति पद पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०40-960 के वेतनमान में दिनांक 3 जुलाई, 1980 के
पूर्वाह्म स प्रतिनियुक्ति की सामान्य णतौ पर अग्निम आदेशो
तक के लिये नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 ग्रगस्त 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रणा०/1(182)/80-एस०/10568 — नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना स्रिभियन्ता, निदेशक लेखा परीक्षा कार्यालय—उत्तर रेलवे, बड़ौदा, हाउम, नई दिल्ली, के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के प्रतिनियुक्ति पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 2 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अग्निम आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की मामान्य गर्तो पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी, वरिष्ठ प्रणासन ग्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 10 अगस्त 1980

सं० ना ई स/का० प्र० भ०/0706/5453—नाभिकीय ईंधन समिश्र के मुख्य कार्यपालक ने महायक लेखाधिकारी श्री बी० वेंकटेश्वर रात्र का दिनांक 9-5-1980 से 8-6-1980 के श्रवराह्म पर्यन्त स्थानापस लेखाधिकारी-IJ के पद पर तदर्थ ग्राधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुवत किया है।

यह प्रधिभूचना इस कार्यालय की श्रिधिभूचना सं० नाई स/का०प्र०५०/0705/2636 दिनांक 19-5-1980, का स्थान लेगी।

सं० ना ई स/का प्र भ/0705/5454 — ग्रंधिसूचना सं० ना ई स/का प्र भ/0705/5603 दिनांक 22-12-1979 के कम में नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक नेखाकार श्री एस० रंगराजन का दिनांक 18-2-1980 से 30-6-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखा-

धिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर मियुक्त किया है।

यह, इस कार्यालय की श्रधिसुबना सं० ना ई स/का प्र भ/0705/1922 दिनांक 26-3-1980, का स्थान लेगी।

सं० ना ई स/का प्र भ/0705/5455——नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एन० भारतन का नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 19-5-1980 से 8-6-1980 पर्यन्त स्थाना-पन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर तद्दर्थ श्राधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

सं० ना ई स/का प्रभ/0705/5456 — नाभकीय ईंघन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री मोहस्मव इस्माइल का नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 14~5-1980 से 31-5-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखा-धिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

> यू० वासुदेवा राव वरिष्ठ प्रशासनिक ध्रधिकारी

(परमाण् खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, विनांक 21 अगस्त 1980

सं० प ख प्र-1/7/79-प्रशासन — परमाण् ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निर्देशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखाकार श्री जे० के० शर्मा को उसी प्रभाग में 9-6-1980 के ग्रपराह्म से लेकर 9-2-1981 के श्रपराह्म तक तर्क्य तौर पर स्थानापन्न सहायक लेखा-धिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० रा**व** वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रिधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 310/3/79-ई० ए०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रिधकारियों को दिनांक 24 जुलाई, 1980 से नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र श्रिधकारी के ग्रेड में स्थाई तौर पर नियुक्त किया है।

भम संख्या नाम

1

1. श्री एम० ए० पास

2

- 2. श्री म्रो० पी० हींगरा
- 3. श्री एम० पी० **खोस**ला
- 4. श्री के० एस० प्रसाद

2

1

- 5. श्री एन० डी० घोष
- 6. श्री रवीतम्खा
- 7. श्री सी० ग्रार० राव
- 8. श्री ग्रार० एस० भगत
- 9. श्री कुन्यन लाल
- 10. श्री जे० जे० सरदमा
- 11. श्री के० सी० मिश्रा
- 12. श्री जी० बी० के नैयर
- 13. श्री डी० डी० सरदना
- 14. श्री के० एन० वेंकटचलैया
- 15. श्री एस० सी० शेखखरी
- 16. श्री एस० के० जैन
- 17. श्री डी० रामानुजम
- 18. श्री ए० टी० वर्गीस
- 19. श्री के० बी० एस० राष
- 20. श्री एन० पी० शर्मा.
- 21. श्री एस० के० बनर्जी
- 22. श्री म्रार० कोतन्दारमन
- 23. श्री कें बे के सेक्सेना
- 24. श्री ए० एम० थामस
- 25. श्री एस॰ ए॰ राम
- 26. श्री एम० एम० शर्मा
- 27. श्री डी० सी० खरव
- 28. श्री के० बी० के० खरा
- 29. श्री डी॰ एन॰ धवन
- 30. श्री ए० एफ० दिग्गा
- 31. श्री ए० एम० निन्दकर
- 32. श्री बी० एस० चावला
- 33. श्री डी० संधानम
- 34. श्री द्यार० एल० वर्मा
- 35. श्री ए० के० बसु
- 36. श्री **प्रार**० एल० चौपड़ा
- 37. श्री पी० सी० गीयल
- 38. श्री सी० एन० प्रसाव
- 39. श्री एच० एम० इसराइल
- 40. श्री डी० एन० चोष
- 41. श्री डी० कें सेन
- 42. श्री बी० एम० श्ररोहा
- 43 श्री बी० के० दुग्गल
- 44. श्री बी० के० धरकार

1 2	1 2	3
45. श्री बी० एस० गम्भीर	4. श्री एच० डी० लाल	भोपाल
4.6. श्री एन० के० मूर्ति	5. श्रीजी० बी ० बन्स ल	राजकोट
47. श्री पी० ए० रघुनाथन	6. श्री एम० एस० गोसाई	पालम
48. श्री एम० बी० एल० अप्रज	7. श्री सी० एन० एस० मर्थ	मद्रास
49. श्री एच० एस० गुप्ता	8. श्री एन० एन० माथ् र	खुमवीरभाम
50. श्री सी० के० कुट्टी कृष्णन 51इ श्री भ्रार० सी० खुराना	9. श्री पी० खंगेखवानी	दमदम
51६ आ आरं सार भुराना 52. श्री पी० ग्रार० संबरवाल	10. श्री पी० वी० वासवानी	्राप्ताः एम्रो० (पी०) मुख्यालय
52. श्री एम० पी० चावला		, , ,
54. श्री एम० एम० जार्ज	11. श्री के० पी० एस० नायर	
55. श्री के० एल० तनेजा	12. श्रीए० के० झा	उत्तरी लिखमपुर
56. श्री डी० पी० प्ररोड़ा	13. श्री एस० जे० सिंह	पालम
57 श्री जी० बी० सुवामन्यम्	14. श्री एस० के० बौहरा	सान्ता ऋ ज
58. श्री एम० एम० मलिक	15. श्री विनोद कुमार यादव	सान्ताकुज
59. श्री एम० एल० उप्पल	16. श्री दलजीत सिंह चात्रथ	पालम
60. श्री वी० के० पाण्डेय	17. श्री डी० डी० विय्थी	श्रीनगर
61. श्री ए० डी० मिलक	18. श्री के० के० मलहोता	दम दम
62 श्री म्रार० ए० म्रवस्थी	19. श्री जी० एस० काल्सी	लेह
63-श्री एस० पी० अरोड़ा	20. श्री ए० टी० रिचार्ड	मद्रा स
64. श्री ग्री० पी० वधवा	21. श्री राजेन्द्र पाल सिंह	बम्ब ई एयरपोर्ट
65. श्री जे० एन० जेटली	22. श्री ग्रवल ग्रानन्द	तिरुपति
66. श्री एम० के० दत्ता 67. श्री भार० सी० कान्डा		
	23. श्रीसी० एम० कोथायत्	बम्बई
68. श्री के० मुकन्दन 69. श्री के० एच० बतुरा	24. श्री पी० एन० भास्कर	भावनगर
70. श्री श्रो॰ पी० सतिजा	25. श्री एच० सी० मलिक	भ्रमृत स र
71. श्री भ्रार० भ्रार० चुघ	26. श्री एच० ग्रार० जसेशी	बम्बर्ष
72. श्री डी० एन० सिंह	27. श्री एस० सी० हुरिया	बेगमपट
73. श्री एम० एल० कपूर		
74. श्री जे० एस० वजीर		वी० वी० जौहरी
75. श्री टी० एस० सन्धू		उपनिदेशक, प्रशासन
76.श्री ए० एन० खे रा		

विनांक 2 ग्रगस्त 1980

32013/17/78-€∘ ए०--राष्ट्रपति ने निम्नलिखित प्रधिकारियों की विभानक्षेत्र प्रधिकारी के ग्रेड में तबर्थ नियुक्तियों की दिनांक 31-8-80 तक या इन पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है।

कम संख्या	नाम	स्टेशन	<u>-</u>
1	2	3	
1. প্রী	कवि राज सिंह,	ए०एस०ग्रो० मुख्यालय	(ए०टी०सी)
2. श्री स	। जे० ए स ० ग्रार० के० र्मा	म द्रास	 7
3. শ্ব	ग्रमीर चन्द	्ग्वासियर ्	

नई दिल्ली, दिनांक 20 प्रगस्त 1980

सं० ए० 12025/11/79-ई० एस०---राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के वारन्ट ग्रधिकारी श्री एम० एन० कुट्टो को दिनांक 7—8−1980 (पूर्वाह्मसे तीन वर्ष के लिये अन्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद पर निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया हैं।

सं० ए० 32014/2/80-ई० एस०--- महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० डी० जैन को दिनांक 22 जुलाई, 1980 पूर्वीह्न से और अन्य आदेश होने तक, क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बस्बई के कार्यालय में, नियमित श्राधार पर प्रशासन अधिकारी (समूह "ख" पद) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 21 ग्रगस्त 1980

सं० ए० 38015/3/80-ई० एस०—निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप क्षेत्रं य निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एस० मल्होद्रा, प्रशासन ग्रिधिकारी ने दिनांक 31 जुलाई, 1980 ग्रापराह्म से ग्रापने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> ग्रार० एन० दास, महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 भ्रगस्त 1980

सं० 1/338/80-स्था.—नर्ड दिल्ली के स्थानापन्न सहायक प्रणासन ग्राधिकारी, श्री ए० के० बोस निवर्तन की भ्रायु के हो जाने पर 26 फरवरी, 1980 के अपराह्म से सेवा निवृक्त हो गये।

सं० 1/357/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निवेशक एतद्द्वारा सिविल समूह, बस्बई के तकनोकी सहायक, श्री बी० वो० वरदन को बिल्कुल तदर्थ, श्राधार पर ग्रल्प-कालिक खाली जगह पर 21-4-1980 से 31-5-1980 तक की ग्रवधि के लिये उसी कायीलय में स्थानापन्न रूप से सहायक ग्राभियन्ता नियुक्त करते हैं।

> एच० एन० मलहोत्ना, उप निदेशक (प्रणा०), **कृते** महानिदेशक

वन भ्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 18 श्रगस्त 1980

सं० 16/355/80-स्थापना-1---ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्राः रामास्वामी प्यारिया-स्वामी को वन ग्रनुसन्धान संस्थान कोयम्बट्टर में दिनांक 7 ग्रप्रैल, 1980 के ग्रपराह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक सहर्ष ग्रनुसन्धान ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> रा० ना० महान्ती, कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतीलय कोचिन, दिनांक 28 स्रप्रैल 1980

सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 232क के ग्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, सी० भुजंगस्वामी, समाहर्ता, सीगा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, कोचिन उन व्यक्तियों के नाम, पते शौर अन्य विवरण प्रकाशित करता हूं जिनको केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के उपबन्धों का उल्लंधन करते हुए पाया गया है तथा जिन पर 10,000/--- रुपये (दम हजार रुपये) या उससे अधिक दण्ड लगाया गया है।

- (1) ब्यक्तियों के नाम/पतेः
 - श्री: एन० नालकंठन नायर (सेवा निवृत्त प्रबन्ध निदेशक),
 86/111 णान्ति लेन, तोट्टाकाट्टुकरण भ्रालुवाय, केरल।
 - स्वर्गीय श्री पो० के० नायर (महा प्रवन्धक, 5/ 537क सिजित बिहार, एरिन्ह्यालम, डाकघर, कैलिकट 6 केरल।
 - श्री पो० टो० देवस्सं (निदेशक) चीफ कनजरबेटर क्वार्टेर्म, निरुश्चनन्तपुरम, केरल ।
 - 4 श्री के० वो० थामस (निदेशक) 163 उदरिशरोमणी रोड, निरुअनन्तपुरम, केरल।
 - 5 श्री के० एन मेनोन (निदेशक) ए० प्राई० कवार्टेर्स प्रालन्द कालोनो, कुंडरा, केरल।
 - तः भी वः मुकुमारन नायर (निदेशक) श्रीकृष्ण-विलासम, शास्त्रामंगलम, तिरूग्रनन्तपुरम केरल ।
 - 7. श्री एन० के० ग्रार० पणिक्कर (निदेशक) गोपी मन्दिर, पारक्कल, बंचियूर तिरूग्रनन्तपुरम, केरल।
 - श्रो वर्मलोचन (निदेशक) मा ल्यू, तंकरशेरी, कोल्लम, केरल।
 - 9. श्री पो॰ श्रो॰ स्पेन्सर, (निदेशक), पुतानबोडु, करवालूर पोस्ट, पुनलूर, केरल।
 - 10. र्थाः चित्तरंजन (निदेशक) पुलिविलिचिल वीडु, मुंडक्कल ईस्ट, कोल्लम, केरल।
 - 11. श्रोः एस० पीर मुहम्मव (निदेणक) रूक्सविला णास्तामंगलम तिरूग्रनन्तपुरम, केरल।
- (2) फर्म का नामः द्रावंकूर प्लाईबुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, पुनलूर, केरल।
- (3) म्रधिनियम या नियमों | केन्द्रोय उत्पादन शुल्क नियमा-के उपबन्ध जिनका | वलीं 1944 के नियम उल्लंधन किया गया | 9(1), 52क 53, 173 ख, 173 ग, घ ग्रीर ङ,
- (4) लगाये गये दण्ड की 100,000 /- रु० (केबल राशि एक लाख रुपये)
- (5) उत्पादन शुरुक योग्य सम्बन्धित माल का केन्द्रीय उस्पादन माल या ग्रन्य सम्पत्ति शुरुक मूल्य 10,01,844 81 का मूल्य जिसे न्याया- रुपये इस मूल्य पर समुचित दर लय ने धारा 10 के पर णुल्क मांगा गया। ग्रिधीन जब्त करने का ग्रादेण दिया है या धारा 33 में विनि-

विष्ट श्रधिकारी ने जब्त किये जाने योग्य समझा है। योग्य समझा है।

- (6) अब्तो के बदले में लगाये गये जुर्मीने की राशि: शूम्य ।
- (7) नियम 181 के श्रधोन रह किये गये किसी भी लाइसेंस का विवरण: शून्य ।

संत्र भुजंगस्वार्माः, समाहर्ता

नागपुर-440001, दिनांक 19 ग्रगस्त, 1980

सं० 6/80—इस मसाहर्ता क्षेत्र के नियोक्षक (प्र० श्रे०) श्री एस० बी० काणे की प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, श्रेणी 'ख' के पद पर पदोक्षति होने पर उन्होंने मुख्यालय, नागपुर में प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक श्रेणी 'ख' मुख्यालय के कार्यालय का दिनांक 10 जुलाई, 1980 के प्रपराह्म से कार्यभार सहण किया।

के० शंकररामन समाहर्ता,

केन्द्रीय जल प्रायोग

नई दल्ली-22, दिनांक 20 ग्रगस्त 1980

सं० 3(डो॰ ए॰)/5/79-प्रशा॰छ—केन्द्रीय सिविल सेवायें (ग्रस्थाई सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के श्रनुसरण में, मैं, जी॰ एस॰ जाखड़े, सिविब, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री सुणील जैरथ, श्रभिकल्प सहायक को एतद्वारा नोटिस वेता हूं कि भारत के राजपल में यह नोटिम प्रकाणित होने की तारीख से एक महीने की श्रवधि समाप्त होने की तारीख को उनकी सेवायें समाप्त हो जायेंगी।

जी० एस० जाखड़े, सचिव, केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय भौर कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनो के रिजस्ट्रार की कायौलिय कम्पनी अधिनियम 1956 और टोकी टाइस्स एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइनेट लिमिटेड के विषय में पटना-800001, दिनांक 19 श्रगस्त 1980

सं० 886/569/80-81:---कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमारण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टोकी टाइल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो कम्पनी निबन्धक के कार्यालय से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

पी० के० चटर्जी, कम्पनी निबन्धक, बिहार

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स बोम्बे गनी डीसर्स लेमिनेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 1 अप्रैल 1980

संव 17985/560(3)—कम्पनीं प्रिष्ठिमियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बोम्बे गनी डोलर्स लेमीनेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशास न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

ए० सी० गुण्ता, कम्पनियों का श्रितिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कार्यालय म्रायकर म्रायुक्त ग्रायकर विभाग

लखनऊ, दिनांक 16 ग्रगस्त 1980

सं० 92—श्री श्रशोक कुमार जौहरी, श्रायकर निरीक्षक, झायकर कार्यालय, बस्ती को श्रायकर श्रधिकारी, 'वर्ग ''ख' के पद पर श्राफीसियेट करने के लिये ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने विनोक 30-6-80 के पूर्वाल में श्रायकर श्रधिकारी, सी-वार्ड सेलरी सिकल, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 93-श्री ष्याम नाथ कपूर, श्रायकर निरीक्षक, कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायकत रेंज-I, बनारस को श्रायकर श्रधिकारी, वर्ग ''ख" के पद पर आधीसियेट करने के लिये द० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोक्षति किया गया है। पदोक्षति पर उन्होंने दिनांक 1--7-80 के पूर्वीह्न में श्रायकर श्रधिकारी एफ वार्ड, बनारस के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 94---श्री मदन लाल सरीन, ग्रायकर निरोक्षक, कार्यालय निरोक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज-II, बनारस को श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रियकरों, वर्ग "ख" के पद पर श्रफोसियेट करने के लिये ए० 650-30-74 0-35-810-द० रो०-35-880-

40-1000 दं रो०-40-1200 के वेसनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-7-80 के पूर्वीक्ष में श्रायकर श्रधिकारी, जी-बाई, बनारस के क्य में कार्यभार संभाला।

धरनी धर भायकर आयुक्त

श्रायकर श्रपील श्रधिकरण बम्बई 400020, दिनांक 19 श्रगस्त 1980

सं० एफ० 48-एडी (एटी)/80:—-श्रा नारंजन दास, स्थानापन्न सहायक ग्रधीक्षक, श्राय कर ग्रपील ग्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली जिन्हें श्रायकर श्रपील श्रधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 21-7-80 से 16-8-80 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने की श्रनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यीलय के दिनांक 25

जुलाई, 1980 की अधिसूचना सं० एफ० 48-एडो (एटी)/80, को अब आयकर अपाल अधिकरण, दिल्लो न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर अगेर एक महीने की अवधि अर्थात् दिनांक 17-8-1980 से 16-9-1980 तक या जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग बारा नहीं की जाती, जो भी शी अतर हो, स्थानापक रूप में कार्य करते रहने की अनुमति वी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदथं श्राधार पर है और यह श्रं नारंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा प्रदान नहीं करेंगी और उनके द्वारा तदथं श्राधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वर्रायता के श्राभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोण्नत किये जाने की पालता ही प्रदान करेंगी।

> टी० डी० शुग्ला प्रध्यक्ष

प्रकृप माई• टी• एन• एस•----

आंयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-म (1) के मधीन मूजना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 22 श्रमस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० न्नार०-I/- 12-79/6054—न्नतः मुझे कु० न्नार० के बाहल सायकर ग्रांबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

आयकर प्रावित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रवितियम' कहा नया है), की धारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व्यप् से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एच० नं० 5638 है तथा जो प्लाट नं० 40 बसती हर फूर्लीसह सदर बाजार दिल्ली (1/3 हिस्सा) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब प्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1979

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमा प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है बीर धन्तरिक (मन्तरिकों) और अन्तरितीं (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाय की वादत, उक्त आधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे वक्ने में सुविशा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या निसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें घारतीय घायकर घिषित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्रयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः घवः, उपत अधिनियम की धारा 269-य के जनुसरण में, में, प्रका प्रविनियम की बारा 289-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :— (1) ओम प्रकाश पुत स्वर्गीय लाला सीता राम 53/2 पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमावर्मा धर्मपत्नी श्री हरी प्रकाश निवासी 53/2 पंजाबी जाग नई दल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के प्रजैन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को धर्वीध त्रा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को धर्वीध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (सा) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त पश्चितियम के प्रव्याय 20का में परिमाणिक है, नहीं प्रश्नेहोना को उस प्रश्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तिहाई बिला बटा हिस्सा मकान नं० 5638 प्लाट नं० 40 जिसका क्षेत्रफल 111.1 वर्ग गज वसती हरफूल सिंह सदर बाजार में स्थित है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से है।

उत्तर: 40' चौड़ी सड़क दक्षिण: 15' चौड़ी सड़क पूर्व: प्लाट नं० 16

पश्चिम: पश्चिम श्राधा हिस्सा प्लाटनं० 40

कु० ग्रार० के० बाहल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 28-8-80

28-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन—यतः मुझे एम० एस०

वौहान
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० के-5 है तथा जो फतेहटी वा जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण

भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख

को पूर्णकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्विन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (ख) ऐसी िकसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

न्यतः सब, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:--

- (1) श्री सरदार दलजीतसिंह पुत्र सरदार दर्शन सिंह 23-बी, सेठी कालोनी, जयपुर। (ध्रान्तरक)
- (2) श्री राम किशोर जाजू पुत श्री फूल किशन जाजू के-5, फतेहटी बा, श्रावशे नगर, अयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 के में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संख्या के-5, फतेह्टी बा श्रादर्श नगर, जयपुर का एक भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विकय पत संख्या 3136 दि॰ 28-12-79 में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-80

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 भ्रगस्त 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन—यतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० — है तथा जो चूरू में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चुरू में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ख में, म[‡], उक्स अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्रीमती किशनी देवी विश्वदा पत्नी स्व॰ राम स्वरूप ब्राह्मण द्वारा चिमन लाल पुत्र माली राम ब्राह्मण, चुरू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद श्रमीन और सालुद्दीन पुतान हाजी भूरे खां खटीक चुरू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरो।

स्पाळवीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्ची

जमीन जो बाई नम्बर 22 शित मंदिर चुरू में स्थित है और जिसकी माप 1310 दरगज है और जो उप पंजीयक चुरू हारा पंजीबद्ध विकय पत्न संख्या 878 दिनांक 27-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चीहान सक्षम प्राधिकारी, (**सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण)** स्रजैन र्रेज, ज**वपुर**

ता**रीय:** 22-8-1980

प्रारूप बाई • टी • एन • एस •-

आधार अधिनियम, 1961 (1961का 43) की झारा 265-च (1) के झधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 22 ग्रगस्त 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन——यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- र• से मधिक है

भीर जिसकी सं० — है तथा जो चुरू में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चुरू में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-12-1979

की पूर्वोक्त सम्पति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को पिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिमत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) बीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में विस्तिक कप से कथित नहीं किया वया है :---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत ग्रिक्तियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वागित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय मा किसी घन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- 3—236GI/80 (1) श्री किशनो देवी विश्ववा पत्नी स्व० राम स्वरूप स्राह्मण द्वारा चिमन लाल पूत्र माली राम स्नाह्मण, चुरु।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बरकत अली पुत्र हाजी भूरेखां खटीक, चुरू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उपत सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जी छक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20क में परिकाधित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जो वार्ड नम्बर 22 णिक्त मिन्दर चुरू में स्थित है श्रौर जिसका नाप 1056 दर गज श्रौर जो उप पंजीयक द्वारा पंजीबद्ध विकथ पत्र संख्या 877 दिनांक 27-12-79 में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

नारीख: 22-8-80

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा०/ग्रा० ग्रर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इसमें स्थान अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी संख्या है, तथा जो व्यावर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, व्यावर में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफन के निष् धन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यात करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और भन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के निष्, तम पाया प्रया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश में उक्त प्रतिप्त निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधितियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त श्रधितियम की धारा 269 घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:-- श्रे

- (1) श्री रामचन्द्र पुत्र सुखदेव ग्रहीर छावनी रोड, चम्पानगर, व्यावर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गणेण प्रसाद पुत स्राणा राम कुम्हावत फतेह-पुरिया बाजार, व्यावर एवं तेजराज पुत्र रामचन्द्र, मेवाड़ी बाजार, व्यावर (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि- · नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसुची

कृषि भूमि 3 बीघा 5 बिस्वा श्रौर 10 विस्वान सिंह जो देलवाड़ा रोड व्यावर पर स्थित है, और जो उप पंजियक व्यावरद्वारा पंजीबद्ध विक्रय-पत्र संख्या 2664 ता० 19-12-79 में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयगुर

तारीखा: 22-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० ग्रर्जन---यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० क्षे अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो व्यावर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूर्की में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-12-1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूह्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जानार मूह्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिय उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) सम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त साँध-नियम के सभीन कर देने के सम्तरक के वाथिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रन्य भास्तियां को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिनियम, या मनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: ग्रब, उनत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रुगुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की वारा 269-च की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्नानिबत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री रामचन्द्र पुत्र सुखदेव ग्रहीर छावनी रोड, चम्पानगर, व्यावर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गणेश प्रसाद पुत्त ग्राशा राम कुम्हावत, फतेहपुरिया बाजार, व्यावर एवं तेजराज पुत्न रामचन्द्र, मेवाडी बाजार, व्यावर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम भूवता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुवन शक्ते खोर पदों का, जो उसत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 6 बिस्वा जो देलवाड़ा रोड ब्यावर पर स्थित है, श्रीर जो उप पंजीयक ब्यावर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्न संख्या 2956 दि० 31-12-79 में में श्रीर विस्तृत कृप से विवरणित है।

> एम० एस० **चीहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जयपर

तारीख: 22-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भ्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रजंन — यतः मुझे, एम० एल० चौहान आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-12-1979

को पूर्वायत सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती। (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तल पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्राधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः धवः, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के सर्व में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् !——

- (1) श्री प्रकाश कुमार गांधी पुत्र दौलत सिंह, मालदास स्ट्रीट , उदयपुर (श्रन्तरक)
- (2) डा॰ प्रभुलाल भ्रम्नवाल पुत्त तिलोक चन्द भ्रम्नवाल सी॰-441, डिफेंस कालोनी, न्यू देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क्के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन हे संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 िन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो 'उनत श्रक्ष-नियम', के अष्ट्याय 20-क में परिषाबित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट संख्या 4 सुखाड़िया सर्निल के पास स्थित है श्रीर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा पंजीबद्ध बिक्रय पन्न संख्या 3045 दिनांक 24-12-79 में श्रीर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-80

प्रकप धार्च । ही । एन । एस ० ----

अगमकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ(1)** के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22-8-1980

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन—यतः मुझे एम०, एल० चौहान,

प्रायकर प्रधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- धपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह अतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम, की वारा 269-ग के अनुसरण में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिसित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- (1) सर्वश्री दौलत राज, पदमराज एवं विमलराज पुत्रान केवलराज सिंघवी, मोती चौक, जोधपुर ॄं(अन्तरक)
- (2) श्रीमती ऊषा किरण परिन श्री किशोर चन्द श्रवानी घोरों का चौक, जोधपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो नाना भवन के नाम से विख्यात है श्रीर हाई कोई रोड, जोधपुर में स्थित है उसका एक भाग, श्रीर जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्न संख्या 363-ए०, दिनांक 25-2-80 में श्रीर विस्तृत रूप से विषरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-80

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०——-भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22-8-1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० श्रर्<mark>जन —</mark>यतः मुझे, एम० एस० चौहान,

भायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अं अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उन्त भ्रष्टिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ध को उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींत्:—

- (1) सर्वश्री दौलत राज, पदमराज, एवं विमलराज पुत्रान केवलराज सिंघवी, मोती चौक, जोधपुर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री किशोर चन्व अबानी पुत्र सुमेर चन्द अबानी, घोरों का चौक, जोधपुर (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधितियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

धनुसूची

मकान जो नाना भवन के नाम से विख्यात है श्रीर हाई कोर्ट रोड, जोधपुर में स्थित है उसका एक भाग, श्रीर जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्न संख्या 364-ए दिनांक 27-2-80 में श्रीर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

एम एल० **चौहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ज**यपुर**

तारीख: 22-8-1980

प्रकृप भाई • टी • एत • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० आर० श्रर्जन ---- यतः मुझे, एमः० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या के-4 हैं तथा जो जयपुर में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 28 दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीविक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उपत प्रधिनियम के प्रधीन कर देते के भ्रष्टितक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर दक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन- कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिश्री हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आता बाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए।

अ1: अब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमननिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमितो सुधा बाई परनी सूर्यकान्त, के-4 सी० स्कीम, जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स रेडीकट प्रा० लि०, हवा सड़क, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान जो प्लाट नम्बर के-4, श्रशोक मार्ग सी-स्कीम जयपुर पर स्थित हैं और जो उप पंजियिक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्न संख्या 3034 दिनांक 28-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं.

> ए**म० एल० चौहान** सक्षम प्राधिका**री** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख**ेः** 22-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन —यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एस०-15 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृद्धा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) धनरूपमल हीरावत पुत्र श्री पदम चन्व हीरावत पडतानियां का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला दवी पत्नि श्री प्रकाश चन्द हीरावत पडतानियां का रास्ता, औहरी बाजार, जयपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

घनुष्ची

मकान जो प्लाट संख्या एस०-15 सी-स्कीम पर स्थित है, श्रोर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीयक विकय पत्न संख्या 3033 दिनांक 28-12-79 में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० **चौहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजैन रेंज, जयपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 22-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना चिनांक 22-8-1980

निवेश सं० के०एच० म्रार०/39/78-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावेर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या रिहायशी प्लाट न० 623 है तथा जो फेस-III-बी०, मोहाली, तहसील खरड़, जिला रोपड़ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिन रूप से किथा गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा का लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) घरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर रिक्तिलिखत व्यक्तियों अर्थातः--- (1) श्री किरपाल सिंह, मुपुत्र श्री ग्रमर सिंह निवासी मकान तं० 623 फेस-III-बी०-I आई० ए० एस० नगर मोहाली, नहमील खरड़

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी लूम्बा पहिन श्री राम प्रकाण लम्बा निवासी मकान नं 623फेस-III-बी०-I मोहाली खरड़। (ग्रन्तरिती)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अम्स्ची

रिहायशी मकान नं० 623, फेस-III-बी०-I, एस० ए० एस० नगर मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है। जायदाद जसा कि रजिंस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी खरड़ के विलेख न० 3743 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव भन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) कें श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 22-8-1980

नियम सं० एल० डी० ए०/508/79-80---यत: मझ, स्खावेय चन्द ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित 25,000/→ रुपये से ग्रधिक बाजार मृल्य श्रीर जिसकी सं भकान का हिस्सा 126-एल है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्व **ब्रनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी** के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर, 1979 **पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बा**जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे **बुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह** प्रतिशत से श्रधिक है शौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) **प्रो**र ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित चहेश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई जिसी आय की बाबत उकत श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय मा किसी धन या भ्रम्य ध्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रिबिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतिः— (1) श्रीमती गुरवीण कौर, गुरमीत कीर पुत्नी श्री सुजान सिंह, गुरमुख सिंह सुपुत्र श्री सजन सिंह निवासी 361/1 राजा पार्क जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर कोर पत्नि श्री राजन्द्र सिंह निवासी गुरुद्वारा सिंह सभा माडल टाउन लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रजैन लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर समाति में हितबद्ध किसी प्रत्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसृची

मकान नं० 126-एल माडल टाउन का हिस्सा जो लुधियाना में स्थित हैं।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के त्रिलेख सं० 4210 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अ**जैन रेंज**, सुधियाना

तारीख : 22-8-1980

षायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना तारीख 22-8-1980

निवेश सं LDA/507/79-80—पतः मुझे, सुखदेव चन्द धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० में घषिक है

श्रौर जिसकी मकान सं० 126-एल० (हिस्सा) है तथा जो माडल टाउन में स्थित है के मकान का हिस्सा है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में श्रौर, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

दिसम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ह वीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नतिज्ञित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से दूई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1942 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः, स्रव, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-ग क स्रनुसरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, स्रथीत:——

- (1) श्रीमती रन्जीत कौर विश्ववा श्री सञ्जन सिंह जगवीश सिंह, रिपुदमन सिंह, सुपुत्र श्री सञ्जन सिंह निवासी 361/1 राजा पार्क जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र श्री बोध राज निवासी गुरहारा सिंह सभा माडल टाउन लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकों।

स्पढडीकरण: --- इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 126-एल० का हिस्सा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख सं ० 4209 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 22-8-1980

प्ररूप आई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 प्रगस्त 1980

और जिसकी सं० प्लाट 1080 वर्ग गज है तथा जो गो० कालेज (सड़कियां) रोड सिवल लाईन लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध ग्रनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16, के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिन्न वाजा: मूह्य से किन के दृश्यमान प्रिक्तिक के लिये ग्रमारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययार्थीक मन्ति का उवित वाजार मूह्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन का पन्दह प्रतिशत अधिक है भीर पन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रार भन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से इक्त भन्तरण निष्टित में वास्तिक इप के कियत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें प्रकारिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, जिपाने में स्थिवा के सिए;

प्रतः अब, उषतः योबनियन को यारा 269-ग के अनुसरण में, में, वक्षा मिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्म्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सज्जन सिंह सपुत्र श्री चन्दा सिंह निवासी बी-XIX/92, गो० कालेज फारविमैन लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज सन्तोष जैन, मि० रिपेन जैन श्रीर मि० राजन जैन सह निवासी बी-VI-133, माधोपुरी-2 सुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

चक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 निद की ध्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तिमो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी धर्माध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ग किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितकार किसी धन्य स्थावित द्वारा, भधातस्ता अरो के पास लिखित में दिसे या सकेंगे।

क्ष्यधीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्बों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्च होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1080 वर्ग गज का प्लाट गो० गर्न्स कालेज रोड सुधि-याना सिविल लाईन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख नं 4355 दिसम्बर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

मोहर:

तारीख: 22-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

ल्धियाना, दिनांक 22 भ्रगस्त 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जगह 14 कनाल 31 मरले है तथा जो चण्डी-गढ़, मनी माजरा यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

1908 (1908 का 16) क अधान, ताराखा दसम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित त्यिक्तियों स्थिति:—

(1) श्री तनुज के० सहगल, नं० 60, सैक्टर 5, चण्डीगढ़

(ब्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमरवीप सिंह सैहल61, सैक्टर 7 ए, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल लेण्ड 14 कनाल 13 मरले (मनी माजरा) जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 1901 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22 श्रगस्त, 1980

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> सर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 ग्रगस्त 90

निदेश सं० सीएचडी/349/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ता पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीत मञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यापर सम्पत्ति जित्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जगह 8 कनाल 2 मरले हैं तथा जो मनी माजरा यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत न प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरिति में) के बोब ऐने प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त श्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:→─

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उमत अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अयौत् :--- (1) श्री पंक्रज के० सैहगल60 सैक्टर, 5-डी, चण्डीगढ़।

(मन्तरक)

(2) श्री म्रजयपाल सिंह मकान नं०: 61 सैक्टर 7-ए चण्डीगढ़ । (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजन में प्रकासन की तारीख में 45 दिन की प्रमिष्ठ या तत्त्वनकधी शाक्तियों पर पूचना की तामीन में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इा श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मात्त में हित- बद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यञ्डीकरण: चन्ड्यमें प्रशुष्त याच्यों प्रीर पर्यों का, जो खना प्रिचित्तिस्त के प्राप्ताः 20-के में परिभाजिक है, बहो प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एग्रीकलचरल जगह 8 कनल 2 मरले (मनी माजरा) जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कार्यालय ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के बिलेख संख्या 1904 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम भ्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-8-1980

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 श्चगस्त 1980

निदेण मं० सीएचडी/300/79-80—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका छिचत बाजार मृत्य 25,000/- रूपए से मधिक है

श्रोर जिसकी सं० जगह 15 कनाल 15 मरले है तथा जो चण्डी-गढ़ मनी याजरा यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/79

(1908 का 16) क अधान, ताराज 12/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्षम क बृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय
करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत्त से, ऐमे दृष्यमान प्रतिफल का
पद्धत् अतिगत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गा। प्रतिकत्त, तिम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण
लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उकत ग्रिशिनयम के मधीन कर देन क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धर्धानयम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चर : सब, जनत मिलिनियम की छारा 269-ग के चन्सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की छारा 269-प की उपकारा (1) के अधीन निकालिकिन व्यक्तियों, अर्धात :--- (1) श्री तनुज के० सैहगल निवासी 60 सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री हरदियाल सिंह कुटुम्ब निवासी 61 सैक्टर 7-ए, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इतर्ने त्रयुक्त गन्दों मौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

15 कनाल 15 मरले जगह चण्डीगढ़ में है (मनी माजरा) (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1905 विसम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22-8-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**ण (**1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

खुधियाना, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980

निवेश सं० मीएचडी/392/79-80----- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

श्रायकर श्रिशित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख क श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3382 है तथा जो सैक्टर 35-डी-भण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का 16 के श्रधीन तारीख दिसम्बर 79 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (%) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः -- (1) श्री कुलभूषण पुरी सपुत्र श्री रघुनीर नाथ पुरी निवामी 7/60 साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तेज भान सपुत्र श्री विसाखी राम श्रीर (2) श्रीमती सन्तोप कुमारी पत्नी श्री तेज भान, निवासी मकान नं० 3380 सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ श्रव मकान नं० 3382, सैक्टर 35-डी-चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त ध्रिष्ठ-नियम के घ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं कहीं धर्म होगा को उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

अनुसुची

रिहायशी प्लाट नं० 3382 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2066/दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीष: 22-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 22 श्रगस्त 1980

निदेण सं० एलडीएच/529/79-80—अतः मुझ, सुखदेव चन्द, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट 910 वर्ग गज है तथा जो गली नं० 2 मोहल्ला कोट मंगल सिंह जन्ता नगर लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित छरहेय से छरा अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से दुई किसी धाय की बाबत उनत अधिनियम, के अधीन कर वेसे के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरया
- (ख) ऐसी किमी स्राय या किसी धन या स्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त स्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्र**क्षिणियम की घारा 269-ग के अनुसरण** में. में, उक्त ग्रिधिनियम की सारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखिन व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्रीमती भ्रवतार कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह निवासी गली नं० 9 जनता नगर लुश्चियाना मार्फत मुख्तथार — भ्राम श्री सन्तोख सिंह गिल सपुत्र श्री श्रीतम सिंह निवासी गली नं० 9 जनता नगर लुश्चियाना (भ्रन्तरक)
- (2) मैं० नीलम इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन 630/8-सी गली नं० 4 भगवान चौक, जनता नगर लुधियाना मार्फत हिस्सेदार श्री अक्वनी कुमार सपुत्र श्री तीर्थ चन्द और राजकुमार सपुत्र श्रो तीर्थ चन्द भौर सरया रानी पत्नी श्री तीर्थ चन्द ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप होता हो, के भीतर पूर्वी रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिजिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रविनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिशाधित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 910 गज का गली नं० 2 मोहल्ला कोट मंगल सिंह गली नं० 7, जन्ता नगर लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 4547 दिसम्बर 79 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22-8-1980

प्रक्रप आई० टी० एन● एस०----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक मामकर भागुक्त**ः(निरीकण) भ्रजीन रोज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० एलडीएच/म्रार/174/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर पिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इस्य से अधिक है

मौर जिसकी सं० जगह 2.2.19 बिग्बे है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/79

पूर्वोक्त सम्पति के उजिल बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चेश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्कत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी अन मा अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम,: 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्धा के लिए;

अतः भव, उपत अधिनियम की धारा 269-य के मनुसरम में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-य की उपपारा (1) के अप्रोत निम्ततिखित व्यक्तियों अयीत्:- (1) श्री बहादुर सिंह सपुत्र श्री जागीर सिंह निवासी गांव दाद तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जग्गी लाल श्रौसवाल सपुत्र श्री विद्या सागर श्रौसवाल घुमार मन्डी, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुजता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजात में प्रकाशत को तारीज से व 45 दिन के भी पर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववटीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्शे का, जो उक्त प्रधितियम के पश्याय 20-क में ≀िरभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस भवराय में दिया गया है।

भनुसूची

जगह 2-2-19 बिग्ध गांव दाद तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 5676 दिसम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 श्रगस्त 1980

निदेश सं० लुधियाना/ग्रार/175/79-80---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जायदाद 1-17-3 बिग्घे है तथा जो गाव दाद सहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्जा श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कि भत् नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; औद्ध/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के बाबीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रमर सिंह सपुत्र श्री चानण सिंह गांव दाद तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जग्गी लाल श्रीसवाल सपुत्र श्री विद्या सागर श्रौसवाल भुमार मण्डी लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

ब्रुन्स्ची

जगह 1-17-3 विग्घे गांध दाद तहसील में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 5705 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।)

> सुखवेन चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: [22-8-1980 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 श्रगस्त 1980

सं० लुधियाना/प्रार प्राई/181/79-80:--प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जगह 2-2-18 बिग्घे है तथा जो गांध दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 79,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास फरने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, खशत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय एं किसी घन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बहादुर सिंह सुपुत्र श्री जागीर सिंह गांव दाद तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

 श्री जन्गी लाल श्रीसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर श्रीसवाल घुमार मण्डी लुधियना।

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

जगह 2.2.18 बिग्धे गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैंसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 5781 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980

स० लुधियाना/प्रार/211/79-80—-प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं जायदाद 2-16-9-बिग्घे हैं तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक उप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घछि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अका श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री श्रमर सिंह सुपुत्र श्री जानण सिंह निवासी गांव दाद, तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रभय कुमार श्रौसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर श्रौसवाल, घुमार मण्डी, लुधियाना ।

(श्रव्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से
 45 विन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस %ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 2.16.9 बिग्घे गांव दाद तहसील लुधियाना में है) (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 6349 जनवरी 80 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 ग्रगस्त 80

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

्रभायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

> ं भारत सरकार कॉर्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छस्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विरंगस करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य - 25,000/- ६० से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० जायवाद 2.16.9 बिग्वे हैं तथा जो गांव दाव, सहसील लुधियाना में स्थित हैं (म्रोर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्सा के कार्यालय लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफन्न के लिए अन्तिरित की गई है और भुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकान से ऐसे दृश्यमान प्रतिकन्न का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन्न, निम्नलिश्वित छहेश्य से स्था प्रस्तरण कि बिद्ध में शस्तिकित कप से स्थित नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी औय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या घन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए।

धतः बवः उनत अधिनियम की धारा 26%-में के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 26%-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखिद व्यक्तियों, अर्थाद् :--- श्री श्रमर सिंह सुपुत्र श्री भानण सिंह, गांव दाद तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रभय कुमार श्रोसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल घुमार मण्डी लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

जरत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप:--

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशनकी तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की गामील से 30 दिन की सर्वधि, औ भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

रपक्की करणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के सब्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रषं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जायदाद 2.16.9 बिग्घे गांव दाद में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 6471 जनवरी 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख - 22 ग्रगस्त 1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 22 श्रगस्त 1980

सं० एलडीएच/521/79-80:—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान नं० 8-7~581 है तथा जो केसरगंज रोड, नीजीदक मण्डी केसरगंज, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ज रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या श्रन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीम्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीम्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असीत्:——

 श्री राम सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह निवासी कैलपुर सहसील लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री गोपी राम निवासी बी-10-226-ईकबाल गंज, लुधियाना।

(ग्रन्सरिती)

3. श्री तिलक राज पुत्र श्री पन्ना लाख, श्री जिंदर कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल, श्री ग्रवतार सिंह जवादा निवासी बी 581, केसरगंज, लुधियाना। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि । दिने में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूजना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर मर्वों का, जो छक्त ध्रिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

1/2 भाग दुकान नं बी-7-581, क्षेत्रफल 38 1/2 वर्ग गज, मन्डी केसरगंज रोड, नजदीक मण्डी केसरगंज, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिष्ठकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं 4426, सिदसम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव अन्य, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 भगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०→→→

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां सव, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 म्रगस्त, 1980

सं० एलडीएच/501/79-80:---म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- दप् से स्थावर है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा है तथा जो दुकान नं० बी-7-581 केसर गंज नजदीक मण्डी केसरगंज लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित करेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उकत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उकत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्ः -- श्री राम सिंह सुपुत्र श्री वधावा सिंह निवासी किसल लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कोर सैन मुपुत्र गोपी राम निवासी बी-10-226, ईकबाल गंज, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री तिलक राज पुत्र श्री पन्ना लाल, श्री जिन्दर कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल, श्री भ्रवनार सिंह जवादा, निवासी बीVII/581, केसरगंज, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (ह) इन पूरता है राजान में प्रााशन की तारीख ये 45 दिन की प्रविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 दित्रक किमी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास निध्वित म किय जा सकेंगे

स्वब्दोक्षरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/1 हिस्सा दुकान नं बी-7-581 381/2 वर्ग गज जो कि मण्डी केसर गंज रोड नजदीक मण्डी केसरगंज सुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लुधियान। के विलेख संख्या 4174 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 ग्रगस्त, 1980

मोहरः

प्ररूप आई । हो । एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा 269-क(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० सी एच डी/379/79-80:--- अतः मुझे, सुखदेव चन्द, मायकर मिल्लियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); को प्रारा 269-ख के प्रधीन बर्धम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से बंधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1514, है तथा जो सेक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), जरजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मृत्य से कम के र्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशा विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके रु यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अभि है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अ-परितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विकासिक व छ देश्य से अबत अन्तरम लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:⊸–

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. प्रकृत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आपका किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भार ऐय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती इारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना शिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, बक्त मिवियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, बक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित वयक्तियों, अर्थात्:—— लैफ्टोनैन्ट कर्नल गान्ति स्वरूप पुत्र श्री हकीयकत राय, 20 रफी श्रहमद किदवई मार्ग, दिलकुगा लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह मान पुत्र श्री प्रताप सिंह मान घौर श्रीमती ग्रमर कौर पत्नी श्री धर्म सिंह मान निवासी गांव देवरबाल, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वात समाति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इस्त सम्पत्ति के अर्जन के तहरूत में कोई भी **बा**क्षेप :- --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितब उ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्धो का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुषूची

प्लाट नं० 1514, सेक्टर 33 डी, चण्डीगढ़: (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2014, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुश्वदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 श्रगस्त 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ग्रनमृसर,

अनृतसर, दिनांक 2 ग्रगस्त 1980

सं० ए एस भार/80-81/92:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं हैं जो जमीन का दुकड़ा दयानन्द नगर श्रमृतसर स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रमुस्त में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979, की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राप्य की बाबत, खन्नत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण -में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो, प्रधीत्:— श्री मनोहर लाल पुत्र लाला हरनाम दास श्रार/श्रो
 तारेग रोड, श्रमुदयर।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री अमर सिंह आर/ श्रो/मकान नं० 2301/बी गली हानम ताई गेट हकीमां अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 2. जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- श्रीर कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्साक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रपुष्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छन्त श्रधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 47/2 101 (मिन) गली नं० 3 दयानन्द नगर श्रमृतसर में जैसा सेल डीड नं०।

एम० एन० महाजन, सक्षम प्रधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 2 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

अथकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, स्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

मं० ए एस श्रार/80-81/93—यतः मझे एम० एल० महाजन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जित्तका उचित्त बाजार मृह्य 25,000/ रुपये से ग्राधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखेत में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-[नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ्में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रयं, उक्तं ग्रधिनियमं की ध्रारा 269-ग के श्रानुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्मलिखितं व्यक्तियों, सर्वीत्:— (1) श्री बनवारी लाल पुत्र मुनी लाल गाइडन बीऊ माल रोड, श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता अग्नीहोत्री पत्नी श्री बिशनू दत्त आर/ओ 41 लारेंस रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 पर ग्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4° ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्बन्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरप्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामी न से 30 दिन को पत्रधि जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति हारा अभीह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पब्दीकरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त भिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उर ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 8 रकबा 370 स्केवयर मींटर रोड पर जैसा कि सैल डीड नं० 2506/1 दिनांक 5-12-79 रजिस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर।

तारीख: 8 श्रगस्त 1980

माहर:

प्रकृप भाई• टी॰ एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज, अनुतसर कार्यालय अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० एस० श्रार/80-81/94:——यतः युझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से पश्चिक है

भीर जिसकी सं ेहै, जो एक प्लाट माल रोड पर स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एम० श्रार० श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकत के लिए अप्लरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृष्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पत्त्रह प्रतिकात से श्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिकल कि पन्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भार या ग्रस्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धनक्त भिक्षिनियम, या धनक्त भिक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः, अब, उक्त अधिनियम, श्री धारः 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निक्नशिक्ति व्यक्तियों, अर्चीत् !--- श्री अगवनी कुमार पुत्र मूनो लाल वासी माल रोड, श्रम्तसर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती स्नेहलता श्रगनीहोल्ली पत्नी श्री विशन् वत्त ग्रार0/ग्रो0 46, लारेंस रोड, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैमा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - 4: श्रीर कोई
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं क्षीगा, जो उस भ्रम्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 9 (370 वर्ग मीटर) माल रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 2507 विनांक 5 दिसम्बर 79 रजिस्ट्री- श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एस० महाजन, सक्षम ग्रधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजंन रेंज, ग्रमुतसर।

तारीख: 8 ग्रगस्त 1980

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के मधीन सूनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमतसथ, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

सं० ए०एस० ग्रार० / 80-81 / 95:--- यतः मुझे एम० एल० महाजन.

भायकर घधिनियम, 1961 (1981 年7 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रत्रीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावरसम्पति, जिसका उचित बाबार सूच्य 25,000/- ४० से प्रधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं०है, जो एक प्लाट श्राफ लैंड माल रोड पर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रध-कारी के कार्यालय एम० एम० श्रमुतसर में भारतीय रजिस्दी करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1979

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृशामान प्रतिकल से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रत् विनिशत से प्रधिक है भ्रीर भन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नारकों हुई किली बाब की बाबत, उस्त अंचिंतयम, के **मधीन कर देने** के अन्सरक के ायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए। शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसीधन या प्रत्य प्रास्तियीं को, जिन्हें भारतीय मायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम या भा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाता चाहिए था, कियाने में समिक्षा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के ज्ञानेत, निःनािजित ध्यक्तियों, अर्थात् ३---

- 1. श्रीमती प्राणा देवी पत्नी बनवारी लाल वासी माल रोड़ श्रगुतसर।
- विशन् दस 2. श्रीमती स्नेहलता भ्राग्नहोत्री पत्नी वासी, 41, लारेंस रोड ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है
- (4) भ्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है) श्रनेसूची ।

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस भूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की मनिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (वा) इस मूत्रता के राजपल में प्रकाशन की लापीश से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, बो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही मर्थ होगा, को उस मध्याय में विया गया है।

घनुसूची

एक प्लाट प्राफ लैंड नं० 7 (रक्बा 120 वर्ग मीटर) जो कि माल रोड पर र जैसा कि सेल जी। नं० 2508/1 विनांक 5-12-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्रधिकारी (सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, श्रम्ससर

तारीख: 8 भगस्त 1980

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पु (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर,

अमृतरार, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

सं० सं० ए एस श्रार०/80~81/96—यतः मुझी, एम० एल० महाजन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं०हैं जो एक प्लाट माल रोड पर स्थित ह श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से का के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की क्षावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औ्र√मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिम्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाष्ट्रिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अभिनित्मिकिष्या व्यक्तियों, अधीत्:—- श्री बनवारी लाल श्रौर श्रणवनी कुमार पुत मुनी लाल श्रौर श्रीमती श्रभिलाष श्रार०/श्रो० माल रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती स्नेहलता श्रगनीहोत्री पत्नी श्री बिशन् दत्त श्रार०/श्रो० 41 लारेंस रोड, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में फ्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारों करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काहि भी आकोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसुची

1/2 प्लाट खसरा नं० 1310/2/2 185 वर्ग मीटर माल रोड मर ग्रमृतसर जैसा कि सेल छीड नं० 1086/I दिनांक 9-7-1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी। ग्रमृतसर में दर्ज ह।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

नारीख: 8 श्रगस्त 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० → → ~-

. श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

सं० ए० एस० स्नार०/80-81/91:---यतः मुझे, एस० एल० महाजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्वात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269का के अधीन मजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

श्रीर जिमकी संहै और जो एक प्लाट श्राफ लैंड माल रोड में स्थित हैं (श्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उबत अन्तरण जिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कियी आप की बावत उकत प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐती किनी आब या किती बन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्री महेण चन्द केवल किशोर और ग्रगोक कुमार पुत्र मृती लाल श्रार०/ग्रो० माल रोड, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्नेह्लता श्रगनीहोत्री पत्नी श्रीबिशनू दत्त श्रार०/ग्री० लारेंग रोड, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 पर श्रौर कोई किरायेदार (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में श्रधोहस्ता-क्षारी जानती है।
- 4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

घनुसूची

एक प्लाट 185 वर्ग मीटर माल रोड पर जैसा कि सेलडीड नं० 1111/I दिनांक 11 जुलाई 1980 रिजस्ट्री प्रिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एन० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 8 श्रगस्त 1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

पायकर धम्निनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

ए० एस० घ्रार०/80-81/98:—-यतः मुझे, एस० एल० महाजन,

द्यायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्वात् 'उक्त अनितियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नशम प्राधिकारों की, यह विष्याम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- ष॰ से अधिक हैं

25,000/- ४० से अधिक हैं
और जिसकी मं०हैं जो प्लाट ग्राफ लैंड किमाल भिलवाली में स्थित ह (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिग्रत अधिक है ग्रौर ग्रम्सरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रस्तरिती (ग्रम्वरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वतियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वतियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वतियों के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वतियों के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वतियों के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, विश्वति में बास्तिवक कर विश्वति नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरम से हुई किसो भाय की बाबत, उम्त धार्षि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/पा
- (ख) ऐसी किसो पाय या किसी धन या प्रन्य पास्तिकों को जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के निए;

ग्रम, उनत प्रविनियम की प्राप्त 269-ग के प्रनुसरम में में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व को उपवारा (1) वीमिक्नमिक्ति व्यक्तियों, प्रकृति :---

- श्री सरदारा सिंह भिन्डर एडवोकेट पुक्ष लछमन सिंह वासी ग्रम्बर श्राली गरीन एवेन्य ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रमरजीत राजपाल पत्नी श्री श्रवतार सिंह ग्राग्०/ग्री० श्रम्बर श्राबादी गरीन श्रौवीनि श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभोग में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ता-क्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करला हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूत्रना के राजपत में प्रकाणन की तारी से से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी सन्य क्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जासकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उनत प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाटनं० 5, रुकबा 2380 वर्ग मीटर गांव मिल बाली में तरन तारन रोज गर जैसा कि सेल डीड नं० एम० 8327 दिनांक 17 दिसम्बर 1979 रिजस्ट्री प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 8 प्रगस्त 1980

प्रकर प्राईः टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

सं० ए एस प्रार०/80-81/99—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिन्त बाजार मुस्य 25,000/- रुपये से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट प्लाट गिलवाली गांव में हैं जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणप हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमुतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इक के कृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर नुसे बहु विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस के किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अन्त जांध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनु-सरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-**म की** उपक्रारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवित्।--

- श्री सरवारा सिंह मिन्दर पुत लक्षमन सिंह, कोर्ट रोड, श्रमृतसर।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रमर इकबाल सिंह पुत्र भ्रवतार सिंह वासी श्रम्बर श्राबादी गरीन भ्रवीननियू, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- उ. जैसा कि सं० 2 में भ्रीर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के विषय कार्यवाहियां मुक करता हूं।

करत बन्धति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की प्रविध या तस्त्रंभी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी सर्विध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकासन की तारीब से 48 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किकी सम्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हनक्ष्मी करून:-- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्दों का, वो उक्त व्यक्ति नियम के झड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्व होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 6, रकवा 2380 वर्ग गज जो कि गांव गिलीवाली में तरन तारन रो। पर जैसा कि सेल डीड नं० 5105दिनांक 6 दिसम्बर 1979 रिजस्ट्री ग्रिधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज ह)।

> एम० एस० महाजन, सक्तम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर **शायुक्त (निरीक्तम)** श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 8-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

द्वायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधोन सूबना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 श्रगस्त 1980

सं० ए एम आर्०/80-81/100—यतः मझे, एम० **एल० महा**जन,

कायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विकास (उक्त भिर्मित्यम कहा गया है), की घारा 269-वा के भिर्मीम सभाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० के भिर्मिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट प्रापर्टी कटरा कन्होग्रा में हैं, जो ''''''में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रकरण श्रधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त आर्धि-नियम के भ्रश्लीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या स्तसे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के प्रानुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् !--- 1. श्रीमती बिमला, मुदर्शन गुप्ता, सन्तोष प्रग्नवाल नीना भग्नवाल पुत्र श्री मदन लाल ग्रौर राम प्यारी पत्तनी श्री मदन लाल ग्रौर श्री साई दास पुत्र मदन लाल राही मुदागर मल मुखतार श्राम बाजार हाहली माहिब ग्रौर श्रवलेण पुत्नी मदन लाल कटरा शेर सिंह, श्रमृतगर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री करन भ्रमृतशर साई स्टोर कटरा भ्रन्हीया भ्रमनसर।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री कोहली किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में ऋधोहस्ता-क्षरी जनाता ह)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्य हैं)।

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन के जिए** कार्यवा**धि**यां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में तिल-बद्ध किसी धन्य व्यानित द्वारा भधोत्तस्तालकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदी का, जो उक्त प्रधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही प्रधे हीगा जो सस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमुची

एक दुकान 2 1/2 मंजली नं० 617 (रकबा 70 वर्ग मीटर) कटरा कन्हीया श्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2714, 26 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 11 **प्रग**स्त, 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमूतसर। दिनांक 12 म्रगस्त 1980

सं० ए एम ग्रार०/80-81 70:---यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर ग्रिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिथीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 → ६पये से ग्रिथिक हैं और जिनकी सं० एक प्लाट जो माना सिंह गेट ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यान्लय, ग्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्ब 1980,

को पूर्वोक्त सम्मति के जिल बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिरत की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जिल बाजार मूल्य, जनके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (श्रन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हरेश्य से जक्त प्रक्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिक्षि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1)के ग्रधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः-- 1. श्री हरनाम सिंह पुत्र वधवा सिंह ग्रौर श्रमरीक सिंह मोहिन्द्र सिंह सुरिन्द्र सिंह राजिन्द्र सिंह दर्शन सिंह पुत्र हरनाम सिंह ग्रार० श्रो० दिलबाग नगर, कोट माना सिंह श्रमुतसर।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री जीत सिंह श्रीर गुरचरन सिंह सुरजीत सिंह राजिन्द्र श्रमरजीत कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह श्रार० /श्रो० मैंक चोर श्रटारी गली श्ररदासीयां श्रमृतसर।

भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में ग्रिधो-हस्ताक्षरी जानता है।

4. श्रीर कोई।

(वह व्यति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूरना वारी करके पुर्वितः सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भी ार उकत स्थायर सम्माल में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोत्स्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिष्ठ-नियम के श्रष्ठभाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथें होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन 8 के 8 एम खसरा नं० 1526 सुलतान बिड़ रोड घरवन घ्रो/एस चाटीविन्द गेट ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2880 दिनांक 19 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री मधिकारी घ्रमृतसर में दर्ज हैं।

> एम० एस० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 12 श्रगस्त 1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०----

श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज भ्रायकर, भ्रमृतसर

अमृतसर विनांक 11 भ्रगस्त, 1980

सं० ए एस श्रार/80-81/102:—यत: मुझे एम० एल०. महाजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गंवा है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका इचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रापर्टी गैंट महा सिंह अमृतसर है, जो.....में स्थित है (और इससे उपा- जज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सिपता बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल के, ऐसे कृश्यमान प्रतिक्षल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तथ पारा गरा प्रतिकृत, निम्नलिखित हहेथा से उक्त अन्तरण निष्ति विद्या गरा है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई कि नी श्राय की बाबत उसत श्रीध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें श्रायकर ग्रीमिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ग्रीमिनियम, या ग्रम-कर ग्रीमिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रमोजनार्थ भन्तरिती द्वारा अक्षम नहीं किया वया वा वा किवा जाना चाहिए वा कियाने में मुविभा के लिए;

जतः, धव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न के धनु-सर्ज में, में, चन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उनवारा (1) के प्रक्रीन, निस्तिबिश्विष व्यक्तियों,अर्थात्:--- श्री बलवन्त सिंह बिन्द्रा पुत्र हरी सिंह महा सिंह गट ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश बतो पत्नी श्री शाम लाल, श्रीमती निरमल पत्नी श्री करिशन कुमार, सन्तोष सोनी पत्नी श्री विनोद कुमार ग्रार/ग्रो० 67, दया नन्द नगर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि स० 2 स्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

च्या बन्परित के भाजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त शिव-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही ग्रंथ होगा जो सस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/2 हिस्सा घर नं० 1890/2, महा सिंह गेट श्रमृतसर जैसा कि सेल डि नं० 2689/7 विनांक 24 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 11 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रष्टीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

सं ० ए० एस० म्रार०/80-81/103:—-यनः मुझे एम० एल० महाजन,

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिश्र-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविका के लिए;

मतः, भव, उनत मिश्वनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत मिश्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्मिजिसित न्यक्तियों, अयौत्:— रिजन्द्र कुमार रमेश कुमार पुत्र ब्रिज लाल, जोगिन्द्र कुमार पुत्र ब्रिज लाल, कैलाशवती पत्नी श्री ब्रिज लाल श्रार०/श्रो० 14 रेस कोर्स रोड, इन्दौर(मध्य प्रदेश)।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ओमा मेहरा पुत्री मदन मोहन पत्नी श्री तिलक राज मेहरा श्रार/श्रो मकान नं० 57/I, कोर्ट रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि सं० 2 पर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. श्रीर कोई

लिए कार्यवाहियां करता है।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

एक घर नं० 57/1 कोर्ट रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 2555 दिनांक 11 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एस० महाजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज श्रमृतसर।

दिनांक 11 प्रगस्त 1980 मोहर । प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर ः भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्राय कर श्रमृतसर,

दिनांक 11 भ्रगस्त, 1980

सं० ए० **एस० श**ार०/80-81/104:——यत/ मुझे एम० एल० म**हा**जन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी प्रापर्टी राम बागा ग्रमृतसर, में स्थित है (ग्रीर रससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राध-कारी के कार्यालय ग्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिसम्बर, 1979,

को पूर्वाक्त संपितित के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपिति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एपे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपान में सुविधा के हिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, म^न, उक्त अभिनियम की धारा 269-च करी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों स्थित्:— श्री अमरीक सिंह पुत्र लाभ सिंह आर०/श्रो० राम बाग अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जसिवन्द्र पत्नी श्री बलविन्द्र सिंह भार०/ग्रो० बाजार लकड़ मण्डी कुण कामीया, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 भ्रौर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में भ्रधोहस्ता-क्षरी जानता है।
- 4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)। (मन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हने, के भीतर पूचनंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाहन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया हाँ।

अनुसूची

एक दुकान नं० 1076/I (रकबा 58 वर्ग मी०) राम बाग ग्रम्तसर जैसा कि सेल डीड नं० 2501/I दिनांक 4 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरोक्षण); भर्जन रेंज, भमृतसर

तारीख: 11 प्रगस्त 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) **कै अधी**न सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 भ्रगस्त, 1980

सं० ए एस भ्राप्र०/80-81/105:—यत: मुझे एम० एल० महाजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अधिन सकाम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी गोडाऊन कटरा माहना सिंह में स्थित है (श्रीर छससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय एम० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शैतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों अर्थातः---

- नैसर्स मेहर सिंह जसक्त सिंह ग्रार/ग्रो० कनक मण्ड ग्रमृतसर राही जसन्त सिंह सुपुत्र मेर सिंह ग्रोर चरन सिंह, चन सिंह पुत्र सोहन सिंह हिस्सेदार। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनिन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह वामी गली मसीत वासी चौक, माना सिंह मकान नं० 1957/वी०-14 श्रमुतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभौग में सम्पत्ति है)।
- 4. ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बा

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहु स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

भन्सूची

1/2 हिस्सा गोडाऊन रक्बा 85 वर्ग मी०) कोट माहना सिंह, सुलतान विंड, जैसा कि सेल डीड नं० 250/I, दिनांक 4 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 11 ग्रगस्त 1980

प्रक्ष भाई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

दिनांक 11 श्रगस्त 1980

सं० ए० एस० भ्रार०/80-81/106:—यतः मुझे एम० एस० महाजन,

पायकर पिछितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्मात् 'उक्त प्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-य• से प्रधिक है

श्रीर जिसका $\frac{1}{2}$ हिस्सा गोडाऊन कोट माहना सिंह में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस॰ श्रार॰ श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह तिश्वास इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-इस निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिकक इस से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त सक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी श्राय ना किसी जन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकटं नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मैं, मैं, इक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंकत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— 1. मैसर्स भेहर सिंह जबसवन्त सिंह ध्रार/ग्रो० कनक मण्डी ग्रमृतसर राही जसवन्त सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह चन सिंह छतर सिंह पुत्रान सोहन सिंह कनक मण्डी श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र पाल सिंह पुत्र सोहन सिंह गली मसीत वाली मकान नं० 1957 चौक माहना सिंह ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)

3 जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रीर कोई

 (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के वर्षन लिए कार्यकाहियाँ करता हूं।

बक्त सन्यति के प्रजैन के सन्धन्त्र में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी के 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहश्ताक्षरी के पास विक्षित में किए जा सकेंगे।

क्पक्की करना: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को वस्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा गोडाऊन प्लाट नं० 56 खसरा नं० 51 कोट माहना सिंह सुलतान सिंह विड रोड भरबन (रकबा 85 वर्ग मीटर) जैसा कि सेल डीड सं० 2567/I दिनांक 12 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर-भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ३, चन्डपुरी रेंज भ्रमृतसर ।

तारीखः: 20-8-80

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज ध्रायकर अमृतसर विनाक 16 श्रगस्त 1980

सं० ए० एस० श्रार०/80-81/107:—-भ्रतः मुझे एम० एस० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी एक प्रापर्टी कटरा दलविंद में स्थित है (भौर इससे छपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री कर्सा ध्रिधकारी के कार्यालय, एस० ध्रार० ध्रमृतसर में रजिस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979,

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तितयों वर्धातः— श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री गोपाल सिंह [ग्रार/ग्रो० कटरा दल सिंह ग्रमुतसर।

(भन्तरक)

- 2. श्री गुलजार सिंह भीर कुलवन्त सिंह पुत्र श्री विल नाग सिंह आर श्री० नाजार जटवाला चौक चनूतरा ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि सै० 2 श्रीर कोई किरायेवार गुरनाम सिंह श्रीर जैमनी प्रैस।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. भीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्तामरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

एक प्रापर्टी $2\frac{1}{2}$ मंजल चीक छती खुई किटरा दिल सिंह जैसा कि सेल डीड नं० 2683 दिनांक 22 दिसम्बर; 1979 रजिस्ट्री प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायुकर घायुक्त निरीक्षीण अर्जन रेंज 3, चन्वपुरी घमृतसर।

दिनांक : 16 ग्रगस्त 1980

मोहर :

8--236GI/80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 भ्रगस्त 1980

सं० ए० एस० ध्रार० 80-81/108: — यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रं से श्रिषक है

श्रीर जिसकी सं० एक बिल्डिंग लकड़ मण्डी है तथा जो एस० आर० अमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूणें रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या 'उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राप्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निम्नसिखित ज्यक्तियों, ग्रयोत्:—-

- श्री रिजन्द्र लाल पुत्र श्री बिहारी लाल महेश वर्मा कटरा शेर सिंह सुभाष सिंह श्रमृतसर।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्री राज कुमार पुत्र श्री काहन चन्द हन्स राज पुत्र श्री प्रशोत्तम दास C/० भक्त कोश दास कटरा श्राल्यालिया श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार।
 (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता र कि वह उम्पति में हितबद्ध ड़ै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के श्रजेंन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्ञंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गम्बों भीर पदों का, जो 'उकत श्रधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 1659-60 श्रन्दूरन सुल्सान विंड गेट श्रमृतसर जैसा कि सेल कोड नं० 2513 का 5 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर।

तारीख: 16 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 श्रगस्त 1980

सं० ए० एस० म्रार०/80-81/109:—-यतः मुझे एम० एल० महाजन,

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिविक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिप्तीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम, या धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रम, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, धैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्थात् :--- 1. चेयरमैन इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. (डा॰) रिजन्द्र सिंह सेठी पुत्र राम सिंह भार/म्रो॰ सी-4 सखूलर रोड श्रमृतसर।

(मन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रद्धाय में विया गया है।

श्रनुसूची

एक प्लाट नं० 125 रकबा 485 वर्ग मीटर बसन्त भ्रवसनिक श्रमुससर जैसा कि सेल कोड 2679 दिनांक 21 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14 श्रगस्त 1980

प्ररूप आई० टी० एस० प्रस० ---

भायकर शिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के स्वीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

क्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

स'० ए० एस० म्रार०/80-81/110/—यतः मुझे एम० एस० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-द॰ से अधिक है

मौर जिसकी सं० एक दुकान कूपर मोड़ श्रमुतसर है तथा जो......में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में श्रीर पूर्णाज रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के चित्र बाजार मूल्य से कम के दृष्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का चित्र बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्र ह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्देश्य से स्वन्त सन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कक्षि. नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के सिए;

श्रंतः, अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 2€9-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत्।— श्री सुभाष बोहरा पुत्र घनपत राय हाल बाजार भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती चैंचल कुमारी पत्नी श्री जंगी फरूट सैलर, भण्डारी क्रिज कूपर रोड श्रमृतसर।

(ब्रन्सरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है।
- 4. ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (भ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारिक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे

स्रव्दिकरण: - इसमें प्रमुक्त शक्वों बौर पवों का, जो धक्त अधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 19 5/13-2 कूपर रोड प्रिर जैसा कि सेल डीड नं० 2723 विनांक 26 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री मधिकारी म्रमुतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजें रेंज, ग्रमृतसर।

तारीख: 14 ग्रगस्त, 1980

प्रकप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

घायकर ध्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयशर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, यमुतसर

अमृतसर, विनांक 14 ग्रगस्त 1980

सं० ए० एस० श्रार०/80-81/111---यतः मुझे एम० एस० महाजन,

भायकर क्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्मिल, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठक हैं और जिसकी सं० एक दुकान कूपर रोड पर है तथा जोमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, एस० ग्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक रिसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्म से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए भन्तिरित की नई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास को पन्दिह प्रतिकात संधिक है और अन्तरका (अन्तरकीं) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कप से स्वित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्बरण से हुई किसी साम की बाबत प्रकत प्रस्नित्यम के प्रसीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिवियम, या धन-कर प्रधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के[लिए]

यक्षः धन, उन्तं भविनियम की बारा 269-म के बनुसरण म, मैं, उन्तं प्रविनियम की बारा 269-म की उपवादा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री चनपत राय पुत्र श्री माया वास के०/ग्रो० धनपत राय एण्ड सन्स हाल बाजार ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती चैन्चल कुमारी पत्नी श्री जंगी राम फक्ट सलर, कूपर रोड श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है) री
- 4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यक्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धनिष्ठ, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो अवत प्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित है, बही घर्ष होगा जो उस ब्रध्याय में विका सवा है।

श्रनुसूची

एक दुकान नं० 195/13/2 कूपर रोड पर जैसा कि सेल कोर्ड नं० 2775 दिनांक 28 दिसम्बर 1979 रिजस्ट्री धिकारी समृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, स्वाम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

तारीख: 14 प्रगस्त 1980।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुक्र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 14 अगस्त 1980

सं० ए० एस० म्रार०/80-81/112:—यतः मुझे , एम० एल० महाजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक दुकान कूपर रोड अमृतसर तथा जो.....में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० भार० अमृतसर में रजिस्ट्रीकण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिहत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फि़सी आयु की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुक्ते में सूविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः श्रव, उक्त अपूर्णन्यम. की धारा 269-गृ को अनुसरण् में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुतिशित व्यक्तियों अधीतः-=

- श्री कुलजीत कुमार पुत्र घनपत राय के/श्रो० धनपत राय एण्ड सन्ज हाल बाजार श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती चेंचल कुमारी पत्नी जन्मी राम करूट सैतर कूपर रोड श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. भीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ध्यांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अमृतुची

एक दुकान नं० 195/13-2 क्पर रोड पर जैसािक सेल कोर्ड नं० 2936 दिनांक 15 जनवरी, 1980 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारी**ख:** 14 ग्रगस्त, 1980

मोहर 🛭

प्रकृप माई• टी• एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 ग्रगस्त, 1980

सं० ए० एस भार०/80-81/114:---यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो गांव राम नगर तहसील गुरदासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० गुरवासपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1980, की

पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिमान प्रविक्त है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) प्रत्नरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर वेने के अप्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भाग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सन्न, उत्त प्रधिनियम की बारा 269-ए के सनुसरक में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्यात् :--

- श्री प्रबोध चन्द्र पुत्न सत देव पुत्न खुशहाल चन्द गुरदा पुर हाल 18, जनपथ रोड नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रोमती शमोह कुमारी पुत्री रामजीदास पुत्र जगन-नाथ वासी मण्डी गुरक्षासपुर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सप्पत्ति है)।
- 4. भौर कोई। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब ब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीशत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी प्रविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घर्य व्यक्ति हारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास जिब्बत में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्दाय में वियागया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी (3के-1एम-35) गांव राम नगर, तहसील गुरदासपुर में जो कि सेल डीड नं० 705 दिनांक 6 मई, 1980 रजिस्ट्री श्रिधकारी गुरदासपुर में दर्ज हैं।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमतसर।

तारीख: 20 ग्रगस्त, 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 ग्रगस्त, 1980

स्रं० ए० एस० भार०/80-81/114---यतः मुझे एम० एल० महाजानः,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक कोठी हैं तथा जो राम नगर गांव तहसील गुरदासपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, एस आर० गुरदास पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दृश्यनिक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी घाम या किसी घाम या धामण बास्तियों को जिन्हों भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घान-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हुके किए;

मतः मन, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मृत्सरण में, में, खनत मधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- श्री प्रबोध चन्द्र पुत्र सत देव पुत्र खुशहालचन्द के/म्रो० गुरदामपुर हाल 18-जनपथ नई दिल्ली (म्रन्तरक)
- श्री राम जी दास पुत्र जगननाथ पुत्र किशन चन्द वासी मण्डी गुरदासपुर।

(भ्रन्तिरती)

- 2. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जावज्ञा है) कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में दिवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अये होगा जो उन अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी (3 के 1 एम 35) गांव रामनगर तहसील गुरदासपुर जैसा कि सेलडीड न० 203 हिनाक 26 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी गुरदास पुर में वर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज ग्रमृतसर।

तारीख: 20 श्रगस्त 1980

बच्चर भाई०टो∙एत•एस०---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 भ्रगस्त, 1980

सं० ए० एस श्रार०/80-81/115:---यतः मृझे, एम० एल० महाजन,

आयकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त मिसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मू-प्र 45,000/- क० से मिसिक है

श्रीर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो रामनगर गांव, तहसील गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० गुरदासपुर में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, दिनांक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुत्रोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से मधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा चया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तयिक क्य से कियत नहीं किया एया है कार न

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उनत अधिनियम के खधीन कर देने के प्रश्नरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुनरण में, में, अक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस क्यिनियमों अर्थात्:— 9—236GI/80 श्री प्रबोध चन्द्र पुत्र सतदेव वासी गुरदासपुर हाल
 जनपथ नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सत्यावती पक्ष्मी रामजीदास वासी मण्डी, गुरदासपुर।

(ग्रन्तिरती)

 जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक्षि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकरी के पास जिखित में किये जा सकेंगें।

हरव्टी करण :—इसर्में प्रमुक्त सम्बीं और पर्दों का, को उक्त धिवित्यम के धन्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्च होगा को उस धन्याय में दिया गंभा है।

अनुसूची

1/3 हिस्त्र एक कोठी (3के-1 एम-35) रामनगर गांव तहनील गुरदासपुर जैंदा कि सैलडोड नं० 299 दिनांक 28 दिनस्बर, 1979 रजिस्ट्री ग्रिधकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज श्रमृतसर।

तारीख: 20 ग्रगस्त, 1980

प्ररूप गाई० टो० एन • एस •----

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 भ्रगस्त 1980

सं० ए एस भ्रार०/80-81/116—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आय तर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रशितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है,

न्नौर जित्तको सं० 1/2 हिस्सा गैंड वमरंगरोड श्रमृतसर है तथा जो......में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकस्ति श्रींकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रतमृसर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के निए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यकान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र प्रतिवात से प्रधिक है पौर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संबुध किसी भागकी बाबत, उन्त अधिनिमम, के अभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य धास्तियों को जिन्हें कारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्याः अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानाः धाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः सम्, उनतः सधिनियम की धारा 26\$ना के अनुसरण की दुर्में, धनत अधिनियम की धारां 369-घ की खनजररा (1) के जलीन, मिक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ारू

- श्री तिलक राज पुत्र धनी राम वासी उटाब खटीका कटरा भाई सन्त सिंह ग्रमृतसर।
 - (भ्रन्तरक)
- श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री ईणर सिंह श्रीर जगमोहन सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह रामसररोड फौजी बाबा हीरा सिंह ग्रमृतसर।
 (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार।
 (वह स्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के । लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ना तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी मन्न वि बाप में स् समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी वि
- (ख) इस भूचना के राजपव भें प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधीह्स्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त संब्दों और पर्वो का, को उक्त श्रीवियम के अध्याय 20क में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस धक्ष्माय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा फैक्ट्री ग्रैड प्लीट नं० 7 चमरंग रोड श्रमृतसर जैसा कि सेज डीड 2577 दिनांक 12 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन स**क्षम** प्रा**धिकारी** स**हायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 10 अगस्त 1980

मोहरः

प्रका पाई • टी • एन • एस ०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितय, सहाय क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 भ्रगस्त 1980

सं० ए० एस० भ्रार०/80-81/117—यत: मुझे, एम० एल० महाजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सर्गम प्राधिकारी को यह विश्वास करने मा कारण है कि स्थावर संक्षि, जिसका उचित आजार मूच्य 25,000/-व॰ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी कोठी ग्रमृतसर है तथा जो....
...मे स्थित है (ग्रौ'र इससे उपाबद्ध ग्रनु धूची
में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रधीन, तारीख 17
दिसम्बर 1979,को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिए बन्नरित की गई है जोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यजा किंग सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उनके पृथ्यमान प्रतिक ने ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है जीर घन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (पन्त-रिति।) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, जिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक कप के किया नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त गणितियम के श्रद्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नियी करने या उससे बचने में गुणिया के लिए। नोर्टिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन यो अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्राधिनियम, 1922 (1932 का 17) या उक्त अधिनियम, या अन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा वा विवा जाना चाहिए जा, स्थिन में सुविधा के लिए।

अतः जब, उबत अभिनियम, कौ भारा 269-म के अनुदृरण् में, में, दक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निभनतिवित व्यक्तिशों प्रमौत्:—

- 1 श्रीमती मुरजीत कौर पुत्री गुरवचन सिंह श्रार/श्रो० भक्त सिंह श्रम्तसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कलवन्त कौर पत्नी श्री ग्रारगजन सिंह मकान नं० 4260 कोट भक्त सिंह ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. ग्रौर कोई । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को पह प्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता है।

इक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की गरीख से 48 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की धारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितकड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोइस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :--हमर्गे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया नया है।

अमुसूची

एक घर नं० 4260 (56.4 वर्ग मी०) कोट भक्त सिंह ग्रम्तसर जैसा कि सेल डीड नं० 2638 /1 दिनांक 17 दिसम्बर, 1979 रिजस्ट्री अधिकारी श्रम्तसर में दर्ज है।

> एम०एल० महाजन स**लम** प्राक्षिकारी स**हायक ग्रायकर भायुक्त** (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 20 भगस्त, 1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1980

सं० ए० एस० श्रार०/80-81/118—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा० से अधिक हैं।

न्नौर जिसकी सं 1/2 हिस्सा ग्रैंड जनरंग रोड ग्रमृतसर है तथा जो.....में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्री करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980,

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित एदेदएय में उन्त अन्तरण लिखित को नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा का लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण की, मं, अवस अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के जधीन निम्निलिशित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री तिलक राज पुत्र घनी राम कटरा भाई राज्य सिंह बेरी गेट श्रमतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रवजिन्द्र सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह ग्रौर सुरजीत कौर पत्नी मोहिन्द्र सिंह बस्ती कालोनी बाबा बीप सिंह ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 में है और कोई किरायेवार।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके धारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाबदीकरणः --- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पर्यों का, जो इस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

अनुसूची

1/2 हिस्सा **गाँड** प्लाट तं० 7 खसरा तं० 289 तथरंग रोड पर जैमा कि सेल डीड तं० 388 दिनांक 5 मई, 1980 रजिस्ट्री ग्राधकारी श्रमृतस^र में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख: 20 मगस्त, 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भगस्त, 1980

निदेश सं० टी० श्रार० नम्बर/913-ऐटा/79-80—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा मथा है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधि कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं कान है तथा जो में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऐंटा में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 21-12-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमत से स्रिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्बरिती (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविज्ञ कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी अाथ की बाबत उक्त मिन्न नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, बक्त मिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतिः — (1) श्रीमती हैमलता पाठक पत्नी श्री जगदीश किशोर पाठक, एडवोकेंट निवासी ग्रमराय नगर एटा सकीट त॰ व जिला ऐटा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी गुप्ता श्री दिनेश प्रकाश निवासी मलावन पर० सोहार, तहसील व जिला एटा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थक के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस घ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पक्का एक मंजिला जिसका नम्बर मकान 700 एक ब्लीक नम्बर 4 बार्ड नम्बर एक जिसकी पैमाइण चौ० 45 फोट लम्बाई 65 फीट जिसके मीटर 13.72 से, महि० चौड़ाई लम्बाई 19.83 सेमी, जिसका क्षेत्रफल कुल मकान मय बाउन्ड्री के 272 वर्ग मीटर है जिसका सीन कमरे एक कमरा 3, 5 से०मी० है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप साई० टी० एन० एस०----

े आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आपूक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 ग्रगस्त 1980

निवेश सं० टी० श्रार०/921-ग्रर्जन/श्रागरा/79-80—
श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,
श्रायकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त श्रष्टिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के श्रष्टीन सक्षम ग्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- दपये से श्रष्टिक है
श्रौर जिसकी सं० मकान 37/531 है तथा जो नगलापड़ा
श्रागरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर
पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रष्टिकारी के कार्यालय
श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख 19-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खनित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पखह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस उक्त ग्रह्मि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने ज्या जिससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिष्ठा के लिए;

ः श्रदः, श्रवः उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवॉल:--- (1) श्री सीताराम सेंनी पुत्र श्री पूरल चन्द्र निवासी नगलापट्टी श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो भूरी देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र पाल सिंह निवासी नगला पट्टी स्नागरा।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरू जासरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

रपक्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घांध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही . अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बरी 37/531/1 बाके मौजा नगला पर० वःजिला स्नागराः में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 ग्रगस्त 1980

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो रानी मन्डी मथुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-12-1979

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न में - अनुस्रण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री महेश चन्द्र ध्रग्नवाल पुत्न श्री दऊदयाल जी व श्रीमती शकुन्तला धर्म पत्नी श्री रमेश चन्द्र ग्रग्नवाल निवासी मानिक चौक मथुरा व भागीदार रिजस्टर्ड फर्म दयाल भैरव कारपोरेशन, छत्ता बाजार, मथुरा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जोगेण कुमार व रमेश चन्द्र व मोती चन्द्र व दिनेण व विमल कुमार पुत्र श्री गिराज प्रसाव निवासी मनोहर लाल गली मन्डी रामदास, मथुरा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्स्यी

एक मिता प्लाट बाके रानी की मन्डी मथुरा में स्थित है जो कि 40,000/- रु० में बेची गई है।

> बीट सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

जायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) को वारा 269-व (1) के प्रधीन सूबना भारत सरकार

कार्बौलय, सहायम प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 प्रगस्त 1980

निवेश सं० टी० घार०-875/प्रजंन--- घतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी जायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से घिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हसनगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय इगलास में, रजिस्ट्री-करण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से भाषक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिबित उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण निश्चित में बास्तिबक रूप से कथित नहों किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधि-नियम के प्रधीत अर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी श्राम मा किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राम-कर श्रिप्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिप्रिनियम, या श्रन-कर श्रिप्रिनियम, या श्रन-कर श्रिप्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण ग्रॅं, मैं, सक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--- (1) श्रो मूल चन्द्र पुन्न हरचरनलाल व श्री रघुनन्दन प्रताद व श्री जगदीश प्रसाद, श्री निरंजनलाल व रामगोपाल व श्री बालकृष्ण व राम श्रौतार व हरी बाबू पुत्र मूल चन्द्र निवामी ढ़कली मंजरा गांधी ग्राम, परगना हमगढ़ तहसील इजलास, जिला अलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वीवान सिंह व मान सिंह व जगवीण सिंह व रामसिंह व श्रीमती राम श्री देवी पत्नी श्री राम सिंह निवासी पलाहवत तहसील सादबाद जिला मथुरा, डा॰ नसीरपुर जिला मथुरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

 क्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भव्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अप होगा जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषि भूमि बाके मौजा माकरौल परगना इसनगढ़ तहसील इपलास जिला भलीगढ़ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 4 श्रगस्स, 1980

निदेश सं० टी० श्रार०/870/श्रागरा/79-80—-श्रत. मझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट हैं तथा जो श्रागरा (साकेत) में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित ह), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण - में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों अधीत्:—— 10—2361/80. (1) श्री रतन प्रकाश माथुर वल्द श्री परमानन्द निवासी 167 टैगोर टाउन, इलाहाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्रानिल कुमार वल्द श्री राजनारायण निवासी णाहगंज, म्रागरा।

(भ्रवतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पःस लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाद्ध नम्बर 1 रकबई 446 (-433.3) बर्गगज ग-बाके मध्यिमबर्ग को हा० सौ० लि० श्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन०एस०----

मायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मामुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० 322/म्प्रर्जन/मथुरा/79-80—-म्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख धाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिपका उचित वाजार मूख्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहगंज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकर्मण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-1 2-1989

को पूर्वोक्त संपत्ति के उलित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्ति की गई है सौर मुझे यह विश्वास सरने ला गर प है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उलित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमण्य प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर भन्तरितों (अन्तरितियों) के नोज ऐसे यन्तरम के लिए तथ पाया गया प्रतिक्कत तिम्। विश्वा उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिजित में वास्तविक का से श्रीयत नो किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण पहुई किसी पाव की वाजत उक्त प्रधि-नियम के मधीन कर दें। के प्रस्तरक के वास्तिक में कमी करते या नार्वन में सुविधा के निष्; और/मा
- (क) ऐंग जिसे श्राम या कियों धन या अन्य श्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय स्थापकर अधितियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

अतः थव, उत्तर प्रधिनियम, की खारा 269-ग के धनुसरण में, में, उत्तर प्रधिनियम की खारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नियिक्त व्यक्तियों, प्रचीत 1---

- (1) श्री गंगा सहाय व श्रोम प्रकाश व श्रशोक कुमार पुत्र श्री छेदीलाल शाह गंज दरवाना मथुरा हाल निवासी पंचशील एन्क्लेच 118/119/नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेमवती पत्नी रामबाबू निवासी गऊषाठ मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बग्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में नगप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में कियो व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहक्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हारक्षोक्षरण: ---इसर्वे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

मकान कुछ दोनंजिला कुछ तिमंजिला 1/4 भाग नम्बर बाटरग्ट 13451 णाहगंज दरवाजा मथुरा पर स्थित ह।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज्ञ से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जा शाहगंज मथुरा में स्थित है), और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 17-12-1929

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:——

(1) श्री गंगा सहाय व ओम प्रकाश व अशोक कुमार पुत्र श्री छेदी लाल निवासी शाहगंज दरवाजा मथुरा, हाल निवासी पंचशील एन्क्लेब 118 / 119 न्यू देहली ।

(मन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री रामंबाबू निवासी गऊ घाठ, मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्थी

मकान कुठ दुर्मीनिया कुछ एक निर्माणना लम्बरी बाटर रेट 1345/5 बाकेणाहर्गज दस्याजा मध्या में स्थित हैं।

> र्वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

माहर:

त्रक्प धाई • दी • एन • एस •----

आयकर धर्षिमियम, 1961 (1961 चा 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० टी० भ्रार०/नम्बर 821 मथुरा/ 79-80---भ्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहगंज में स्थित है (श्रौर ६ससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घषिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक का संकथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अखिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के सिए।

ध्रक्ष: मन, उन्त मिन्नियम की वारा 268-न के धनुसरण में, में, उन्त मिन्नियम की धारा 269-व की वपवारा (1) अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, सर्वात्:— (1) श्री गंगा सहाय व श्रोम प्रकाश व श्रशोक कुमार पुत्र श्री क्वेदीलाल जी, निवासी शाह गंज दरबाजा मथुरा, हाल निवासी पंचशील एत्वलेव 118 119 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कल्यान दास अश्रवाल पुत्र श्री रामबाबू निवासी गऊघाठ, मथुरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाधि-नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान कुछ दुर्माजला कुछ तिमंजिला नम्बरी बाटर गंठ 1345/5 बी के शाहर्गज दरवाजा मथुरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

सारीख: 1-8-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 2 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० 819-म्रर्जन मयुरा 179-80--- श्रतः मुझे बी । सो० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

प्रौर जिसको सं० मकान है तथा जा शाहगंज में स्थित है (श्रौर ६ससे उपाबद्ध प्रनुसुधो में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-12-1980 का

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री गंगा सहाय व श्रोम प्रकाश व श्रशाक कुमार पुत्र गण श्री छेदीलाल निवासी शाहगंज दरवाजा मधुरा हाल, निवासी पंचशील एन्स्लेव, 118¹ 119 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विशन चन्द्र श्रग्नवाल पुत्न श्री रामबाबु निवासी गऊघाट, मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान दो मंजिला कुछ तिमंजिला नम्बरी वाटर रेट 1345/5 बाके शाहगंज दरवाजा, मथुरा का नं० 1/4 भाग है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कान**पू**र

तारीख: 1-8-1980

माहर:

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० 2092-गृ०/सहारनपुर/79-80—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की अन्य 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हरोडा में स्थित है (श्रीर ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 14-5-80

को पूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री राजकुमार पुत्र श्री मामचन्द्र निवासी ग्राम कोटा, डाकखाना खास परगना हरोडा तहसील व जिला सहारनपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तेले गिर पुत्र श्री बलजीत गिर नियासी ग्राम पष्डको डाकोना कोटा परगना हरोडा तहसील व जिला सहारनपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

कृषि भूमि घाषत मवाजी 9 बीघे 4 बिस्वे 18 बिस्वा पुक्षा ग्राराजी मन्दरजे नम्बर खसरा सहराई 163 मि० बाके ग्राम मडको परगना हरोडा व जिला सहारतपुर में स्थित है जो 22800 रु० बची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, कानपुर

নাগীৰ: 4-8-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्रगस्त 1980

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो पंजाबी पुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा । उत्तिक ने लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व प करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमात प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमात प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमात प्रतिकल है प्रौर अन्तर्त (प्रश्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उका प्रतरण तिथित में वास्तविक खण से कथित किया गया है।

- (क) अन्तरण मे हुई किमी आय की बाबन उक्न अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धा-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रगट नहीं किया गम था था किस जाना ताहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु। सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित भ्यक्तियों, भर्मात:— (1) श्री राम जी दास पुत्र मोहनलाल श्ररोड़ा मो० भाटवाडा हाल, दिल्ली रोड, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल गान्धी पुत्र श्री सन्त लाल गान्ध निवासी पंजाबी पुरा महर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य अभित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पुख्ता एक मंजिला विला नम्बरी बाके मो० पंजाबीपुरा दिल्ली रोड मेरठ शहर में जो 32,000 ६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० 1564-ए०/मेर्ठ/79-80— ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो देहगी रोड मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-12 1979

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण । कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थीक्:—

(1) श्रीमती विमला देवी पत्नी खुणदिल निवासी 310 सुभाष नगर मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स कृष्ण टयूणन दिल्ली रोड, भेरठ वजरिये श्रीमतीरेखा अग्रवाल पटनी क्रजराज कृष्ण निवासी 158 मीश महल रोड, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्म घी

प्लाट 592 वर्ग गज कस्बा मेरठ दिल्ली रोड, मेरठ में स्थित है जो कि 41,440 रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्रगस्त 1980

निवेश सं० 1431-ए/गाजियाबाद/79-80—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की बारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भवन नं० 194 है तथा जो गानधी नगर गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-12-1979 को को पूर्वाक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीलिंबत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चत में वास्तिक इस से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ को डपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री विजय प्रकाश पुत्र श्री स्व० रूप नारायण निवासी ए-16 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रणधीर चौधरी पुत्र श्री जगन्नाथ निवासी मकान 127 माडल टाउन गाजियाबाद तहसील व जिला गाजियाबाद।

(मन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भवन नम्बर 194 प्लाट नं० 87 क्षेत्रद्धल 200 वर्गगज गान्ध्री नगर, गाजियाबाद में स्थित है। जो कि 1,25.00 रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्रगस्त 1980

निदेण सं० 1413-ए/मेरठ/79-80--- प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं : लाट है तथा जो जगन्नाथ पुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-कर ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-12-1979 को

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पत्या गमा प्रतिकल किल मिम्नलिसित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीत, जिस्तिविवित स्पक्तियों अधीतः.—— (1) श्री श्रणोक कुमार पुत्र कैलाण चन्द्र णर्मा निवासी मोहल्ला पत्थर बालान, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतेन्द्र पुरी व रिवन्द्र सिंह पुरी पिसतान श्री गुरमेज सिंह मोहल्ला रोनक पुरा रेलवे रोड शहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परिस्के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्थल्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत्र अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

512 मु० गज प्लाट जिसकी पैमाइश 87 फिट बाई 53 फिट है बाके जगन्नाथ पुरी मेरठ में स्थित है। जो कि 35,840 रू० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायरकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैंन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 1-8-80

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुगत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० 1492-ए०/वुलन्द शहर/79-80--- मतः मुझे मी० सीसे चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है). की धारा 230-र के अधीन सन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- घरमें से मुल्य म्रधिक श्रौर जिलको सं० कोठी है तथा जो शिवपुरी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 21-12-1970 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पुरयमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल कि पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐस श्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य म उन्त अन्तरण लिखिन में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त हुई िहसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरह है दासित्व में कमी करने या उसम अचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री किणत चन्द्र सेठ पुत्र मुख्तार खास श्रीमती प्रेमत्रती सेठ निवासी ईदगाह कालोनी, ग्रागरा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुलबीर सिंह पुत्र श्री हरचेन सिंह व श्रीमती सुमनलता पत्नी सुखबीर सिंह ग्राम मडोली परगना ग्रगौता, जिला बुलन्द शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्भत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की नारी व से 45 दिन की अवधि या तत्तंबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तिनों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर ममानि में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्योक्तरण: - -इसर्ने र्मुन्त पान्दों और पदों हा, जो उन्ता श्रक्ति-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उप श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

एक नग कोठी मो० शिवपुरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 1,000,00 रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

प्ररूप भाई• टी • एन• एस•---

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रमीन सूचना

मारत सरकार

कार्वालव, सङ्ख्यक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भगस्त 1980

निदेश सं० 1985-ए०/बुलन्द शहर/79-80—- प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एषित बाजार मूस्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी सं० मकान है तथा जो मो० मुन्गीपाडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्प से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन तारीख 3-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घीर धन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐस
धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित
वहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत ३०६ प्रक्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिकिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त घिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के किए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा, 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की बारा 269-ग की छपधारा, (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जय प्रकाश गौड पुत्र श्री बलजीत सिंह शर्मा निवासी मो० मुन्शी पाडा बुलन्द शहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मालकराम पुत्न श्री गोविन्दराम, जोगेन्द्र सिंह व गुरचरन सिंह व देवेन्द्र सिंह निवासी मोहल्ला मुन्शीपाडा, बुलन्दशहर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मो० मुन्शीपाडा जिला बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 1,80,000 रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-80

प्रकप भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

निदेश सं० 942-ग्रर्जन-2/कानपुर/79-80—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संति, जिसका उचित राजार नृश्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 128-983 है तथा जो वाई ब्लाक किदवई नगर कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-12-1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारज है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकत से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकत का पश्च प्रतिकात अधिक है बौर अन्तरक (प्रकारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस प्रस्तरण के किए तय पाणा गया प्रतिकल, निन्तिविद्यात उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्त विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरन से हुई किसी बाय की शवत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया वा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—-

- (1) श्रीमती धरमावती देवी पत्नी देव नारायण सिंह निवासी 110/2 बाबूपुरवा, कानपुर। (श्रन्नरक)
- (2) श्री चरायन सिंह, श्रीमती ग्रिखिलेश तथा कु० कमलेश निवासी 110/2, बाबू पुरवा, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूचना कं राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध से तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के जीतर डक्त स्वावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताकरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुवन शन्दों भीर नदों का, जो उनत धिवियम के अध्याय 20-क में परिनाचित हैं, वही धर्ष होगा, ज' छस अध्याय में दिया क्या है:

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 128/983 वाई ब्लाक किदवई नगर में स्थित हैं जिसका रक्षवा 450 वर्ग गज है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर।

तारीख: 6-8-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के म्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1980

मायकर मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 133/27/17 एन० है तथा जो ब्लाक एन किदवई नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छित्रत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिष्यम, के भधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तिओं को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः घव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :---

- (1) श्रो ए० पी० सिंह वाली ग्रात्मज सरदार तार। सिंह दाली साकिन हाल 19 बी० रेलवे कालोनी सरदार पटेल रोड, नई दिल्ली।
- (2) जारिये श्री बी० डी० गुलाटी आत्मज स्व० श्यामदास गुलाटी किदवई नगर ब्लाक एन० कानपुर मुख्तार खास।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरबसकोर जोजो श्री बी० डी० गुलाटी ब्लाक एन० 133/27/17 किदवई नगर, कानपुर। (श्रन्तरिर्ता)

को यह भूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इ.न सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य अपक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 133/27/17 ब्लाफ ब्लाक एन० किदवई नगर कानपुर में स्थित हैं जो कि 33500 रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, कानपुर।

तारी**ज**: 6-8-1980

मोहरः

प्रका भाई • टी • एन • एस • ----

आवक्र अविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के प्रधीन मुबना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 209-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मृहय 25,000/- ४० से धिषक है

श्रीर जिसकी मं० मकान 133/278 है तथा जो एम क्लाक किदबई नगर कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1979 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) श्रीर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया: य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण के लिए तय पाया: य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्ति कप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धर्मिनयम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भिन्नियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जयशंकर पुत्र श्री दुर्गा शंकर निवासी 135/4 किंदबई नगर द्वारा बागमल पुत्र बहादुर चन्द्र निवासी 383 ब्लाक/3 गोविन्द नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विजय शंकर ग्रवस्थी पुत श्री रामसिंह ग्रवस्थी निवासी 133/75 श्री ब्लाक किंदबई नगर कानपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई भी धाक्षेप** !---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की वारी करें 4.5 बिन की धवित्र मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामी स से 3.0 बिन की धवित्र, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सम्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो जनत श्रीवित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, नहीं शर्थ होगा, जो इस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 133/278 एम० ब्लाक किदवई नगर में स्थित है जो कि 60,000/- रू० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर।

तारीखा: 5-8-1980

प्रकृष प्राई • धी • एन • एस • ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० 1565-ए/कानपुर/79-80—ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उतित बाजार मूल्य 25000/-रु• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 51/6 सी है तथा जो कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन तारीख 17-12-1979

16) के अधीन तारीख 17-12-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया
प्रतिफल, से निन्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निकास में
बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर केने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
 - (ख) ऐसी किनी प्राय था किनी खन या पान्य पास्तियों को जिन्हों भारतीय श्रायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पश्चितियम, या घत-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्री मुन्नालाल गुष्ता मकान नम्बर 51/7 रामगंज कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र जायसवाल एडवोकेट, महेश चन्द्र जायसवाल 7/11 तिलकनगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप !--

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंबे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन् सूची

मकान नम्बर 51/6 रामगंज, क्षेत्रफल 141:9 वर्गगज

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा: 4-8-1980

आयकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 233-4 (1) के प्यार मृच्छ

भारत सरकार

कापन्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० 814-म्रर्जन/कानपुर/79580—-म्रतः मृह्ये बी० सी० चतुर्वोदी

इत्तरात् अतिविधम 1961 (1961 वर 46) (विसे इतमे जनके पश्चात् 'जन अधिनियम' कहा (या है), को उत्तर 269-ख के अधान मध्यम पाधिकारों की, यह विश्वास करने या कारण है कि स्थायर महिला विसका उचित आकार मूल्य 23, 00/-रुठ वे अध्वक है

ग्रीप जिसकी संव 51/15 एम० रामगंज है तथा जो कानपुर, में स्थित है (ग्रीप इसके उपाबद्ध ग्रानुभूकी में ग्राप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय बारपूर में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख 5-12-1979 की

क अधान ताराख 5-12-1979 का को पूर्वीकत सम्पन्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वपान प्रतिफन के लिए गरारित को गई है और मुझे वह बिग्ध स करने हा लाउन है कि उथापूर्वीक समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिफल प्रविक्त है और अन्तरक (अग्वरकों) और भन्तरिती (अक्टिरिनिमों) है बीच ऐसे अन्तर्थ है जिए तय पाया गया प्रतिफल किस्निविद्धित उद्देश्य में बन्तर्थ विद्या प्रया है:—

- (क) बन्दरा में हुई किनी पहा भी वावन जक्त अधि-लियम, के अधीन कर देन के अस्तरक क इत्यित्द में कमी करने या उन्से वचने में सुविधा के लिए। और था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रमादशर्थ अस्तिरिही द्वारा प्रवट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, खियाने में सुविधा के लिखा

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रन्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निविखित क्य क्तियों, अर्थात्।—— 12—206GI/80 (1) श्री मञ्जालाल गृष्टा निवासी 51/7 रामगंज, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र जायसयाल, महेणघन्द्र जायस्वाल निवासी 7/80 डी० तिलक नगर कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मान के अर्जन के संबंध में काउ भा आक्षेप :---

- (क) इन सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिस को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर दूरोंकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राअप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य क्यंत्रिन द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिभाकित हैं: बड़ी अर्थ होगा, जो उस भ्रद्याय में दिया भया दें।

अनुसूत्री

एक किता मकान 51/15 एम० रामगंज कानपुर में स्थित है जो कि 34000 रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्वत (निर्दक्षण) श्रर्जनरेंज, कानपुर।

तारी**ख**: 4-8-1980है

निदेश सं०

प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

936/अर्जन/कानपुर/79-80---अतः मझे

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1980

बी० मी० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीर मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित

का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, निसका उतित बाजार मृक्य 25,000/- रुपये से प्रक्रिक है श्रीर जिसकी सं वं 47/56 है तथा जो काकादेव ब्लाक कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यत्व श्रन्भूची में ग्रांर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन नारीख 11-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिता बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्निचितित उद्देश्य से उन्त अरारण निधित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (फ) अस्तरण से हुई किसी नाम की जानत खकत अधि-श्नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ेती किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनश्चर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उन्त भिक्षितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वातः

- (1) श्रीमती यारी प्वाई तिगम पत्नी म्रजुध्या सरन 124/28 ब्लाक छी० गोविन्द नगर, कानपुर। (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री श्रात्मा राम दीक्षित व पुत्नी सदाणिव वाजपेई 104/ए/220 रामबाग कानपुर व श्री णिव नारायण बाजपेई श्रात्मज सदा शिव निवासी पनकी मौसिंह परगना जिला कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को पर्सूचरा नारी हर हे पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाणन की तारी का से 45 विस की भविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिस की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रशाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के धब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 117/56 बाके काकादेव ब्लाक एल० कानपुर (ऐरिया 406 वर्गगंज) में स्थित है जो कि 70,000 ६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 12~8-1980

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० 910-प्रार्जन/कासगंज/79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वोदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कार्ष हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मोहल्ला मोहन कार गंज में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कार गंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-12-1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री भगवान सिंह, मिन्छान सिंह, राजेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री जोती प्रसाद व तारा देवी, बेघा जोती प्रसाद, व धम्बादेवी पत्नी चन्द्र पाल सिंह नियासी मोहन (मो०) काभगंज, जिला ऐटा। (अन्तरक)
- (2) श्री मलखान सिंह व राजबीर सिंह वरक्षपाल सिंह पुत्र ऊमराय सिंह निवासी पीरी पर० सहावर तह० कामगंज, जिला एँटा।

(अन्तर्गरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्य मी कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर जक्त स्थाधर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिखित मों किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

श्रनुसूची

एक किता मकान तीन मंजिला पैमाइश पूरत पश्चिम 20 फुट व उत्तर दक्षिण 20 फुट पूरत दरवाजा मकान पिचक्षम मकान नेकराम, दर्जी व उत्तर मकान प्राईवेट रास्ता नेगराज धर्मणाला बाके मोहरता मोहन बार्गज में स्थित है जो कि 48,000/- रुठ में बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायतः श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारांख: 14-8-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० →-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 11 श्रगस्त, 1980

निर्देण सं० टी० आर०/868 अर्जन/आगरा/ 79-80— आतः मुझे बी० मी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इलके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो भ्रादर्श नगर रकावगंज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-12-1979 को

की पूर्वाक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अभारक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; नीर/या
- (स) गोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण तें, म³, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों सुधित्:--- (1) श्री बलकेश नारायण माध्र पुद्ध श्री प्रेम कारायण माध्रुर निवामी 33/22 श्रादर्श नगर कालींनी वजरिये घनस्याम नारायण माध्रुर मुख्तार श्रीम बलकेश नारायण माध्रुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाण गर्ग पुत्र श्री स्व० बनारसीदास निवासी 19 श्रजमेर रोड, नताकुंज श्रागरा। (श्रन्नरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमों प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नम्बर 33/22 का हिस्सा जिसका रक्षा 654.39 वर्ग मीटर है जो कि श्रादर्श नगर रकाब गंज श्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, महास

मदास, दिनांक 21 जून, 1980 निदेश सं० 28/दिसम्बर/79—स्प्रतः, मुझे, ओ० आन्द्राम, ध्रायकर घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थारर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नयी नं० 75 बालटक्स बोड है, जो मग्रास-3 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का में विणात है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, सौकारपट, मदान (डाकु० नं० 6: ग्रीट) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रवीन तारीक दिसम्बर, 76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गंगा प्रतिकत, निम्निविधन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भाष भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्राचीतः --- (1) श्रीमती बी० श्रीदेवी ग्रम्भाल

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री वी० गोविदराजल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिकाधित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है:

अनुसुची

भूमि म्रौर निर्माण नथी डोर नं० 75 (पुराना मं० 220/221) बालटेक्न रोड, मद्वास-3।

श्रो० श्रान्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

निक्तीख: 21-6-1980

भारत सरकार

कार्यालय, संद्रायक मायकर घागुण्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1980

निदेश सं० 48/दिसम्बर/79----ग्रतः मुझे ओ० ग्रानंद्राम, आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिएका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षण से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 652/ए3, 651/1ए, 651/1 बी० 651/2 मीलविट्टन गांव , जो तेतीकोरीन में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेतीकोरीन (डाकु० सं० 3077-79) में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से सकत धन्तरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ध्रिधितयम के घ्रधीन कर बेने के ध्रम्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्राय-हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्त्ररिती क्कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम हो धारा 269-ग के भनुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---;

- (1) श्रीमनी एस० ग्रनिरद्ग्गाल,
 - (2) श्री एस० शंक्षरिलंग नाडार,
 - (3) एस० श्रमरपेकमाल
 - (4) एम० दनबानन
 - (5) एस० विश्वम पेरूमाल

(श्रन्तरकः)

(2) श्री डी० नागेन्द्रम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाना करके पूत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की कारीज से 45 दिन ही प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अजोतस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

रगब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस सक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3077)

एप्रियल्वर भूमि 50 सेंट्स सर्वे नं० 652/ए-3, 651/1 ए, 651/1 बी, और 651/2 मितिबिह न गांव, पालयम-कोर्ट्ट रोड, तेतीकोरीन।

ओ० प्रानद्राम, सक्षम प्राधिकारी सहायकः भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 3-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राग, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निदेश सं० 1/जनवरी/80----ग्रतः, मुझे, ओ० ग्रानन्द्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिएका उचित बातार मूह्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० भर्वे नं० 652/ए 3, 651/1 ए, 651/1 वी, 651/2 मीलिबद्धन गांव है, जो टिटीकोरीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में घाँर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिटीकारीन (डाकु० नं० 123/80) में रिजम्द्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधित है और अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्निवित उद्देश्य न उता श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-निपन के अधीन कर दी के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

द्यतः ध्रय, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ूथधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) श्रीमती एस० ग्रमिरदग्गाल
- (2) श्री एस० शंकरितिग नाडार
- (3) एम० श्रमग्पेरूमाल
- (4) एम० दनबालन
- (5) एस० विश्वम पेरूमाल

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री डी० नागेन्द्रन

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शक्तं भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्याय 20 क में परिमाणित है, बड़ा भर्ष होता, जो उस प्रश्यम्य में दिया गया है।

अनुसूची

(इत्कुमेंट नं० 123/80)

एग्रिकेल्बरल भूमि 50 सेन्ट्स सर्वे नं० 652/ए 3, 651/1 एगि, 651/1 बीं० श्रीर 652/2 मिलिबिट्टन गांव, $\eta_{\rm T}$ लममकोट्टी रोड, टटीकोरीन।

श्री० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-7-1980

प्ररूप आ६. टी. एन्. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निवेश सं० 62 दिसम्बर 79---प्रतः, मुझे, गो० आनिन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 63 फर्स्ट कास बिरिडावन, ग्रलगापुरम है, जो गांव, सलेम तालुक में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के गांपित्य, जे० एस० ग्रार०-1 सबेम (डाकु० नं० 5914/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पृष्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा है निह:

(1) स्त्री एम० विद्वल रावकार (2) एम० सुरेण राव

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० कें। पद्मनाभन

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपरित में हित-स्थूध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सक्ते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

डाकुमेंट नं० 5914/79 जे० एस० ग्रार०-I सलेम भूमि ग्रीर निर्माण डोर नं० 63, फर्स्ट क्राम, बिरि-डावन, ग्रनगापुरम गांव, सलेम नालुवः।

> गो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रजन रेंज-1, मद्रास

अतः जब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपप्रका (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ व्यक्तिः—

तारीख: 10-7-1980

प्रकृप श्राई० टी० एन० एउ०--

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 65/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, गो० श्रान्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मंति जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 168 "लक्षमी टाकीज" है, जो गांधी रोड, ग्रारनी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावत प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीनातीं ग्रीधकारी के धार्यान्त्य, ग्रारनी (डाकु० नं० 3947/79) में रिजस्ट्रीनकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिंग् तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण शिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी भाग की बाबत, उक्त धिवियम के अधीन कर देने के भ्रष्टारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क नियः पीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ष अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री श्रार० फुज्जास्वामी

(भ्रन्गरक)

(2) श्रीमती प्रीं० गिलगवती ग्रम्माल

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 प्रविध कद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 च्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख
 किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंगोहस्ताक्षरी के पास
 निखित किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसूची

(डाकुमेंट नं० 3947/79 एस० आर० ओ० आरनी) भूमि और निर्माण डोर नं० 168, लक्ष्मी टाकीज, गांधी रोड, आरनी

> ओ० घानन्द्र म सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर [ध्रायुक्त (निरीक्षण) पुत्रजेन रैंज, मद्रास ।

तारीख: 16-7-1980

मोह'र :

प्रस्प बाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज I, मद्रास

निदेश सं० 22/दिसम्बर/79—यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 671/2 है तथा जो कारपनन10th स्ट्रीट, सिवकासी में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिक कारी के कार्यालय, सिवकासी (डाक्समेंट मं० 4181/79)

रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम,

16) के अधीन दिसम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तिकिक
रूप में कांबित नहीं किया गया है:—

1908 (1908 কা

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किन्नी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धन-कर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत्:---

- (1) श्री के० मी० ए० डी० ग्रहणाचलम नाडार (श्रम्तरक)
- (2) दि नेशनल फायर वर्स

(ग्रन्तिरती) 🕴

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

(डाकुमेंट नं० 4181/79 एस० भ्रार० ओ० सिवकासी) भूमि भ्रीर निर्माण सं० नं० 671/2, कारपमन 1019 स्ट्रीट, सिवकासी।

श्रो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 21-7-1980

प्ररूप अवर्ष: टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 स्रगस्त, 1980

निवेश 31/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, ओ० म्रानन्द्राम मायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 287 ए, 287 बी, 287 सी डाक्टर मुसुलुक्श्मी स्ट्रीट है, जो जोतिनगर, श्रातुर संलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित ह (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारो के कार्यालय एस० श्रार० श्रो० श्रातुर (डाक्ट्रु० सं० 1994/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तविक इस से कृथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्षने में सूविधा के लिए; बौद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, मिन्नुसिख्त व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री एम० किट्टु

(मन्तरक)

(2) श्री एस० सदासिवन

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत, व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

रपष्टिकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(डाकुमेंट नं० 1994/79 एस० श्रार० ओ० श्रातुर) भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 287-ए, 287 बी, 287-सी डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी स्ट्रीट, जोतिनगर श्रातुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

> श्री० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मब्रास ।

तारीख: 14-8-1980

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•-----

आयक्**र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269 **व (1)** के मधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० 32/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, ओ० श्रानन्द्राम मायकर मिविनियन, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियन' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 287-ग्राई, 287 जे डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड है, जो जोतिनगर, ग्रातुर सेलम डिस्ट्रक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो० ग्रातुर (डाकु० नं० 1995/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अप के वृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्ट्यमान प्रतिफल का प्रस्तुह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और वस्तिरितों (प्रस्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण किखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिबिनयम के धिबीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसो धन या अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के किए;

जन। सब; उन्हर प्रसिनियम की धारा 269-म के सनुसरण में; में, जन्द धिवनियम की जारा 269-म की उपसारा (1) के प्रधीन मिन्नजिसित व्यक्तियों, अर्थास्।--- (1) श्री एम० किट्टू

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मनोहरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवींच या तस्तम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 नूचना की तानील से 30 दिन को सबक्षि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में वितश्व किसी अन्य व्यक्ति इस्क, प्रधोहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ती जरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो उनन अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस श्राह्माय में विया गया है।

अनुसूची

(डाकुमट नं० 1995/79 एस० ग्रार० ओ० ग्रातुर) भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 287-आई, 287-जे डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड, ग्रातुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

> श्रो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 14-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० 33/दिसम्बर/79-अतः मुझे श्रो० श्रानन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 26 अ-ख के अधीन पक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूप से अधिक है

भीर जिसकी सं० 287 जी भीर 287 एच डाक्टर मुत्तु-लक्ष्मी रोड ह, जो जोतिनगर, श्रानुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रानुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रानुर (डाकु० नं० 1996/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार भूत्य से कम के दूश्यमान प्रतिक्षत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंगापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिश्वत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरफों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उदेश्य से उन्त प्रन्तरण विश्वित में वास्त-

- (क) अध्वरण स हुई किसी आय को बाबत उक्त आधि-नियम क ग्रधान कर देने के ग्रन्थरक क दार्थरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितित्रम, 1922 (1922 का 11) या **उन्त** अधितित्रम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्थं भग्तरिती द्वारा श्रकट नदी किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त भ्रोक्षेतियम की बारा 269 के अनु-सर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निक्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री एम० किट्टू

(भन्तरक)

(2) श्रीमली के० दनलक्ष्मी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नंगीत के प्रजैन के संबंध में कीई भी पाक्षेप !--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की भविध या नश्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध याद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से भिनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर संस्थान में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- - इसमें प्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिविधित के शब्दाय 20-क में परिमाणित हैं, बही अबं होता जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रम्स् चौ

(डाकुमेंट नं० 1996/79 एस० ग्रार० ग्रो० ग्रातुर) भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 287 जी ग्रौर 287 एच, डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड, जोतिनगर, ग्रातुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

> श्रो० ग्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 14-8-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एन० ---

भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 भगस्त, 1980

निदेश सं० 63/फरवरी/80—यतः, मुझे ओ० श्रानन्द्राम आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-र० से ग्राधिक है,

श्रीर जिसकी सं० स० नं० 1393, एन० एम० सी० 27/ 14-31, 27/14-31 ए इंगिल है, जो गेट कांपतुंड कोर्ट रोड, नागरकोइल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I, नागरकोइल (डाकु० नं० 686/80) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1980 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रधिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिकत व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) बालम्माल सेलवनामंगम
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रदीप विजयन बंजिमन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पर्वो का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 686/80 जे० एस० भ्रार०-I नागरकोइल भूमि और निर्माण स० नं० 1393, एन० एम० सी० 27/14-31, 17/14-31 ए०, इगिल गेट, कांपतुंड, कोर्ट रोड, नागरकोइल।

स्रो० म्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप बाई• टी• एन॰ एस०----

भायकर **ग्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व** (1) के **ग्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० 47/दिसम्बर/79—श्रतः, मुझे, ओ० आनं द्राम श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- र० से अधिक है

और जिसकी सं० 56-बी सिफकोट है, जो इंडस्ट्रियल कांप्लेक्स, रानीपेट में स्थित हैं (श्रीर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकु० ं० 5120/ए०) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979

में पूर्वोकत सम्पति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ाय पाया गया प्रतिकल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के वायिरव में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; चौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रम, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सर्वेश्री
 - (1) मैसर्स लार्ड कुष्णा आयरुस एंड एक्सटिरेक्शन
 - (2) वी० एस० गोविंदराजु मुदलियार
 - (3) जी० बालकृष्णन
 - (4) जी० तामारम्माल

(ग्रन्तरकः)

(2) मैंसर्स एसोसिएटेड सालवंट एक्सस्टिरेकणन प्रा० लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तक्ष मध्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतरपूर्वीका व्यक्तियों में से किसी स्वक्षेत्र द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधी हस्ताकरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकालित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

डाकुमेंट नं० 5120/79 जे० एस०-I झार०-I मद्रास नार्य भूमि और निर्माण प्लाट नं० 56-बी, सिफकाट इन्ड-स्ट्रियल कॉपलेक्स, रानिपेट।

> ओ० श्वानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

ता**रीख**: 19-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 ग्रगस्त 1980

और जिसकी संख्या एच०नं० 5638 है तथा जो प्लाट नं० 40 बसती हरफूल सिंह सदर बाजार दिल्ली (1/3 हिस्सा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वास से अधिक है भौर प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरितौं (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक श्रीतियम के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी घाव या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिबिनियम, या धन-कर ग्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में तुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- श्री भ्रानन्द प्रकाश पुत्र स्वर्गीय लाला सीता राम निवासी 53/2 पंजाबी बाग, विल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमावर्मा धर्मपत्नी श्री हरी प्रकाश 53/2 पंजाबी बाग दिल्ली।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन भी तारीखा, से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी श्वाक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ़ किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास क्षित्वित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, को जनत प्रश्विनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तिहाई बिना बटा हिस्सा मकान नं० 5638, प्लाट नं० 40, जिस का क्षेत्रफल 111.1 वर्ग गज वसती हरफूल सिंह सवर बाजार में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से धिरा हुआ है:---

उत्तर: 40**' भौ**ड़ी **स**ड़क दक्षिण: 15' **चौ**ड़ी सड़क पूर्व: प्लाटनं० 16

ू पश्चिम : पश्चिम श्राधा हिस्सा प्लाट नं० 40 का ।

> कु० भ्रार० के० **बाह्**ल सक्षम श्रधिकारी **सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन** रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 28-8-80

मोहरः

संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सरकार के अधीन तथा दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1980)

नोटिस

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1980

सं० फा० 14/3/80-प 1 (ख)—संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा रेलवे श्रायुध तथा श्रायुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा श्रीर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा तथा विल्ली नगर निगम के श्रश्नीन कनिष्ठ वेतनमान पदों पर भर्ती के लिए 22 फरवरी, 1981 को एक सम्मिलित परीक्षा श्रायोजित की जाएगी।

- 2. इस परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर विविध पदों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की श्रनुमानित संख्या नीचे दी गई है:—
 - (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा श्रिधकारी—— लगभग 75 रिक्तियां* ।
 - (ii) आयुध तथा श्रायुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद लगभग 18 रिक्तियां*।
 - (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद— लगभग 300 रिक्तियां। (श्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 45 ग्रीर ग्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 22 ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
 - (iv) दिल्ली नगर निगम में सामान्य स्यूटी चिकित्सा श्रधिकारी ग्रेंड ii लगभग 120 रिनित्यां (श्रनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित 18 रिनित्यां तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित 18 रिनित्यां तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित 9 रिनित्यां सम्मिलित हैं)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

अनुसूचित जातियों भ्रौर भ्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए भ्रारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के भ्रनुसार सकता है।

- ह्यान वें: -- उम्मीदवारों को प्रपने श्रावेदन-पत्नों में उन पदों का स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिए जिन के लिए वे वरीयता कम में विचार किए जाने के इच्छुक हैं। उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन पदों के वरीयताक्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी प्रनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा प्रनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के श्रन्दर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।
- 3. परीक्षा केन्द्र श्रगरतला, श्रहमदाबाद, एँजल, इलाहा-बाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, मलकसा, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर,

पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर श्रीर विवेक्तम ।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र के परिवर्तन के बारे में श्रायोग के कार्यालय में 12 जनवरी, 1981 को या उसके बाद प्राप्त किसी श्रन्रोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 4. पात्रता की शर्तें:---
- (क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो
 - (i) भारत का नागरिक हो, या
 - (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
 - (iii) भूटान की प्रजा हो, या
 - (iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 में पहले भारत श्रा गया हो, या
 - (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी श्रफ्रीकी देश जैसे कीनिया, जगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया श्रीर वियतनाम से प्रव्रजन कर श्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii), (iii), (iv) ग्रौर (v) के ग्रन्तर्गत ग्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पान्नता-प्रमाण-पन्न प्रदान किया हो ।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्न भ्रावश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा श्रावश्यक पात्रता-पत्न दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

- (ख) ध्रायु-सीमा--पहली जनवरी, 1981 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1981 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए घ्रायु सीमा में 1-1-1981 को 50 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।
- नोट-1980 के बाद श्रायोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए ऊपरी श्रायु-सीमा में 50 वर्ष तक की छूट किसी भी परि-स्थिति में नहीं दी जाएगी ऊपरी श्रायु सीमा में निम्न-लिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती हैं:---
 - (i) यदि उम्मीदवार किसी प्रनुस्चित जाति या प्रनुस्चित जनजाति का हो तो प्रधिक से प्रधिक पांच वर्ष तक,
 - (ii) यवि जम्मी स्वार भूतपूर्व पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो ग्रौर वह 1 जनवरी, 1964 ग्रौर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रवधि के वौरान प्रव्रजन कर भारत भाया हो तो ग्रधिक से ग्रिधिक तीन वर्ष तक,
 - (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति प्रथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और

25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देण) मे प्रव्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक ग्राठ वर्ष तक,

- (iv) यदि उम्मोदिवार ग्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के ग्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वस्यतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में श्राया हुग्रा या श्राने वाला मूल रूप मे भारतीय व्यक्ति हो तो ग्रधिक से ग्रधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार भ्रनुसूचित जाति श्रथवा श्रनसूचित जनजाति का हो ग्रौर साथ ही श्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के ग्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में श्राया हुग्रा या श्राने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो श्रधिक से ग्रधिक ग्राठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीववार, भारत मूलक व्यक्ति हो ग्रीर उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के सयुक्त गणराज्य से प्रम्नजन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे ग्रीर इथियोपिया से प्रत्यावित हो तो ग्रधिक से ग्रधिक तीन वर्ष तक।
- (vii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद वर्मा से वस्तुत: प्रत्यावर्तित होकर भारत में श्राया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार श्रनुसूचित जाति श्रथवा श्रनुसूचित जनजाति का हो श्रौर साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यार्वातत होकर भारत में श्राया हुग्रा मूलक, भारत व्यक्ति हो, तो श्रधिक से श्रधिक श्राठ वर्ष तक,
 - (ix) रक्षा सेवाग्रों के उन कर्मचारियों के मामले में श्रधिक से ग्रधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में ग्रथवा ग्रशांतिप्रिय क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,
 - (x) रक्षा सेवाश्रों के उन कर्मचारियों के मामले में प्रधिक से अधिक श्राठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में श्रथवा श्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों श्रौर जो अनुसूचित जातियों या श्रनुसूचित जन जातियों के हैं,
 - (xi) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में श्रधिक से श्रधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणाम-स्वरूप निर्मृक्त हुए हों,
- (xii) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में श्रधिक से श्रधिक स्नाठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत

- पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणाम-स्वरूप निर्मृक्त हुए हों तथा श्रनुसूचित जातियों श्रौर श्रनुसूचित जन जातियों के हों,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तिविक रूप से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्न हो) श्रौर ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया श्रापात-काल का प्रमाण-पत्न है, श्रौर जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है, तो उसके लिए श्रीधक से श्रीधक तीन वर्ष।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित ऋायु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

(ग) गैक्षिक योग्यताएं

उक्त परीक्षा में प्रवेण के लिए उम्मीदवार फाइनल एम० बी० बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो ।

टिप्पणी 1:—वह उम्मीदवार भी भ्रावेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा दे ली है या जिसको भ्रभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पाल हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उनका प्रवेश अंनतिम रहेगा तथा फाइनस एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उनीर्ण करने का प्रमाण यथाशीझ भौर हर हालत में 30-4-81 तक प्रस्तुत न करने की स्थिति में रह कर दिया जाएगा।

टिप्पणी 2— उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए वह उम्मीदवार भी गैक्षिक रूप से पात है जिसे अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करती है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्न-शिप पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

5. श्रावेदन पत्न के साथ देथ गुरुक:——६० 28.00 (श्रनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित जन जातियों के लिए ६० 7.00)। जिन श्रावेदन-पत्नों के साथ निर्धारित गुरुक नहीं भेजा जाएगा उनको एक दम श्रस्वी-कार कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान: — उस उम्मीदवार के मामले को छोड़कर जिसने केन्द्रीय सरकार तथा दिल्ली नगर निगम के अधीन चिकित्सा-पदों पर भर्ती हेतु सम्मिलित परीक्षा (1980) दी है तथा जो 1981 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है, एक बार अदा किया गया शुक्क वापस नहीं किया जाएगा और नहीं उसे किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरिक्षित रखा जाएगा। यदि 1980 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसकी नियुक्ति हेतु सिफारिश कर दी जाती है तो 1981 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी उसके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी बगर्ते उम्मीदवारी रह और शुक्क वापस करने का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 जनवरी, 1981 तक प्राप्त हो जाता है।

6. श्रावेदन कैसे किया जाए—केवल केन्द्रीय सरकार तथा। दिल्ली नगर निगम के श्रधीन चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1981) हेतु निर्धारित प्रपन्न में छपे हुए श्रावेदन पत्न ही दिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। श्रावेदन-पत्न भर कर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिएं। श्रावेदन-प्रपत्न श्रीर परीक्षा के पूर्ण विवरण निम्न स्थानों में प्राप्त किए जा सकते हैं:---

- (i) दो रुपए का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव, को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नकद देकर स्रायोग के कार्यालय के काउंटर पर।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, श्रायोग को सीधे श्रावेदन पन्न भेजने चाहिएं। ग्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन-पत्न नियोक्ता के द्वारा भेजा हो श्रीर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को श्राखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, भ्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या श्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परि-वचन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से भ्रपने कार्यालय विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

- ग्रायोग के कार्यालय में डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से ग्रावेदन की प्राप्ति की ग्रंतिम तारीख :--
 - (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 3 नवम्बर,1980।
 - (ii) विदेशों या अंडमान श्रौर निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, श्रसम, मेघालय, श्ररुणाचल प्रदेण, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मृ श्रौर काश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन के उम्मीदवारों से 17 नवम्बर, 1980।
 - 8. प्रलेख, जो स्रावेदन के साथ प्रस्तुत हों:---
 - (क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :---
 - (i) रु० 28.00 (प्रनूस्चित जातियों/श्रनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखां कित भारतीय पोस्टल ग्रार्डर के रूप में हों या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय

भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों। विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों की चाहिए कि वे उस देश में भारत के उच्च श्रायुक्त या राजदूत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में निर्धारित शुक्क इस प्रकार जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा श्रायोग परीक्षा शुक्क" के खाते में जमा हो जाए श्रीर उसकी रसीद लेकर श्रावेदन पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्न:—श्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय के यहां मैद्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो श्रीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्च-तर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष श्रीर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों की मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की श्रिभित्रमा णित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/ प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक श्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुशा है। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रायु लिखी होती चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि ग्रावेदन-पत्न के साथ इन ग्रानुदेशों में यथा निर्धारित ग्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो ग्रावेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि ग्रावेदन-पत्न में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्न/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो श्रावेदन-पत्न रह किया जा सकता है।

नोट 1:—-जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल श्रायु से सम्बद्ध प्रविष्ट वाले पृष्ठ की ग्राभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। नोट 2:— जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने ग्रीर श्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की श्रनुमित सामान्यतः नहीं दी आएगी।

(iii) मक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:--- उम्मीदवारों (भ्रर्थात् विख्वविद्यालय या भ्रन्य परीक्षा को प्राधिकारी निकाय) द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्न की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति यह दिखाने के लिए अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने एम० बी० बी० एस० परीक्षा पास कर ली है । जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसको उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए गैक्षिक रूप से योग्यता प्राप्त हो जाएगा किन्तू उसे परिणाम की जानकारी नहीं मिली है तो वह इस परीक्षा में प्रवेश हेतु भावेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार ऐसी भ्रहेंक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है वह भी भ्रावेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवार यदि अन्यथा पान्न हैं तो उन्हें प्रवेश दे दिया जाएगा किन्तु उनका प्रवेश अनंतिम माना जाएगा श्रौर यदि वे परीक्षा पास करने का प्रमाण निर्धारित प्रपत्न में यथाशी झ भ्रौर हर हालत में 30 अप्रील, 1981 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उनका प्रवेश रहहो सकता है।

श्रहंक परीक्षा पास कर लेने के प्रमाण स्वरूप प्रमाण-पत्न

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमिति/कुमारी
गई* हैं ।
2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
के
मास में श्रायोजित ————परीक्षा में बैठने
की स्नाशा/बैठ चुकी * है सौर उक्त परीक्षा के परिणाम की तक घोषित होने की संभावना है।
हस्ताक्षर · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
पदनाम · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
संस्था का नाम · · · · · · · · ·
कहां स्थित है · · · · · · · · ·
तारीख · · · · · · · · ·

- *जो लागू नहीं है उसे काट दें।
- (iv) उपस्थिति पत्रक (ध्रावेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
- (v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत ग्रकित हों।

फोटो की एक प्रति भावेदन पत्न के प्रथम पृष्ठ पर भीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० म्नाकार के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे, जिन पर उम्मीदवार का पता लिखा हो।
- (ख) श्रनुसुचित जातियों/प्रनुसुचित जन जातियों के उम्मीद-वारों द्वारा :---

श्रनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) श्राम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम (प्रमाण-पत्न के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से पिरिणिष्ट-I में दिए गए प्रमत्न में लिए गए प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

- (ग) श्रायु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों द्वारा:-
- (i) पैरा 4 (ख), (ii) या 4 (ख) (iii) के ग्रधीन गुल्क में छूट का दावा करने वाले भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला वेग) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में किसी एक से लिए गए प्रमाण-पन्न की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भृतपूर्व पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) से ग्राया हुग्रा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है ग्रीर 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रवधि के दौरान प्रवजन कर भारत ग्राया है:—
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ग्रथवा विभिन्न राज्यों में विस्थापित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का, जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) भ्रपने-श्रपने जिलों में णरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्स जिला मजिस्ट्रेट ।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब डिविजन का सब डिविजनस ग्रफसर।
 - (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-ग्रायुक्त पश्चिम बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास) कलकला ।
- (ii) पैरा 4 (ख) (iv) अयवा 4 (ख) (v) के अधीन आयु में छूट का दाया करने वाले श्रीलंका से प्रत्याविति या प्रत्या-वर्तित होने बाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशम के प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 के मारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रमाजन कर भारत आया है या आने वाला है।
- (ii) परा 4 (ख) (vi) के श्रन्तर्गत स्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगाँडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से

श्राए हुए उम्मीक्ष्वार को या जाम्बिया, मलावी जेरे श्रीर इथि-योपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीववार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपयुक्त वेणों से श्राया है।

- (iv) पैरा 4 (ख) (vii) श्रथवा 4 ख) (viii) के अन्तर्गत श्रायु में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदुतावास, रंगृन द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिख लाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नाग-रिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजि-स्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से श्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है श्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत श्राया है।
- (v) पैरा 4 (ख) (ix) म्रथवा 4 (ख) (x) के भ्रन्तर्गत म्रायु में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुम्रों है, महानिदेशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस म्राशय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक अभिप्रमा-णित/प्रमाणित प्रातिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए बिदेशी शहा देश के साथ संघर्ष में प्रथवा म्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के वौरान विकलांग हुम्रा भीर परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुम्रा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण-पत्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिटः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः ः	
के रैंक नं॰ · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
श्री रक्षा सेवाओं में कार्य	करते
हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष के दौरान/*ग्रशांतिग्रस्त धं	तेल मे
फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकल	ांगता
के परिणामस्वरूप निर्मुक्ष हुए ।	

*जो शब्द लागू न हो उसे फुपया काट दें।

(vi) नियम 4 (ख) (Xi) श्रथवा 4 (ख) (xii) के अन्तर्गत श्रायु में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल, गृह मंद्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए

गए प्रमाण-पत्न की एक आभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिख-लाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्षत हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म :---

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
रेंक नं ० · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
প্রী
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक
यात्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए श्रौर उस विकलांगता के
परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर पद नाम तारीख

(vii) नियम 4 (ख) (xiii) के श्रन्तर्गत श्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुया वास्तिवक प्रत्यावितित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है।

ध्यान दें: -- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आश्रेद्दन-पत्न के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्न श्रादि में से कोई एक संलग्न न होगा श्रीर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो श्रावेदन-पत्न श्रस्थी-कार किया जा सकता है श्रीर इस श्रस्वीकृति के विरुद्ध कोई श्रपील नहीं सुनी जाएगी।

- 9. श्रावेदन प्राप्ति की सूचना:— इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी श्रावेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी । अगर किसी उम्भीदवार को श्रपने धावेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के श्रावेदन पहुंचने की श्रन्तिम तारीख से एक महीने के श्रन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।
- 10. आवेदन का परिणाम :— अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन की परिणाम की सूचना परीक्षा गुरू होने की तारीख सेएक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से सत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बंचित हो जाएगा।
- 11. परीक्षा में प्रवेश :-- किसी उम्मीदवार की पासता या श्रपात्रता के संबंध में संध लोक सेवा श्रायोग का निर्णय श्रंतिम होगा। श्रायोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्न के बिना किसी भी उम्मीदवार की परीक्षा प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

12. कदाचार केदोशी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—
उम्मीदवारों को चेताबनी दी जाती है कि वे श्रावेदन-पत्न
भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण
सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेताबनी दी जाती
है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी श्रमिप्रमाणित/
प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह
का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर
बदल किए गए/गढ़ें हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। श्रगर इस
प्रकार के दो या श्रधक प्रलेखों में या उनकी श्रमिप्रमाणित/
प्रमाणित प्रतियों में कोई श्रशुद्धि या श्रसंगति हो तो उनको
इस श्रसंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार भ्रायोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी है या दोषी घोषित हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से श्रपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
- (ii) किसी व्यक्तिय के स्थान पर स्वयं प्रस्तृत होना या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करनाया
- (iv) जाली प्रलेख या फेर बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुह करना या
- () अणुद्धया असत्य वक्तव्य देनाया महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखनाया
- (vi) छक्त परीक्षा के लिए अपनी छम्मीवारी के सम्बन्ध किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें चिखी हो जो अथलील भाषा या अभद्र आशयकी होंया
 - (ix) परीक्षाभवन में और किर्सः प्रकारका दुर्व्यवहार करना या
 - (x) पर्यक्षा चलाने के लिए ग्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेणान किया हो या अन्य प्रकार की आरीरिक क्षति पहुंचाई हो या
 - (xi) अवर के खंडों में चिल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर भ्रापराधिक श्रमियोग चलाया जा सकता है और साथ ही:——
 - (क) यह जिस परोक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए श्रायोग द्वारा श्रायोग्य ठहराया जा सकता है श्रथवा वह
 - (ख) (i) ग्रायोगद्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या वियन के लिये (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके ग्रधीन किसी नियुक्ति के लिए;

स्थायी रूप से या कुछ प्रवधि के लिए श्रपवर्जित श्रिया जा सकता है; श्रीर

(ग) अगर वह पहले से सरकारो नौकरा में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुणासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

किन्तु गर्त यह है कि इस नियम के श्रधान कोई शक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :---

- (i) उम्मीद्यारको इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुन करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा श्रनुमत समय में प्रस्तुत श्रम्यावेदन, यदि कोई हो, परविचार न कर लिया गया हो।
- 13. मूल प्रमाण -पत्र प्रस्तुताकरण: -- उम्मादवारों को श्रपने आवंदन पत्नों के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों का केवल प्रतिक्षिपयां ही प्रस्तुत करनी है, जो सरकार के किसी राज-पत्नित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार पराक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा के लिखित पराक्षा का परिणाम 1981 के मई महाने में घोषित किया जा सकता है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को व्यक्तित्व परीक्षा के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने वे लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मादवार व्यक्तित्व पराक्षा के समय प्रपेक्षित प्रमाण-पत्न मूल कर में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मादवार व्यक्तित्व पराक्षा के समय प्रपेक्षित प्रमाण-पत्न मूल कर में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दा जायेगा और उनका और आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।
- 14. परीक्षा को योजनाः—इसपराक्षा में निम्नलिखित का समावेण होगाः——
 - (क) लिखित परीक्षा-- उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार विषयों से सम्बद्ध यस्तुपूरक प्रश्नों वाले एक प्रश्न-पत्न जिसके श्रिधिकतम 200 श्रंक होंगे, में परक्षा देना होगे श्रीर प्रश्न-पत्न तीन घण्टे का होगा। प्रश्न-पत्न में ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे निम्नलिखित चार विषयों का श्रिधिक सम्बन्ध हो :---
 - (i) णिणुरोग त्रिज्ञान सहित सामान्य श्रायु विज्ञान 40%
 - (ii) क०ना० कं० नेत्र विज्ञान, वर्णविज्ञान ग्रीर विकलांग विज्ञान सहित सर्जराः 20%
 - (iii) शिशु कत्याण श्रीर परिवार नियोजन सहित निरोधक ग्रायुविज्ञान ग्रीर सामुदायिकस्वास्थ्य 20%
 - (iv) प्रमृता विज्ञान भौर स्त्रा रोग विज्ञान 20%
 - (ख) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में ऋहेता प्राप्त कर लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण विवा ग्रावेगा 200 ग्रंक

नोट :--परोक्षा जा स्वरूप, प्रण्नों के नमूपे श्रौर उत्तर पक्षक के नमूने से सम्बद्ध व्यौरे उम्मीदवार मूचना पुस्तिका में परिशिष्ट III पर दिये गये हैं।

15. जो उम्मीदवार लिखित परोक्षा से श्रायोग द्वारा श्रपनी विवक्षा में निर्धारित न्यूनतम श्रहंक श्रंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें श्रायोग द्वारा व्यक्तित्व परोक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

किन्तु गर्त यह है कि यदि श्रायोग का यह मत हो कि अनुमूचित जातियों या अनुमूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए
श्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिये इन जातियों के पर्याप्त
उम्मीदवार सामान्य स्तर के श्राधार पर व्यक्तित्व गरीक्षण के हेतु
साक्षात्कार के लिये नहीं बुलाये जा सकते हैं तो श्रायोग श्रनुसूचित
जातियों या श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए
श्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर
व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जा सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिये होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मोदवारों के प्रध्ययन के विणिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी ग्रीर क्षमता की परीक्षा करना होता है ग्रीर साथ साथ जैता कि किसी व्यक्तित्व पराक्षण में होता है उम्मीदवारों की बीखिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूझ-बूझ की शक्ति संतुलित विवेचनगालिता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्यनिष्टा स्वतः प्रेरणा ग्रीर नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

16. माक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के ग्रंकों में कमण: 50 प्रतिणत का महत्व देत हुए कुल मिला कर प्राप्त ग्रंकों के ग्राधार पर उम्मीदवारों का योग्यता के कम से ग्रायोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जायेगी और जितने उम्मीदवारों को ग्रायोग इम परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी कम से नियुक्ति के लिए श्रनुशंसित किया जाता है जितनी ग्रामारक्षिन रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु श्रनुसूचित जातियों श्रीर अनुसूचित जन-जातियों के लिए श्रारक्षित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के श्राधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिये स्तर में छूट देकर श्रनुसूचित जातियों श्रीर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को श्रायोगद्वारा श्रनुशंसित किया जा सकता है बगतें कि परोक्षा में उनको योग्यता के कम से निर्णेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

- 17. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों की व्यक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किल प्रकार ग्राँग किम रूप में सुचित किया जागे इसका निर्णय श्रायोग स्वयं अपने विचेक से करेगा श्राँग परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में श्रायोग उसके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।
- 18. इस नोटिस के उपबन्धों के श्रधीन सफलता प्राप्त करने वाल उम्मीयवारों की नियुक्ति पर ग्रायोग द्वारा उनकी योग्यता के

कम से तैयार की गई सूची श्रीर उनके द्वारा अपने स्रावेदन पत्नों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया रायेगा।

- 19. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतृष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववत् के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये यह भी एक शर्त होगो कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नेशिप सफलतापूर्वक पूरा कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी सन्तुष्ट हो।
- 20. उम्मीदवार को मन श्रीर गरोर से स्वस्थ्य होना चाहिये श्रीर उसमें ऐसी कोई भी गारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उसत सेवा के श्रिधकारी के रूप में कार्य करने का बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियोकना प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार को गारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाश्रों को पूर्ति नहीं कर पाता है उसको नियुक्ति नहीं होगी। उयक्तिगत परीक्षण के लिए योग्य घोषित किये गये मभी उम्माद वारों की स्वास्थ्य श्रीर परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोई के पास गारीरिक परीक्षा के लिए भेजा जायेगा।
 - 21. कोई भी व्यक्ति:--
 - (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नि ज्ञीवित है, या
 - (ख) पति या पत्नि के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है;

इस सेवा में नियुक्ति का पाद नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तृष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति श्रीर विवाह से सम्बन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुभार स्वीकार्य है श्रीर ऐसा करने के श्रीर भी आधार मीजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

22 श्रावेदत-पत में संबद्ध पत-व्यवहार :---श्रावेदत-पत से सम्बद्ध सभी पत-व्यवहार मचिव संघ लोक सेवा श्रायोग धौलपुर हाउम नई दिल्ली 110011 से किया जायेगा तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा श्रानिवार्य रूप से दिया जाये :---

- (i) परोक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना भ्रौर वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर प्रथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)
- (v) श्रावेदन-पक्ष में दिया गया श्राक का पता।

ध्यान दें (i):--जिन पत्नों में उपरोक्त क्यौरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान (ii) :—िकसी उम्मीदवार मे यदि परीक्षा हो जाने के बाद कोई पन्न मिलता है श्रीर उसमें उसका पूरा नाम तथा अनुक्रमांक भी नहीं लिखा है तो उस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

23. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्य-वस्था कर लेनी चाहिए कि उनके ग्रावेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र श्रादि श्रावद्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार परिवर्तन होने पर श्रायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 22 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशी श्र दी जानी चाहिए। यद्यपि श्रायोग ऐसे परि-वर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

24. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाश्रों पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिये गये है।

> विनय झा, उप-सचिव

परिशिष्ट ${f I}$

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुस्चित जातियों और अनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुन किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कमारी*-

जो गांव/कस्बा*
জিলা/मंडल*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*के/
की * निवासी है,
के अधीन श्रनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में भान्यतादी गई है।
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) श्रादेण, 1950*।
संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) श्रादेश, 1950*।
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश,
1951* 1
सविधान (ग्रनुसृचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश,

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (भागोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम,

1951* I

अत्तर पूर्व क्षेत्र [पुनगंठन श्रिधिनियम, 1971] श्रीर श्रनु-मूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा मंशोधित।

संविधान (जम्मू प्रौर कण्मीर) धनुसूचित जातियां श्रावेण, 1956*।

संविधान (अण्डमान ग्राँर निकोबार द्वीप समूह) ग्रनुसूचित जन जातियां आदेश 1959। श्रनुसूचित जातियां ग्राँर श्रनुसूचित जन-जातियां ग्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित *।

संविधात (दादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां श्राधेश, 1962*।

मंबिधान (दादरा भ्रौर नागर हवेली) (अनुसुचित जातियां) श्रादेश, 1962 *।

संविधान (पांडेभेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964*। सविधान (श्रनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967*।

संविधान (गोम्रा, दमन म्रौर दियू) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) धनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1968* ।

संविधान (नागालैण्ड) मनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1970* ।

 श्री/श्रीमती/कुमारी* श्रौर/या* उनका परिवार श्राम 	तौर से गांव/कस्बा*
जिला/मंडल* संघ राज्य क्षेत्र* रहते/रहती* हैं।	

हस्ताक्षर	
**पदनाम	
(क।यलिय की मोहर	
1	

नोट :--वहां "श्राम तौर से रहते/रहती हैं' शब्दों का प्रर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन प्राफ दि पीपुल्म एक्ट, 1950 की धारा 20 में हैं।

*लागू मध्य न हों, उन्हें कृपया काट दें।

**जाति /जन जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के किये सक्सम ग्रिधकारी । (i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रातिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/ एक्जीक्यूटिय मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा श्रसिस्टेंट कमिश्नर।

. प्रथम श्रेणी के स्टाईपेण्डरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं।

- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीणनल चीफ प्रेसिडेंसी भैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ग्रोहवा तहसीलदार मे कम न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल भ्रफसर जहां उम्मीदवार भौर/या उसका परिवार भ्रामतौर से रहता हो।
 - (v) ए**ड**मिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट ग्रफसर (लक्षद्वीप) ।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण्नीचे दिये गए हैं:---

- I. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा प्रधिकारी
- (क) पद श्रस्थाई है श्रीर 'ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान ६० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1250-द० रो० 5€-1600 (परिशोधित वेतनमान) है। इसके श्रलावा समय-समय पर प्रवर्तित श्रादेशों के श्रनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दरें चालू हैं :——

1 5 स्टेज	হ ০ 150 স০ म া০
6——10 स्टे ज	হ০ 200-স০ দা ০
1115 स्टेज	रु० 250-प्र० मा ०
1 6वीं स्टेज से ग्रागे	ড ০ 300 ম০ मा ०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मन्त्रालय या अन्य उच्चतम प्राधिकरण द्वारा जारी किए गये ब्रादेशों का पालन करने के लिये उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हों उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारम्भिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

- (ख) उम्मीदवार को दो साल की परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परिश्रीक्षा की अवधि को संतोषजनक उंग से समाप्त करने पर वह अस्थाई हैसियत से उनको आगे चलाया जायेगा।
- (ग) परिवीक्षा की भ्रवधि में ग्रीर उसके बाद ग्रस्थाई नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के 15—236GI/80

- द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का श्रिधकार सरकार श्रपने पास रखेगी।
- (घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रिष्टि क्षण प्राप्त करना होगा घोर सभी विभागीय परीक्षाघों में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।
- (ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंतित होगा ग्रौर राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर ग्रंशदायी) के समय-समय परलागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।
- (च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित ग्रीर धपने स्तर के ग्रधिकारियों पर लागू अवकाण नियमों के प्रनुसार श्रवकाण का ग्रधिकारी होगा।
- (छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रदर्शित नियमों के प्रमुसार निःणुल्क रेलवे पास श्रीर विशेष टिकट द्यादेणों का श्रिधकारी होगा ।
- (ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के म्रन्दर हिन्दी परीक्षा में उतीर्ण होना पड़ेगा।
- (झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को प्रपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की धवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिस में किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत श्रवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ख) सामान्यः 45 वर्ष की श्रायु हो जाने के बाद पूर्वीकत रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ञ्) संगणनीय सेवा:——जो व्यक्ति इन नियमों के प्रधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423-क (के० से० नि० 404 (ख) में निर्धारित शर्तें लागू होती हैं व उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पान्न होंगे।
- (ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में कही गई हैं उनमें ग्रीर भ्रन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता भ्रीर समय-समय पर परिशोधित/ प्रवर्तित नियमों के भ्रधीन कार्य करेगा।
- (ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेंशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय श्रौषद्यालय में नियुक्त किया जाएगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा श्रिधकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानानतरित भी किया जा सकता है।
 - (ङ) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमानों भ्रौर भक्तों सहित पदोन्नति के श्रवसर
 - (i) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा श्रिधकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमिस नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा श्रिधकारी

(विरिष्ठ वेतनमान) के पदों पर पदोन्नित के पात हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 11000-1800 हैं। जिसके साथ 1 से 9 तक की श्रवस्थाओं तक रु० 300/- प्रति मास सीमित प्रेक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 श्रवस्था से श्रागे रु० 350/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य हैं।

- (ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा ग्रिधकारी/वरिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा ग्रिधीक्षकों के पदों पर पदोन्नति के पान्न हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 1500-2000 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्म है।
- (iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु० 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की सख्या के श्राधार पर चिकित्सा श्रधीक्षक श्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा श्रधिकारी के पदों पर पदोक्षति के पाल हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2250-2500 है तथा साथ में 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (iv) ऐसे प्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली है, मुख्य चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर पदोन्नित के पात हैं। इस पद का वेतनमान ६० 2500-2750 है तथा साथ में ६० 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राहय है।
 - (ह) कर्त्तव्य और दायित्व---

सहायक प्रभागीय चिकित्सा ग्रधिकारी :

- (i) वह प्रतिष्ठित धौर श्रावश्यक होने पर भीतरी वार्डो श्रौर बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (ii) वह लागू विनियमों के भ्रनुसार जम्मीदवार भ्रौर सेवारत कर्मचारियों की भारीरिक परीक्षा करेगा।
- (ii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह विकताओं की जांच करेगा।
- (v) वह ग्रत्पताल के कर्मचारियों में ग्रनुशासन ग्रौर कर्त्तंच्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह प्रपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और श्रपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवर-णियां और मांग पत्न तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव श्रौर देखभाल श्रपने प्रभाग में रखेगा।
- नोट (1):--जब महा० स० चि० प्र० किसी प्रभाग के मुख्यलय में प्रभागीय चिकित्सा श्रधिकारी के प्रभार के

नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीयचिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसे कुछ कार्य और दायित्व भी सौपे जा सकते हैं।

नोट (2):---सहा० प्र० चि० ग्र० को समय-समय पर सौंपे गए ग्रन्य कर्त्तव्य भी निभाने होंगे।

II रक्षा मंत्रालय के श्रन्तर्गत श्रायुध तथा श्रायुध उपस्कर कार-खाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा श्रधिकारी के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में श्रस्थाई है किन्तु यथावधि स्थाई किया जा सकता है। वेतनमान ६० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू श्रादेशों के श्रनुसार प्रतिबंधित प्रेक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० प०)। इस समय दर निम्नलिखित है:—

1-5 स्टेज ६० 150/- प्रतिमास _१ 6-10 स्टेज ६० 200/- प्रतिमास 11-स्टेज से भ्रागे ६० 250/- प्रतिमास

- (ख) उमीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परि-वीक्षा पर रखा जाएगा। यह श्रवधि सक्षम प्राधिकारी की विषक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा श्रवधि संतोषजनक ढंग से समाम्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक श्रस्थायी हैसियत से चलाया जाएगा।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी श्रायुध कारखाना श्रस्पताल या श्रीषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।
 - (घ) किसी भी प्रकार ी निजी प्रेक्टिस करना मना है।
- (क) परिवीक्षा की भ्रवधि में भ्रौर उसके बाद भ्रस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का श्रधिकार होगा।
- (च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान श्रोर भत्तों सहित पदोन्नति के श्रवसर:---
- (i) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी/ सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा।

किन्छ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले प्रधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/महायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिए पात होंगे। वेतनमान रूष् 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर प्रेक्टिस निषेध भत्ता—

1--3 स्टेज ए० 250/- प्रतिमास
5--4 स्टेज ए० 300/- प्रतिमास
6--7 स्टेज ए० 350/- प्रतिमास
8--9 स्टेज ए० 400/- प्रतिमास
10--11 स्टेज ए० 450/- प्रतिमास

(ii) सुपर टाइप ग्रेड II—प्रधान चिकित्सा श्रिधकरी उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवा।

विष्ठ वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा और स्नातकोक्षर योग्यता रखने वाले ग्रधिकारी प्रधान चिकित्सा ग्रधिकारी/उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-II में पदोन्नति के लिए विचार किए जा सकते ह । वेतनमान ६० 1500-60-1800-100-2000 हैं तथा ६० 600/- प्र० मा० की दर से प्र० नि० म०।

(iii) सुपर टाइम ग्रेड-I---निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं।

प्रधान चिकित्सा ग्रधिकारी ग्रीर उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेंड-I में नियुक्ति के पान होंगे।

- (छ) कार्य स्वरूप---(I) सहायक चिकित्सा ग्रिधिकारी :
- (i) वे प्रतिदिन और प्रावक्यक होने पर प्रस्पताल के वाड़ों के विभागों के अंतरंग रोगियों भ्रौर भ्रौषधालयों/ बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे लाग् नियमों के अनुसार कमचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों कारखरखाव श्रौर देखभाल श्रपने प्रभाग में रखेंगे।
- (iv) वे क्रपने श्रधिकारक्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य ग्रौर कमचारियों के ग्रौद्योगिक स्वास्थ्य काकार्यक्षेत्रों।
- (v) वे श्रस्पताल श्रौर श्रौपधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, श्रनुणासन श्रौर कर्त्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा श्रधिकारी द्वारा सींपे गए अन्य कार्यभी करेंगे।
- (2) जी० डी० ग्रो० ग्रेड-I स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक ग्रीर वरिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी।
 - (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० सं० नि०/स्वा० से० उ० के निदेशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्त्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
 - (खा) ग्रनुभाग श्रधिकारी के रूप में चिकित्सा ग्रनुभाग को दैनंदिन कार्यकरने में यह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायक्षा करेगा।
 - (ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्यभी उसकी करने होंगे।
 - (घ) चिकित्सा भंडार ग्रीर उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

- (ङ) वरुचिरु ग्रुरु—वर्षचिरु अरु 75 पलंगवाले किसी कारखाना श्रस्पताल श्रीर वहां की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।
- (च) प्रभारी निकित्सा ग्रधिकारी के रूप में व चिकित्सा संबंधी सभी मागलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेगे और ग्रावण्यक ग्रनुणंसा करते रहेंगे।
- (छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों श्रीर उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (ज) वे किसी संविधि या सरकारी म्रादेश के निहित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गए म्रन्य कार्य भी करेंगे।
- (3) सुपर टाइप ग्रेड-II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेणक भौर प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी।
 - (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।
 - (ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी, छुट्टी यादौरे की श्रवधि में वह कारखाना महानिदेशक के श्रादेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।
 - (ग) प्र० चि० प्र०—प्र० चि० प्र० 75 पलंग वाले किसी कारखाना प्रस्पताल श्रीर वहां की चिकित्सा स्थापना काप्रभारी चिकित्सा श्रधिकारी रहेगा।
 - (घ) प्रभारी चिकित्सा ग्रधिकारी के रूप में व चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे श्रोर श्रावण्यक श्रनुशंसा देते रहेंगे।
 - (ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों श्रौर उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
 - (च) किसी संविधि या सरकारी श्रादेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारासौंपे गए श्रान्य कार्यभी वे करेंगे।

(4) सुपर टाइम ग्रेड-І—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

- (क) चिकित्सा ग्रीर स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार-- व्यावसायिक श्रीर प्राविधिक-समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना कानियंत्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रवस्त सभी प्रशासनिक ग्रिधकारों का यह उपयोग करेगा।
- (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/ग्रनुणसाम्रों का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवण्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों कावितरण करेंगे।

- (घ) संघ लोक सेवा ग्रायोग में सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- (ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे श्रौर चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखान। महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।
- (च) वह स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे धौर समस्त प्र० चि० ध्र०, व० चि० ध्र० और स० चि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के श्रधीन किनष्ट वेतनमान के पदों के संक्षिप्त विवरण:—

- (क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा श्रौर नियक्ति की तारीख से हो वर्ष की श्रवधि तक वे परिवीक्षा के श्रधीन रहेंगे। यह श्रवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की श्रवधि की मंतोपजनक समाप्ति के बाद उनको यथःसमय कनिष्ठ वेतनमान (६० 700—1300) में स्थायी बनाया जाएगा।
- (ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेव। में सिम्मिलित किसी भी संगठन के ग्रधीन किसी भी श्रोषधालय या श्रम्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है श्रर्थात दिल्ली, बंगलीर, बंबई, मेरठ श्रादि में चाल के० म० स्वा० से०, कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, श्रसम राइफल्स, भ्ररुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक तार विभाग श्रादि। प्रयोगशाला श्रौर परामर्ण सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषध है।
 - (ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्य हैं ः— कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान

परिशोधित वेतनमानः

६० 700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300।

प्रे० नि० भ० ॗ

1--- 5 स्टेज रु 150 प्र०मा०

6—- 1 0 स्टेज

হ০ 200 স০**मা**০

1 1वीं स्टेज से धारे

रु० 250 प्र० मार्

जो श्रधिकारी कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवापूरी करतेहों, वे वरिष्ठ वेतन में पदोन्नति केपात होंगे।

वरिष्ठ वेसनमान ग्रुप 'क'

परिशोधित वेतनमानः

হ৹ 1100-50-100

प्रे० नि० भ०

1 से 3 स्टेज तक ए० 250 प्र० मा०
4 से 5 स्टेज तक ए० 300 प्र० मा०
6 से 7 स्टेज तक फ० 350 प्र०मा०
8 से 9 स्टेज तक ए० 400 प्र० मा०
10 से 11 स्टेज तक ए० 450 प्र० मा०

वरिष्ठ वेतनमान में 10 वर्ष की सेवापूरी करने वाले श्रधिकारी रु० 1500—2000 के वेतनमान में सुपर टाइम ग्रेड-I में निधुवित के पात हो जायेंगे बणर्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताश्रों के साथ श्रावध्यक योग्यता हो।

विशेषज्ञों का ग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान : क० 1100-50-1500-द० रो०-60-

	प्रै० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० ३०० प्र० मा०
4 से 6 स्टेज तक	ষ ০ 350 স ০ দাতি
7 से 9 स्टेज तक	হ০ 400 স০ দা ০
10 से 12 स्टेज तक	रु० ४५० प्र० मा०
13 से 14 स्टेज तक	रु० 500 प्र० मा०

विशेषक्षों के ग्रेड-II--माठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले भीर आवश्यक योग्यताओं से युक्त प्रधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों में विशेषज्ञ के ग्रेड-I में पदोन्नति के लिए विचार क्षेत्र में प्राते हैं।

विशेषशों का ग्रेड I

परिणोधित वेतनमान : रु० 1800-100-2000/125/2-2250 प्रे० नि०भ०रु० 600प्र० मा०

सुपर टाइप ग्रेड II

परिशोधित वेतनमानः रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

प्रे०नि० भा० रु० 600 प्र० मा०।

विशेषशों के ग्रेड I या सुपर टाइम ग्रेड II के पदधारी ग्रिधि-कारी नियमित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में श्राते हैं।

सुपरटाइम ग्रेड I स्तर I

परिशोधित वेतनमान : रु० 2500-125/2750।

प्रे० नि॰ भ० रु० 600 प्र०मा०

सुपर टाइम ग्रेड-! स्तर्!

परिशोधित वेतनमानः

৳৹ 2500-125-2750

प्र० नि० भ०—–रु० 600 प्र०मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर I में की रिक्तियों को उन्हीं ग्रिधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर Π में दो वर्ष की सेवा पूरी

कर चुके हों। धगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेश-I स्तर H और विशेषज्ञों के ग्रेड H सुपर टाइम ग्रेड H में कुल मिलाकर H वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-H और सुपरटाइम ग्रेड-H में से किसी भी ग्रेड में श्राठ वर्ष की सेवा से युक्त ग्रिधकारियों मे भरा जएगा।

${f IV}$ सामान्य ड्यूटी चिकित्सा श्रधिकारी, ग्रेड- ${f II}$ दिल्ली नगर निगम

(क) वर्ग 'क' का पद श्रस्थामी है किन्तु यथाविध स्थामी हो सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू श्रादेशों के श्रनुसार प्रतिबंधित प्रेक्टिस निषेध भक्षा (प्रे० नि० भ०) हैं। वेतनमान दरें इस प्रकार हैं:

1-5 स्टेज रु॰ 150/- प्र० मा० 6-10 स्टेज रु० 200/- प्र०म ा० 11 स्टेजों ग्रागे रु० 250/- प्र० मा०

- (ख) उभ्मीदवार नियुक्ति की नारी खासे 2 वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेका-नुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की श्रवधि को सन्तोषजनक ढंग से पूरा कर लेने के बाद वह स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने की अवधि तक श्रस्थायी पद पर कार्य करता रहेगा।
- (ग) उम्मीदक्षार को दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में किसी भी श्रस्पताल/श्रौपधालय/प्र० एवं णि० क० तथा परिवार कल्याण/केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नियुक्त किया जा सकता है।
 - (घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रेक्टिस करना मना है।

परिवीक्षा की ग्रवधि तथा बाद ग्रस्थायी हैसियत से नियोजन की ग्रवधि में दोनों पक्षों में से किसी भी ग्रोर से नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के स्थान पर एक माह का वेतन देने का ग्रधिकार है।

परिक्षिष्ट-III संघ लोक सेवा श्रायोग उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने थाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में श्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी श्रागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) श्रापको चुन लेना है। इस विवरणिका का उद्देश्य श्रापको इस परीक्षा के बारे कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा स्वरूप से परिचित न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3..... के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के बीच a, b, c, कम में मंभावित प्रत्युक्तर लिखे होंगे। ग्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से ग्रधिक प्रत्युक्तर सही है तो उनमें से सर्वोक्तर प्रत्युक्तम का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने प्रश्नांश देख सें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युक्तर का खुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उक्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए भ्रापको भ्रलग से एक उत्तर पत्नक नमूना संलग्न परीक्षा भवन में दिया जाएगा । भ्रापको भ्रपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे । परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर श्रन्य किसी कागज पर लिए गए उत्तर जांचे नहीं जायेंगे ।

उत्तर पद्मक में प्रश्नांशों की संख्यायें 1 में 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के कम से प्रत्युत्तर छपे होंगे परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, प्रापको उस प्रत्युत्तर के प्रक्षर को दर्शाने वाले प्रायत को पेंसिल से काला बनाकर उसे ग्रंकित करना है, जैसा कि संलन्न उत्तर प्रवक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के श्रायत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

"CEED"	tho		cdb	
2 _{CII}	ದೆಸು	ت ت ا	بطا	
3. _{******}	den		c ರ ೨	ce:

इस लिए यह जरूरी है कि:

- 1 प्रश्नाशों के उत्तरों के लिए केवल भ्रच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. श्रगर श्रापने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटा कर फिर से सही उत्तर का निशान लगादें। इसके लिए श्राप श्रपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी ग्रसावधानी न हो जिसगे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट श्रादि पड़ जाए श्रीर वह टेक्स हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्णनियम

- ग्रापको परीक्षा श्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा श्रीर पहुंचते ही श्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुरु होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक पर्यवेक्षक को सौंप दें, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है। इन नियमों का उत्लंबन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, प्रपनारोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख भौर परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें उत्तर पत्नक पर श्राप कहीं भी भ्रपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुधेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जायें। अगर उत्तर पल्लक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नाश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तस्काल पालन करें।
- 7. ग्राप ग्रपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं। ग्रापको ग्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर ग्रीर नोली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। ग्रापको यह सलाह भी दी जाती है कि ग्राप श्रपने साथ कोई किलप-बोर्ड या हाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ नहीं लिखा हो। ग्रापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकडा, पैमाना या ग्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए ग्रापको मांगने पर एक ग्रलग कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम ग्रुर करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर ग्रीर तारीख लिखें ग्रीर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ड. विशेष प्रनुदेश

जब भ्राप परोक्षा भवन में भ्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से श्रापको उत्तर पत्नक मिलेगा। उत्तर पत्नक पर भ्रपेक्षित सूचना ग्रपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निराक्षक भ्रापको परोक्षण पुस्तिका देंगे। जिसको मिलते ही तुरन्त भ्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका को संख्या लिखो हुई है ग्रीर सील लगो हुई है। ग्रन्थथा, उसे बदलका लें। जब यह हो जाए तब ग्रापको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में ग्रपनी परीक्षण पुस्तिका को कम संख्या लिखनी होगा।

च. कुछ उपयोगी मुझाव

यद्यपि इस परोक्षण का उद्देश्य श्रापका गित की श्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि ग्राप श्रपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ जितनी जल्दी ग्रागे बढ़ सकते हैं, बढ़ें पर लापरवाही न हो। ग्रगर ग्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। ग्राप को जो प्रश्न श्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रोर बढ़ें ग्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के म्रंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भ्रापके द्वारा भ्रंकित सही प्रत्युत्तर की संख्या के भ्राधार पर भ्रापको भ्रंक दिये जाएंगे।

त उत्तरों के लिए भ्रंक नहीं काटे जायेंगे।

छ . परीक्षा का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक भ्रापको लिखना बंद करने को कहें, भ्राप लिखना बन्द कर दें।

श्राप श्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक कि निरीक्षक श्रापके यहां श्राकर सभें: श्रावध्यक सामग्री न ले जाएं श्रीर श्रापको "हाल" छोड़ने को श्रनुमति न दें। श्रापको परक्षण पुस्तिका श्रीर उत्तर पत्रक श्रीर कच्चे कार्यका कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

- 1 मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?
 - (a) श्रशोक के उत्तराधिकारी सम्बक्ते सब कमजोर थे।
 - (b) भ्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुन्ना।
 - (°) उत्तरो सीमा पर प्रभावशालो सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
 - (d) भ्राशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्ततार्थाः।

2 संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यभाक्तिका के प्रति उत्तरदायो है।
- (°) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायें है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3 पाठशाला के छात्र के लिए पट्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास को सुविधा प्रदान करना है।
- (b) प्रनुशासन की समस्याओं का रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
- 4 सूर्य के सबसे निकट ग्रह है,
 - (a) 明新
 - (b) मंगल
 - (c) बृहस्पति
 - (d) बुख

- 5 वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है?
 - (a) पेड़ पाँधे जितने श्रधिक होते हैं, मिट्टों का क्षरण उतना श्रधिक होता है जिससे बाद होती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, निदयां छतनी ही गाद से भरो होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
 - (°) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, निदयां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी आते हैं।
 - (d) पेड़ पीधे जितने कम होते हैं उतने ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st August 1980

No. A-35014/1/80-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ud-hoc basis as Senior Analyst for the period from 15-7-80 to 14-10-80, or until regular arrangements are made, or until further orders, whichever is the earliest.

2. Shri S. K. Mishra, will be on deputation to an ex-cadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provision contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III 60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN, Dy. Secy. for Chairman.

New Delhi-110011, the 6th August 1980

No.A-35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the posts indicated against each for a period from 6-8-1980 to 5-11-1980, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri Yoginder Nath—S.O. (Special-Examination).
- 2. Shri D.R. Madan—S.O. (Special-Service).
- 2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D.R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN, Dy. Secy. for Secretary.

New Delhi-110011, the 16th August 1980

No. A-12022/1/79-Admn.I(ii),—Shri N. K. Prasad Selection Grade Officer of the C.S.S. and Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been appointed to officiate as Joint Secretary in the scale of Rs. 2000—125/2-2250 in the Office of Union Public Service Commission w.e.f. the fore-noon of 26-5-1980, until further orders.

S. BALACHANDRAN, Dy. Sccy. (Admn.), UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION New Delhi, the 19th August 1980

No. 44-PRS 52.—On his attaining the age of super-annuation, Shri M. K. Vasudevan, Selection Grade Officer of the Central Secretariat Service working as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1980.

O. P. SHARMA, Director.

MINISTRY OF HOME ARRAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 21st August 1980

No. F-2/74-Ad.V.—The services of Shri F. C. Sharma, IPS (Tamil Nadu-1964), Supdt. of Police, CBI, Special

Police Establishment are placed back at the disposal of the Govt. of Tamil Nadu with effect from 27-7-1980 torenoon on repatriation after expiry of 26 days Earned Leave from 1-7-80 to 26-7-1980.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E). C. B. I.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE New Delhi-110001, the August 1980

No. O-II-1478/80-Estt.—The President is pleased to appoint the following as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from dates noted against each subject to their being medically fit:—

- 1. Dr. S. Palaui Chamy-19-7-80 (F.N.).
- 2. Dr. M. Krishna Rao-25-7-80 (A.N.).
- 3. Dr. (Mrs.) Usha Jain-1-8-80 (A.N.),

The 22nd August 1980

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 22-7-80 (A.N.) for a period of three mouths or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever earlier.

The 23rd August 1980

No. P.VII-2/79-Estt.—Shri Mohan Singh who was appointed to officiate as Section Officer on ad-hoc basis is reverted to the grade of office Superintendent w.e.f. 11-8-80 (A.N.).

K. R. K. PRASAD, Asstt. Director (Admn)).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Bhatinda Shri K. S. Ahluwalia relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 10th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Ranchi Shri K. S. Ahluwalia assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, NFL Bhatinda w.e.f. the afternoon of 23rd July, 1980 vice Shri R. K. Jolly who on transfer to Srinagar, relinquished the charge of the same post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Hoshangabad Shri Y. P. Jogewar assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, R.S.P. Rourkela with effect from the forenoon of 16th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Sindri Shri K. S. Minhas assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit. NPPC Tuli (Nagaland) w.e.f. the afternoon of 8th July, 1980 vice Shri M. S. Bose who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Bokaro Shri I. P. Singh assumed the charge of the post of Asstt Comdt. CISF Unit, ASP Durgapur w.e.f. the forenoon of 22nd July, 1980.

No. E-16016/19/76-PFRS.—On expiry of the term of his distribution Shri H. K. Chatterjee relinquished the charge of the post of Section Officer in the office of the IG/CISF, New Delhi w.e.f. the afternoon of 11th August, 1980.

2. On his appointment as Section Officer on deputation basis Shri Mohan Dhalwani assumed the charge of the said post in the office of the IG/CISF, New Delhi vice Shri H. K. Chatterjee with effect from the same date.

PARKASH SINGH, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th August 1980

No. 10/20/79-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 18th January, 1980, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 31st December, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in Paragraph 2 of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad. I) dated 28-3-1979.

2. The headquarter of Smt. Chaudhuri will be at Calcutta.

No. 11/37/80-Ad. I—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Investigators in the effice of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same effice with their headquarters at New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names, or till the posts are filled in on recular basis, whichever period is shorter:—

S. Name of the Officer No.		icer		Date of appointment
1	2			3
1. SI	hri L.C. Sharma		٠.	19 July, 1980 (Forencon)
2. SI	hri S.S. Bawa			19 July, 1980 (Forencen)

2. The above mentioned ad-hoc appointments will not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on ad-hoc basis will not be counted for the purpose of seniority in the Igrade of Assistant Director of Census Operations (T) nor for elligibility for promotion to any higher grade. The abovementioned ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad. I—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Investigators in the offices of the Director of Census Operations in States as mentioned against them, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names, or till the posts are filled in on regular basis, whichever period is shorter—

S. Nam No.	e of the Office	r Offico in which working	Date of appointment
1	2	3	4
S/Sh 1. R.E.	ri Choudhari .	D.C.O., Maharashtra,	23rd July, 198 ₀
2. R.N.	Pongurlekar	Bombay Do.	(forenoon) 21st July, 1980 (forenoon)

1 2	3	4
3. Shri Ch, Purna Chandra Rao	D.C.O. Andhra Pradesh	21st July, 1980 (forenoon)
4. Shri M.N. Sark	ar D.C.O., West Bengal, Calcutta	23rd July, 1980 (forenoon) ¥

- 2. The above-mentioned ad-hec appeintments will not bestow upon the efficers concerned claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on ad-hoc basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (T) nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- 3. The headquarters of S/Shri Choudhuri Pongurlekar, Rao and Sarkar will be at Bombay, Bombay, Hyderabad and Calcutta respectively.

No. 11/116/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri T. P. Pathak, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknew, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of July 19, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Pathak will be at Gorakhpur.

No. 11/6/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Man Mohan Narain Srivastava, an officer belonging to the Uttar Pradesh Accounts Service, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of August 2, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Srivastava will be at Lucknow.

The 23rd August, 1980

No. 10/40/79-Ad.I.—Pursuant to his request for termination of his services after giving one month's notice, required under the terms and conditions of his appointment, as contained in this office memorandum of even No. dated the 19th March. 1980, the President is pleased to terminate the services of Dr. S. R. Mehta, Scnior Research Officer (Social Studies) in this office with effect from the afternoon of 8th August, 1980.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla, the 8th September 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-Inda Consumer Price Index Number for Industrial workers on base: 1960—100 increased by eight point to reach 394 (three hundred and ninety four) during the month of July, 1980. Converted to base 1949—100 the index for the agenth of July, 1980 works out to 479 (four hundred and seventy nine).

A. S. BHARDWAJ, Jt. Director,

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 23rd August 1980

No. Admn. I/O. O. 245/5-6/Promotion/79-81/894—The Director of Audit, hereby appoints the following permittent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers, with effect from the afternoon of 14-8-80 until further orders:

Sl. Name	
No	
S/Shri	
 Deep Chand Jain 	
2. R.C. Jain	 Sh. R.C. Jain's promotion will take effect from the date he re- verts to this office from C.AG's- office
3. K.K. Malik	
4. B.D. Gupta	
S.B. Verma	
6. S.K. Gupta	
7. Prema Nand	
	Dd/- illegible

Dd/- illegible
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 19th August 1980

No. Estt.(A)/GO/896.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General Gujarat, Ahemedabad with effect from 1-8-80 F.N. until further orders.

S/Shrl

- 1. K. Raghavan
- 2. H. J. Mehta
- 3. A. K. Rajagopalan
- 4 K. K. Trivedi
- 5. B. J. Shah (Proforma promotion)
- 6. E. S. Sunderarajan

The above promotions have been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of the Gularat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO Sr. Deputy Accountant General (Λ)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR.

Srinagar, the 20th August 1980

No. Admn.-1/60(Gen/80-81/2175-81.—The Accountant General Jammu & Kashmir has promoted following two permanent Section Officers of this office as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the forenoon on 8th August 1980 till further orders:—

- 1. Shri Soom Nath Kak.
- 2. Shri Prithvi Nath Handoo.

H. P. DAS. Senior Dy. Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ORISSA

Bhubaneswar, the 14th August 1980

No. 65.—The Accountant General is pleased to appoint the following Section Officers of this office to officiate as Accounts officers in the scale of pay R_S. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates noted against each until further orders.

The promotion is on ad hoc basis subject to the decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudicated in the courts.

- 1. Sri Gopal Ch. Das-4-7-80 FN.
- 2. Sri Debendra Ku. Mohanty-5-7-80 F.N.
- 3. Sri A. Venkat Rao 9-7-80 F.N.
- 4. Sri Bijoy, Sikdar-7-7-80 F.N.
- 5. Sri Duryodhan Rajhans-2-7-80 F.N.
- 6. Sri Mukunda Nayak-2-8-80 FN.

K. P. VENKATESWARAN, Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 18th August 80

No. 68018(2)/71/A-I.—The President is pleased to appoint Kum. Anjali Ahluwalia, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as Deputy Financial Advisor, Ministry of Finance (Defence Division), New Delhi to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service with effect from the forenoon of the 1st July 1980, until further orders, under the "Next Below Rule".

R. L. BAKSHI, Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th August 1980

No. 18/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Jagadish Ch. Ghosh, Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Asstt. Staff Officer in an existing vacancy, without effect on seniority, from 1-8-80 until further orders.

Shri Ghosh will be on probation for two years from 1-8-80.

The DGOF is also pleased to promote Smt. Smritikana Sengapta, Permt. Asstt., to Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), in an existing vacancy, from 1-8-80 until further orders.

The 21st August, 1980

No. 19/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Debabrata Roy, Pmt. Assistant, to Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis, in an existing vacancy, from 18-8-80 until further orders.

D. P. CHAKRAVARTI,
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 8th August, 1980

No. A-12025(i)/3/80-Admn. II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 and until further orders Shri Sudam Chanda Chaware as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre, Dethi.

No. A-12025(i)/7/80-Admn.II(A). The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 1st August, 1980 and until further orders Shri G. Ramaswamy as Deputy Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Madras.

Ino. A-32013/7/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 29th July, 1980 and until turther orders Shri R. C. Shastri, Technical Assistant (Dycing) as Assistant Director Grade I (Processing) in the Weaves Service Ceintre, Indore.

No. A-32013/7/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 29th July, 1980 and until further orders Shri R. A. Deshpande, Technical Assistant (Dyeing) as Assistant Director Grade I (Processing) in the Weavers Service Centre, Bangalore.

N. P. SESHADRI, Joint Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi-110019, the 20th August, 1980

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 25th April, 1980, the *ad-hoc* appointment of Shri P.S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been contiuned in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB 40—1200 on purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 1st September, 1980 to 28th February, 1981 or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

A. K. AGARWAL, Chief Director.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th August, 1980

No. 12(566)/68-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Technical Adviser in Indian Investment Centre, New Delhi on deputation basis, Dr. R. B. Parmarthi relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemical) in Branch Small Industries Service Institute, Varanasi in the afternoon of 30th June, 1980.

M. P. GUPTA, Dy. Director (Admn.).

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 20th August 1980

No. A-12025(ii) /4/79-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri Y. J. Kenny, Permanent Main-

tenance Engineer, Films Division, New Delhi to officiate as Laboratory Engineer on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 31st May, 1980, until further orders.

N. N. SHARMA, Assit. Administrative Officer, for Chief Producer.

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 15th July 1980

No. A-12026/1/77-Estt.—Principal Information Officer hereby appoints Shri D. Janardhan Rao, a permanent Grade IV officer of the Central Secretariat Service cadre of the Ministry of Information and Broadcasting, working as Section Officer in Directorate General of All India Radio, as Administrative Officer in the Press Information Bureau's office at Madras on deputation basis for a period of two years with offect from the forenoon of the 18th June, 1980.

M. M. SHARMA,
Asstt. Principal Information Officer,
for Principal Information Officer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 18th August 1980

No. A. 12026/9/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri D. L. Ghoshal, Distribution Assistant to officiate as Assistant Distribution Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14th July, 1980 vice Shri Jogi Ram Langan, Assistant Distribution Officer, granted leave followed by his temporary transfer to New Delhi.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.)
For Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 18th August 1980

No. A.19019/16/79-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. A. S. Rao to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 23rd July, 1980.

N. N. GHOSH, Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 21st August 1980

No. A. 12025/19/79(FRSL)/Admn.I.—The Director General of Helath Services is pleased to appoint Shri Ishwara Chandra Shukla to the post of Ir. Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, with effect from the forenoon of the 9th July, 1980 in a temporary capacity and until further order.

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (E)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the August 1980

No. A. 19023/5/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri K. N. Ghungrudkar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the Directorate at Bombay with effect from 11-7-80 (forenoon) until further orders.

The 18th August 1980

No. A.19023/49/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Abohar, Shri A. K. Guha handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 30-7-80.

No. A.19023/6/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Har Prasad, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Bombay in the forenoon of 11-7-80, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Prasad relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Tangutur in the afternoon of 30-6-80.

No. A. 19025/49/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kollol Chander Lahiri has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer Group III), in this Directorate at Calcutta with effect from 20-6-80 (afternoon) until further orders.

No. A.19025/50/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Kumari Sajni Batra has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Chandigarh with effect from 11-7-80 (forenoon), until further orders.

The 20th August 1980

No. A. 19023/26/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Khandwa, Shri A. G. Deshpande handed over charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the afternoon of 21-6-80.

No. A.19025/4/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers who are working as Assistant Marketing Officer (Group I) on short-term basis, have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 24-5-80, until further orders:—

- 1. Shri G. V. Ramamurthy
- 2. Smt. R. Lalitha
- 3. Shri P. D. Girase
- 4. Shri K. Jayanandan

No. A. 19025/13/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri S. K. Gango-padhyay has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay with effect from 10-7-80 (forenoon).

His resignation has been accepted with effect from 12-7-80. (FN).

B. L. MANJHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 4th July 1980

No. PA/43(1)/80-R.IV.—Consequent on the transfer of Shri Karamchandani Laxman Hiranand permanent Security Officer in Directorate of Estate Management to BARC, Controller BARC appoints him as Security Officer in BARC with effect from March 12, 1980, while on leave until further orders.

On completion of his leave from March 12, 1980 to May 13, 1980, Shri Karamchandani assumed charge of the post

of Security Officer with effect from the foreneon of May 14, 1980.

This is in supersession of Notification of even number dated June 9, 1980.

A. S. DIKSHIT, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-400 005, the 11th August 1980

No. PPFD/3(262)/78-Adm.10811.—In continuation of this Division's Notification No. PPED/3(262)/76-Adm. dated April 7, 1980, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division has been permitted to continue to officiate as Assistant Personnel Officer till July 31, 1980 (AN).

B. V. THATTE, Administrative Officer.

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O. NAPP T/Ship, the 16th August 1980

No. NAPP/Adm/1(71)/80-S/10550,—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri K. L. V. Subbiah, Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General & Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of June 30, 1980.

No. NAPP/Adm/5(17)/80-S/10551.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri R. V. Awasthy, Section Officer (Accounts), in the office of the Western Railway, Bombay, on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of June 30, 1980.

No. NAPP/Adm/1(183)80-S/10552.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Niranjan Deo, Section Officer (Accounts) in the office of the Accountant General Rajasthan, Jaipur, on deputation as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-F-B-960/- in the Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of July 3, 1980, on the usual terms and conditions of deputation until further orders.

The 18th August 1980

No. NAPP/Adm/1(182)/80-S/10568.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Narendra Kumar Sharma, Section Officer (Accounts) in the office of the Director of Audit, Northern Railways, Baroda House, New Delhi, to officiate as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/-, with effect from July 2, 1980, in Narora Atomic Power Project, on usual deputation terms until further orders.

G. G. KULKARNI, Senior Administrative Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th August 1980

No. NFC/PAR/0705/5453.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri V. Venkateswara Rao, Asst. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 9-5-1980 to 8-6-1980 AN, against existing vacancy.

This supercedes this office Notification No. NFC/PAR/0705/2636 dated 19-5-1980.

No. NFC/PAR/0705/5454.—In continuation of Notification No. NFC/PAR/0705/5603 dated 22-12-79 the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Sri S. Rangarajan, Asst. Accountant as Asst. Accounts Officer, on ad hoc basis w.e.f. 18-2-1980 to 30-6-1980 against existing vacancy.

This supercedes this office Notification No. NFC/PAR/ 0705/1922 dated 26-3-1980.

NFC/PAR/0705, 5455.—The Chicf Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Mohd. Ismail, Assistant Accountant, to officiate as Asst. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 19-5-1980 to 8-6-1980 against existing vacancy.

NFC/PAR/0705/5456.—The Chief Nuclear Full Complex, appoints Sri Mohd. Ismail, Assistant Accountant, to officiate as Asst. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 14-5-1980 to 31-5-1980 against existing vacancy.

U. VASUDEVA RAO, Sr. Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 21st August 1980

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on ad hoc basis with effect from the afternoon of 9-6-1980 to 9-2-1981 (AN).

> M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th July 1980

No. A-31013/3/79-EA.—The President has been piccosed to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from 24th July, 1980.

S. Name No. 1.Shri M.A. Paul 2.,, O. P. Dhingra 3., M. P. Khosla 4. ,, K.S. Prasad 5. ,, N.D. Ghosh 6. , Ravi Tankha 7. " C.R. Rao 8. " R.S. Bhagat 9. ., Kundan Lal 10. ,, J:K. Sardana

11. ,, K.C. Misra 12. ,, G.B.K. Nair 13. ,, D.D. Sardana 14. " K.N. Venkatachaliah 15. ,, S.C. Schhri 16. ,, S.K. Jain 17. " D. Ramanujam 18. ,, A.T. Varghese, 19. " K.V.S. Rao

20. ,, N.P. Sharma

Sl. Name No.

21. Shri S. K. Bancrice

22. , R.A. Kothandaraman

23. " K. K. Saxena

24. " A.M. Thomas

25. " S.A. Ram

26., M.M. Sharma

27. " D.C. Kharab

28. " K.B.K. Khanna

29. " D.N. Dhawan

30. " A.F. Tigga

31. " A.M. Nandkur

32. " B. S. Chawla

33., D. Santhanam

34 ,, R.L. Verma

35. ,, A.K. Basu

36. ,, R.L. Chopra

37. " P.C. Goel

38. ,, C.N. Prasad

39. " H.M. Israel

40. " D.N. Ghosh

41. " D.K. Sen

42. ., B. M. Arora

43. " B. K. Duggal

44. " B.K. Sarkar

45. " B.S. Gambhir

46. " N.K. Murthi

47.,, P.A. Raghunathan

48., M.B.L. Aggarwal

49. " H.L. Gupta

50. , C.K. Kutty Krishnan

51. " R. C. Khurana

P.R. Sabharwal

53. .. M. P. Chawla

54. ,, M. M. George

55. " K. L. Tancja

56. " D. P. Arora

57. .. G. B. Subramaniam

58. , M. M. Malik

59. " M. L. Uppal

60. .. V. K. Pandey

61. .. A. D. Malik

62. " R. A. Awasthy

63. " S. P. Arora

64. " O. P. Wadhwa

65. " J. N. Jatley

66. " M. K. Dutta

R.C. Kanda

68. " K. Mukundan

69. " K. L. Batura

70. " O. P Satija.

71. , R.R. Chugh

72. " D.N. Singh

73., M. L. Kapoor

74. " J.S. Wazir

75. " T.S. Sandhu

76. " A. N. Khcra

The 2nd August 1980

No. A-32013 17/78-EA.—The President has been pleased to sanction the continued ad-hoc appointments of the following Officers to the grade of Aerodrome Officer upto 31-8-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No	Name				Station
Sarva/Shri					
1.	Kaviraj Singh				A.S.O. (ATC) Hdgurs.
2.	J.S.R. K. Sharr	na			Madras
3.	Amir Chand				Gwalior
4.	H.D. Lal				Bhopal
5.	G.B. Bansal				Rajkot
6.	M.S. Gossain				Palam
7.	C.N.S. Moorth	y			Madras
8.	A.N. Mathur				Khumbirgram
9.	P.K. Khanna				Dum Dum
10,	P. B. Daswani				A.O. (P) Hdqurs.
11.	K.P.S. Nair				Madras
12,	A. K. Jha				North Lakhimpur
13,	S.J. Singh				Palam
14,	S. K. Voara				Santacruz
15,	Vinod Kumar \	/aday	,		Santacruz
16,	Daljit Singh Ch	atrati	b		Palam
17,	D.D. Vuthoo				Srinagar
18.	K. K. Malhotra	ì			Dum Dum
19.	G.S. Kalsi				Leh
20.	A.T Richard				Madras
21.	Rajinder Pal Si	ngh			Bombay Airport
22.	Arul Anand				Tirupati
23,	C.M. Kothlath				Bombay
24.	P. N. Bhaskar				Bhavnagar
	H.C. Malik				Amritsar
26.	H.R. Joshi				Bombay
27.	S.C. Huria		•	-	Begumpet
					

V. V. JOHRI Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 20th August 1980

No. 12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint Sh. M. N. Kutty, Warrant Officer from Indian Air Force, as Aircraft Inspector at Hyderabad Airport, Hyderabad with effect from 7-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

No. A.32014/2/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. D. Jain as Administration Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forencon of the 22nd July, 1980 and until further orders in the office of the Regonal Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.

The 21st August 1980

No. A.38015/3/80-ES.-Shri A. S. Malhotra, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNCATIONS SERVICE

Bombay, the 20th August 1980

No. 1/338/80-EST.—Shri A. K. Bose, Offg. Administrative Officer, New Delhi, retired from service, with effect from the afternoon of the 29th February, 1980, on attaining the age of superannuation.

No. 1/357/80-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Varadan, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office, for the period from 21-4-1980 to 31-5-1980, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 18th August 1980

No. 16/355/80-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Rumaswamy Periaswamy as Research Officer at the Forest Research Centre, Coimbatore with effect from the afternoon of 7th April, 1980. until further orders.

R. N. MOHANTY

Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidhyalaya.

COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE Cochin, the 28th April 1980

No. 1/80—In exercise of the powers vested in me under Rule 232A of the Central Exciso Rules 1944, I, C. Bhujangaswamy, Collector of Customs and Central Excise, Cochin publish the names addresses and other particulars of the perso as who have been found to have contravened the provisions of the Central Excise Rules 1944 and on whom a pena penalty of Rs. 10,000- (Rupees Ten thousand) or more has been imposed.

of the persons

- (1) Names/addresses 1. Shri N. Neelakantan Nair, (Retd Managing Director), 86/111 Santhi Lane, Thottakkattukaran, Alwaye, Kerala.
 - 2. Late Shrl P. K. Nair (Gen Manager, 5/537-A Sajit Bihar, Eranhipalam P.O., Calicut-6, Kerala.
 - 3. Shri P. T. Dovassy, Chief Conservatory (Director) Quarters, Trivandrum, Keraja.
 - 4. Shri K.V. Thomas (Director) 163 Road. Triyan-Udarasiromani drum, Kerala.
 - 5. Shri K. N. Monon (Director) Alind AI Quarters, Colony. Kundara, Kerala.
 - 6. Shri V. Sukumaran Nair (Director) Sreekrishna Vilasam,

Trivandrum, Sasthamangalam, Kerala.

- 7. Shri N. K. R. Panicker (Director) Gopl Mandir, Parackal, Vanchiyoor, Trivandrum, Kerala,
- 8. Shri Padmalochanan, (Director) Sea View, Thankasserry, Quilon, Kerala.
- 9. Shri P. O. Spenser, (Director) Karavaloor Post, Puthenveedu, Punaloor, Kerala.

10. Shri Chitharanjan, (Director)
Pulivilayil Veedu, Mundakkal
East, Quilon, Korala.

11. Shri S. Peer Muhammed (Director) Ruksvila, Sasthamangalam, Trivandrum, Kerala.

(2) Name of the firm:

Travancore Plywood Industries Ltd. Punalur, Kerala.

(3) Provisions of Act or Rules contravened:

Rules 9 (1), 52A, 53, 173B, 173C, F & G, 174 and 226 of Central Excise Rules, 1944.

(4) The amount of penalty imposed: Rs. 1,00,000/(Rupees one lakh only)

(5) The value of exclaable goods or other property ordered to be forfelted by a court under Sec. 10 of the Act or adjusted by the officer referred to in Sec. 33 to be confiscated.

Ex. duty value of goods involved Rs. 10,01,844 81 Demanded duty on the value at the approximate rate.

(6) Amount of fine in lieu of confiscation

: Nil

(7) Particulars of any licence revoked under Rule 181

Nil

C. BHUJANGASWAMY

Collector of Customs Central Excise Cochin (Issued from File C. No. IV/16/314/78 Ex. Adj.).

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: P. B. No. 81: NAGPUR

Nagpur, the 19th August 1980

No. 6/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri S. B. Kane, Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of the Office of the Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of the 10th July, 1980.

K. SANKARARAMAN Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 25th August 1980

No. 3(DA)/5/79-Adm.VI.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, G. S. Jakhade, Secretary. Central Water Commission hereby give notice to Shri Sushil Jairath, Design Assistant that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice in the Gazette of India.

G. S. JAKHADE Secretary Central Water Commission.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Patna-800001, the 19th August 1980 In the matter of Companies Act, 1956 and of Messrs TOKI TILES AND INDUSTRIES PRIVATE LIMITED.

No. (886)-560/3496.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereoff the name of M/s TOKI TILES AND NDUSTRIES PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will

be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE Registrar of Companies, Bihar.

Bombay, the 1st April 1980

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bombay Kunny Dealers Laminators Private Limited.

No. 17985/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereoff the name of the M/s. Bombay Kunny Dealers Laminators Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX.

Lucknow, the 16th August 1980 INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 92.—Shri Ashok Kumar Jauharl, Inspector of Incometax, Office of the Incometax Officer, Basti has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Incometax Officer, C-Ward Salary Circle Lucknow on 30-6-80 in the forenoon.

No. 93.—Shri Shyam Nath Kapoor, Income-tax Inspector, IAC Office Range I, Varanasi has been promoted to officate as income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, F-Ward, Varanasi on 1-7-80 in the forenoon.

No. 94.—Shri Madan Lal Sarin, Income-tax Inspector, IAC office Range II Varanasi has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, G-Ward, Varanasi on 1-7-80 in the forenoon.

DHARNI DHAR
Commissioner of Incometax
Lucknow.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400 020, the 19th August 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Trbunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for the reriod from 21-7-1980 to 16-8-1980 vide Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dated 25th July, 1980 is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar. Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of one month with effect from 17-8-1980 to 16-9-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

2. The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the servce rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President.

FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Om Prakash S/o Late L. Site Ram, 53/2 Punjabi Bagh New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Uma Verma W/o Hari Parkash, R/o 53/2, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range-II, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, Now Dlhi-110002

New Delhi, the 28th August, 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6054—Whereas I, MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. H. No. 5638 on Plot No. 40 (1/3 Shere) situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share out of house built on plot No. 40 bearing M. No. 5638 (Eastern one half portion) measuring 111.1 sq. yds. situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi bounded as under;
North: 40' wide road
South: 15' wide road
East: Plot No. 16

: Plot No. 16 East

West : Western half portion of plot No. 40

> MISS R. K. CHAHAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Dolhi/New Delhi

Date 28-8-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-5 situated at Fatchtiba, Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
17—236GI/80

(1) Shri S rdar Daljeet Singh S/o Sarder Dershan Singh, 23-B, Sothi Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Jejoo, S/o Shri Pheel Kishan, K-5, Fatch Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K-5, Fetch Tiba, Adarsh Negar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 3136 dated 28-12-79.

M. L. CHAUHANT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipu

Date: 22-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref. No.: Rej/IAC(Acq.)/--Whereas, I, M. I. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. - situated at Churu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Churu on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kishni Devi, widow of late Ram Srerup Brahmin, Through: Chiman Lal, S/o Meliram Brahmin, Churu.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Amin & Salauddin, sons of Hazi Bhure Khan, Churu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land situated in Ward No. 22 near Scti Mandir, Churu massuring 1310 dur gaj and more fully described in the sale deed registered by S.R., Churu vide No. 878 dated 27-12-1979.

M. L. CHAU HAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Kishni Devi, widow of Late Ram Swarup Brahmin, Through: Chiman lal, S/o Maliram Brahmin, Churu.

(2) Shri Barkat Ali, S/o Hazi Bhure Khan Khstir, Churu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

JAIPUR

Jajour Dated, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Wherers, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Churu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Churu on 27-12-1979.

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Ward No. 22 near Seti Mandir, Churu measuring 1056 dur ge jand more fully described in the sele deed registered by S.R. Churu vide No. 877 dated 27-12-79

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jajpur

Date: 22-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref. No. Roj/IAC((Acq.)/—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. - situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Brawar on 19-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander, S/o Sukhdevo Ahir, R/o Chawani Road, Champa Nagar, Beowar.

(Transferor)

 (2) Shri (1) Gancsh Prashad S/o Asaram Kumawat, Fatehpuria Bazar, Beawar.
 2. Tejraj, S/o Ramchander Srisrimal, Mewari Bazar, Beawar.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculturalland situated on Delwera Read, Beawer meesuring 3 bigha 5 biswa & 10 biswensland more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar vide No. 2664 dated 19-12-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Boawar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Boawar on 31-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Chander, S/o Sukhdeo Ahir R/o Chawani Reed, Champo N gar, Beaw r. (Transferor)
- (2) I. Shri Ganesh Pd. S/o Asaram Kumawat, Fatehpuria Bazar, Beawar.
 - 2. Tehrej, S/o Ramchander Stisrimal, Mewari Bazar, Bouwar. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated on Delwaje, Reed, Beswij measuring 3 bigha 6 biswa and more fully described in the sole deed registered by S.R. Beawar vide No. 2956 dated 31-12-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income)-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Prakesh Kumer Gandhi, S/o Deulet Singh, Maldas Street, Udaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Prabhulel Agerwal, S/o Trilok Chand Agarwal, C-441, Defence Colony, New Delhi

(Transfree)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, near Sukhadia Circle, Udaipur measuring 11410 sq. ft. and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 3045 dated 24-12-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-80

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Where s I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. - situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:—

 S'iri D'ulutrej, Pedemrej & Vimelrej S/o Kewal Raj Singh, R/o Moti Chewk, Jedhpur.

(Transferors)

(2) Shrimati Usha Kiran, w/o Sh. Kishere Chand Abani, R/o Ghoron-Ka Chowk, Jodhpur.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Nana Bhawan, High Court Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jedhpur vide No. 363A dated 25-2-80.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, J. jpur

Date: 22-8-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daulatraj, Padamraj & Vimalraj, sons of Kewal Rej Singh, R/o Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferor)
(2) Shri Kishore Chand Abani, S/o Sumer Chand Abani
R/o Ghoron Ka Chowk, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Nana Bhawan, High Court Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide No. 364A dated 27-2-80.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-4 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—236GI/80

(1) Shrimati Sudha Bai, W/o Shri Surya Kant, K-4, C-Scheme, Jaipur.

(Transfer or)

(2) M/s. Readicut (P) Ltd., Hawa Sarak, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. K-4, Ashok Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide reg. No. 3034 dated 28-12-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Rof. No. Rej/IAC (Acq.)—Wheress I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-15 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the rforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Dhanrupmal Hirawat, S/o Shri Padamchand Hirawat, Partaniyan Ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Devi, W/o Prakash Chand Hirawat, Partaniyan Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-15, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the Sile deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 3033 dated 28-12-1979.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. KHR/39/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 623, Phase III-BI situated at Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Amar Singh R/o H. No. 623, Phase III-B-I S.A.A. Nagar (Mohali) Teh, Kharar.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Loomba w/o Sh. Ram Parkash Loomba R/o 623, Phase III, B-I, Mohali (Kharar) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Regidential H. No. 623, Phase III-B-I, situated in S.A.S. Nagar (Mohali) Teh. Kharar.

(The property a mentioned in the Reg. Deed No. 3743 of 12/79 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/508/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Portion H. No. 126-L, Model Town, situsted at Ludhisna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gurdish Kaur, Gurmit Kaur ds/o Sh. Sajjan Singh Gurmukh Singh s/o Sh. Sajjan Singh R/o 361/1 Reja Perk, Jaipur.

(Transferor)

(2) Devinder Kaur w/o Sh. Rajinder Singh, R/o Gurdwara Singh Sabha, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Porition of H. No. 126-L, Model Town Ludhiana. (The property as Mentioned in Registered Deed No. 4210 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date 22nd August 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/507/79-80—Wherees I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of H. No. 126-L, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ranjit Kaur wd/o Sh. Sajjan Singh, Jagdish Singh, Ripduman Singh ss/o Sh. Sajjan Singh r/o 361/1, Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh s/o Sh. Bodh Raj, R/o Gurdawara Singh Sabha, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 126-L, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4209, of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana (Ludhiana)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/518/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 1080 Sq. Yds. Govt. Coilege (Girls) Road, situated at Civil Lines, Ludhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ludhiana in December, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sajjan Singh s/o Chanda Singh R/o B-XIX/92, Govt. College For Women Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Jain, Mr. Ripan Jain and Mr. Rajan Jain all R/o B-VI-133, Madhopuri-2, Ludhiana.

(Trnasferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot masuring 1080 Sq. Yds. situated Goyt, Girls College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4355 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

Scal:

(1) Shri Tanuj K. Sehgal, No. 60, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amandeep Singh Lehal, 61, Sector 7A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/346/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lind massuring 14 Kanals 13 Marlas situated at Mani Maira U. T. Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticu in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 14 Kanals 13 Marles at Mani Majra U. T. Chandigarh

(The Property as mentioned in the sale deed No. 1901 of December, 79 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 22nd August 1980

Soul:

(1) Shri Pankaj K. Schgal, 60, Sector 5A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajaipal Singh, House No. 61, Sector 7A, Chandigarh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/349/79-80—Wherers I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 8 Kanals 2 marlas situated at Mani Majra U. T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the enided immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 8 Kanals 2 marlas at Mani Majra U.T. Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1904 of December, 79 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 1-8-1980

(1) Shri Tanuj K. Sehg 1, 60, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Hardyal Singh (HUF) 61, Sector 7A, Chandigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONEK OE INCOWE LVX' ANAIHDUJ, JONAR NOITISIUDDA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Rcf. No. CHD/350/79-80—Whereas I, SUKHDFV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. 1.n.1 measuring 15 Kanals 15 marias situated at Mani Majra U. T. Chandigorh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 15 Kanals 15 marlas at Mani Majra U.T. Chandigarh
(The property as mentioned in the sale deed No. 1905 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhians

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-236GI/80

Date: 22-8-1980

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHJANA

Ludhi, na, the 22nd At gust 1980

Ref. No. CHD/392/79-80—Wholes SI, SUCKHDEF CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House No. 3382 situated at Sector 35D, Chandigath. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigath in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kulbhushan Puri S/o Sh. Raghubir Nath Puri, r/o 7/60, South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Tej Bhan s/o Sh. Visakhi Ramand
2. Smt. Santosh Kumari w/o Sh. Tej Bhan,
r/o House No. 3380, Sec. 19D. Chandigarh presently
at House No. 3382, Sector 35D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

House No. 3382, Sector 35D, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 2066 of Dec., 79 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhicna, the 22th August 1980

Ref. No. LDH/529/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 910 sq. Yds. situs tedet (Gill No. 2) Mchalia Kot Mangal Singh, Janta Nagar, Ludhi: na.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(1) Smt. Avtar Keur w/o Shri Jagjit Singh r/o Gali No. 9, Janta Nagar, Ludhiana through General Power of Attorney Shri Santokh Singh Gill s/o Sh. Pritam Singh, r/o Gali No. 9, Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Neelam Industrial Corporation, 630/8-C, Gali No. 4, Bhagwan Chowk, Janta Nagar, Ludhiana through its partners S/Shri Ashwani Kumar s/o Sh. Tirath Chand and Raj Kumar s/o Sh. Tirath Chand and Smt. Satya Rani w/o Shri Tirath Chand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 910 sq. yds. 4t Gill No. 2 (Mohalla Kot Mangal Singh, Guli No. 7, Janta Nagar, Ldh).

(The property as mentioned in the sale deed No. 4547 of December, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDAV CHAND
Competent Authority,
Acquisition Range, Ludhiana.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Date: 22-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANNGE- LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref No LDH/174/79 80—Where ? I, SUKHDFV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Land measuring 2/2/19 Bighes etu ted at Villege Ded, Teh Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bahadur Singh s/o Sh Jagir Singh, r/o V Dad, Tehsil Ludhiana

(Transferce)

(2) Shri J ngi L l O.w l s/o Shri Vidya S.gur r/o Ghumar Mandi Ludhian i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lin 1 masuring 2/2/19 bighas at Village Dad, Teh Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 5676 of December, 79 of the Registering Authority, 1 udhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 22-8-1980

Scal

(1) Shri Amar Singh s/o Shri Chanan r/o V. Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar r/o Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISIION RANGE, LUDHIANA

Ludhiano, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/175/79-80—Whereus I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imn ovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 1-17-3 bighas situated at Village Dad, Tehsil Ludhian.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-17-3 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5705 of December, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date - 22-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

|R:f. No. LDH/R/181/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2-2-18 bighas situated at V. Dad, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December 79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bahadur Singh s/o
 Shri Jagir Singh: r/o
 Dad, Teh, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

|Land measuring 2-2-18 bighas at V. Dad, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5781 cf |December 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-81980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amar Singh S/o Shri Chanan Singh, r/o Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o Shri Vidya Sagar Oswal, Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE', LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/211/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2-16-9 bighas situated at V. Dad, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-16-9 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6349 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDAV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

Seal ;

(1) Shri Amar Singh S/o Shri Chanan Singh, r/o Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o Shri Vidya Sagar Oswal R/o Ghumar Mandi, Ludhjana,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/205/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2-16-9 bighas situated at Village Dad, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-16-9 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhjana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6471 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 22nd August 1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/521/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/2 Share in shop No. B-7-581, situated at Kesar Ganj Road, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—236 GI/80

 Sh. Ram Singh S/o Sh. Wadhawa Singh r/o Kailpur Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Kasturi Lal s/o Sh. Gopi Ram r/o B-10-226, Iqbal Gani, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Sh. Tilak Raj s/o Puna Lal Sh. Jinender Kumar s/o Puna Lal Sh. Avtar Singh Jawanda r/o B-VII-581, Kesar Ganj, Ludhiana

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No-B-7-581, measuring 38 1/2 sq. yds. situated Mandi Kesar Ganj Road, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.

' (The property as mentioned in the Registeredd Deed No. 4426 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

Sea :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Ludhlana

Ludhiana, the 22nd August 1980

I ef. No. LDH/502/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, beir; the Competent Authority under Section 269B of the Inc me-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable projecty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/2 Share in Shop No. B-7-581, situated at Kesar Ganj Ro d, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana

(an I more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19(8)) in the office of the Registering Officer at Lu Ihiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to bell we that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trunty stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaslon of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh, Ram Singh s/o Sh, Wadhawa Singh r/o Kialpur Teh, Ludhiana

(2) Kaur Sain s/o Gopi Ram r/o B-10-226, Iqbal Ganj, Ludhiana

(Transferor)

(3) 1. Sh. Tilak Raj S/o Puna Lal 2. Sh. Jinender Kumar S/o Puna Lal 3. Sh. Avtar Singh Jawanda r/o B-VII/581, Kesar Ganj, Road, Ludhiana

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/27 Share of Shop No. B-7-581, measuring 38 1/2 sq. yds. situated Mandi Kesar Ganj Road near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4174 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDAV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/379/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1514, sector 33-D. garh

situated at Chandi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Shanti Swarup s/o Sh. Haqiqat Rai, 20 Rafi Ahmed Kidwai Marg, Dilkusha Lucknow. (Transferor)
- (2) Sh. Dharam Singh Mann s/o Sh. Partap Singh Mann & Smt. Amar Kaur w/o Sh. Dharam Singh Mann r/o Vill. Dowatwal Distt. Ludhiana.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as au defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1514 situated in Sector 33-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registerd deed No. 2014 of 12/79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authorit;
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22nd August 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1980

Ref No. ASR/80-81/92.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot at Daya and Nagar situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding. For the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal s/o Lala Harnam Dass 1/o 24 Lawrance Road, Amritsar.
 - (Transfer)
- (2) Shmt. Surjit Kaur w/o Sh, Amar Singh r/o H. No. 2301/13 Gali Hatam Tai Gate Hakiman Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property.

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 47/2, 101 (min situated in Gali No. 3 Daya Nand Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2574 dated 12-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1980

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/93—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS. sing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-id bearing

lot of land at Mall ASR, situated at ASR.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at 3R. Amritsar on December 1979

or an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as afore-uid exceeds the apparent consideration therefor by more can fifteen per cent of such apparent consideration and that is consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresald property by the issue of this notice under sub-cetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Banwari Lal s/o Muni Lal r/o Garden view, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Senh Lata Agnihotri w/o Vishnu Datt r/o 41 Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)

(Transièree)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any)
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned Knows to be interested in tae Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. 8 measuring 370 S.Q mtrs. situated on Mall Road, Amritsar as mentioned the sale deed No. 2506/1 dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8th August 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/94—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land situated at Mall Read, ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Ashwani Kumar s/o Muni Lal r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Such Lata Agnihetiri w/o Vishnu Datt, r/o 41, Lawrance Road, Amritser.

(Transferee)

(3) As at sr. No. A overleaf and teants(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 9, measuring 370 sq. mtres situated on Mall Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2507/I dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranie, Amritsar

Date: 8th August 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/95—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Mall Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar, on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shmt. Usha Devi w/o Banwari Lal r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sheh Lata Agnihotri w/o Vistru. Dett, r/o 41, Lawrance Road, Amritser.

(Transferce)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenent(s) if try

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person who m the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of Land No. 7 measuring 120 sq. mtrs. situated on Mall Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2508/I dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Amr itset

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Litsar, the h August 1980

Ref. o. ASR/8 0-81/96—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot situated at Mall Road Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Banwari Lal & Ashwani Kumar S/o Muni Lal and Shmt. Abhlash r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sneh Lata Agnihotri w/o
Vishnu Datt, r/o 41, Lawrance Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) Asatsr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the
property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Plot of land Khasra No. 1310/2/2 185 sq. mtrs situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1086/I dated 9-7-80 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/97-Whereas J, M.L.MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

Plot of land situated at Mall Road, Amritser (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

21-2236GJ/80

(1) Shri Mahesh Chand Kowal Kishere and Ashak Kumaj ss/o Muni Lal r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sneh Lata Agnihotri w/o Vishnu Patt, r/o 41, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr.No 2 overleaf and tenants if any-

(Person in occupation of the

property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 185 sq. mtrs, situated on Mall Ros Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1111/I dat 11-7- 80 of the registering Authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN IRS. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/98—Whereas I, M.L.MAJAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill, Galweh T.T. Rend ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Sardara Singh Bhinder Advocate, s/o Lashman Singh Court Road, Amrita r. (Transferer)
- (2) Shmt. Amarjit Rajpal s/o Sh. Aytar Singh, r/o M-3, Green Ayenue, Amritsar.

(Transferee)

Objections, 1, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the a rvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 5 measuring 2380 sq. yds. of situated in village Behrali, Ten Taron Road, Amritser, as mentioned in the sale deed No. 9327 doted 17-12-1979 of the registering. Authority Amritser,

M.L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Annitsar.

Data : 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/99—Whereas I, M.J., MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Plot of land situated: t Bilw: li, T.T. Read, Amrits: r (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Sardara Singh Bhinder s/o Lashman Singh Court Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri S. Amariqbal Singh s/e S. Avtar Singh Cf 7-3 Green Avenue, Amritsar. (Transferce)
- (3) Asatsr. No. 2 overler fund tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 6 measuring 2386 sq. yds. situated in Village Galwali, Tran Taran Road, Amritsan, as mentioned in the sale deed No. 5105 dated 6-12-79 of the registering authorit Amritsan.

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/30-81/100—Whereas I, M.I. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property in Ketre Gheria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any lucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shmt Bimla, Shmt. Sudershan Gupta, Shmt. Santosh Agg tw 1, Shmt. Neene Agg, twalds/o Midan Lal & Shmt. Ram Piari wd/o Medan Lal & Sh, Sim Das s/o Madan Lal through Sudig: r Mal Muhtar dam Bazar Tahli Sahib & Shmt. Kimloch d/o Madan Lal r/o Ktr. Sher Singh, ASR.

 (Transferer)
- (2) M/s. Annisar Seed Store, Katra, Ghania, Amiliar. (Transferce)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tanants (s) if any sh. Kohli (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objection. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop consisting of 2 1/2 storeyed No. 617 (size 70 sc mtrs.) situated in Katra Ghania, Amilisa is mentered in the sale deed No. 2714/26-12-79 of the registering authority. Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta:
Acquisition Runge, Amritsa

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/101--Whereas I, M.I. MAHAJAN JRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. vacant plot situsted at Kot Manna Singh Tern Teran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Harnam Singh s/o Wadhawa Singh and Amrh. Singh Mohiner Singh Surinder Singh, Rajinder Sing & Darshan Singh ss/o Harnam Singh r/o Dilbagh Nager, Amtitser. Ket Marne Singh. (Transferor)
- (2) Shmt, Surinder Kaur w/o Jit Singh & S. Gurcharan Singh s/o Jit Singh and Shmt, Amerjit Kaur w/o Gurcharan Singh r/o Bazar Chowk Charusti Atteri, Gali Ardasia, Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, or the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 4 marles khasra No. 1526 sin cucl at Sultanwind Urban o/s Chatiwind Gate, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2680/dated 19-12-80.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-8-1980

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. Acquisition Range, Amritser

Amritser, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/102-Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. One property situated at Gate Mi ha Singh Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Balwant Singh Bindra S/o Sh. Heri Sirkh r/o Maha Singh Gate, Amilsor,

(2) Shri Kailash Wati w/o Sh. Sham Lal, Sh. Nirmel w/o Krishan Kumar, Santosh Seni w/o Sh. Vired Kumar r/o 67 Daya Nand Nagar, Amtitser.

(Transferce)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any (Person in occupation of the

property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 1890/2 in Muhan Singh Gate, Amritsor as mentioned in the sale deed No. 2689/I dated 24-12-79, of the registering authority, Amritser.

> M. L. MAHAJAN IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar 3. Chunder Prem Tailor Road, Amritsar

Date: 11-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/103—Wheree's I, M.I., MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one Property situated at Court Road, Aritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rajinder Kumar, Ramesh Kumar ss/o Brij Lal, Sh. Joginder Kumar s/o Brij Lal, Shmt. Kailashwati w/o Brij Lal r/o 14, Race Course Road, Indore (MP)
 - (Transferor)
 Uma Mehra d/o Sh. Madan Mohan
- (2) Smt. Uma Mehra d/o Sh. Madan Mohan w/o Sh. Tilak Rej Mehra, r/o House No. 57/I Court Road, Amriteer.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 57/1, situated at Court Road, ASR, as mentioned in the sale deed No. 2555 of 1-12-79 of registering authority, Amritsat.

M. I. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, Acquisition Range, Amritsar

Amritsar the 11th, August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/104—Whereus I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property situated at Ran. Bagh, ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amrik Singh s/o Sh. I c bh Singh r/o Ram Bagh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Jaswinder Kaur w/o Sh. Pelwinder Singhr/o Bazar Lakkar Mandi, Kucha Kemeen, Amritsar.

(Transferec)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants it any
(Person in occupation of the
property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 1076/I (area 58 sq. mtrs) situated in Bazar Ram Bagh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No 250/I dated 4-12-79 of the registering authority, Amritsar,

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)

Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 11th August, 1980

Ref. No. ASR/80 81/102—Wheres I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 1/7 Godown situated at Ktr. Mahna Singh Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—236 GI/80

(1) M/s. Mehar Singh Jaswant Singh r/o Kanak Mandi, Amritsar. through Jaswant Singh s/o Mehar Singh & Charan Singh, Chan Singh s/o S. Sohan Singh partners.

(Transferor)

(2) Maninder Singh s/o Sohan Singh r/o Gali Masit Wali Chowk Mana Singh House No. 1957/14 Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a godown, area 85 sq. mtrs. situated in Kot Mahna Singh area Sultanwind Urban Plot No. 56 Khesra No. 21) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2500/I dated 4-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/106— Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Λ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/2 share in godown situated at Kot Mahna Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mehar Singh Jaswant Singh r/o Kanak Mandi, Amritsar through Jaswant Singh s/o Mhear Singh Chan Singh, Chatar Singh ss/o Sohan Singh r/o Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri S. Mohinder Pal Singh s/o Sohan Singh, Gali Masit Wali House No. 1957 Chowk Mhna Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Persons in occupation of the property)

(4) Any other

(persons whom the undersigned knows ** to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a godown on Plot No. 56 Khasra No. 51 situated at Kot Mhna Singh, Sultan wind Road, Urban (area 85 sq mtrs.) as mentioned in sale deed No. 2567/I dated 12-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/107—Whereas I, M.L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Ktr. Dal Singh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shmt. Harnam Kaur wd/o S. Gopal Singh r/o Katra Dal Singh H. No. 1615/9 MCA 1670/1668/6 Amritsar

(Transferor)

- (2) Sh. Gulzar Singh & Kulwant Singh ss/o Dilbagh Singh H. No. 1615/9 MCAL 1670-1668/6 r/o Bazar Jattan walachowk Chabutra wala, Amritsar (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants Sh. Gurnam Singh (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersignee knows to be interested in the) property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consists of 2 storeyed structure sisuated in Chowk Chhati Khuhi, Katra Dal Singh, as mentioned in the sale deed No. 2683/dated 22-12-79 of the registering authorty, Amritaar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/108—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building old situated at Lakksm Maidi, i/s Sultanwind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Rajinder Lal s/o Sh. Bihari Lal Meheshwari Ktr. Sher Singh, Subhash Nagar, Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Kahan Chand & Hans Raj s/o Sh. Parshotam Dass, c/o Bhagat Kosh Dass Katra Aluwalia, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 1659-60 situated inside Sultanwind Gate, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2513 of 5-12-79 of the Registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/109—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot situated at Başant Avenue, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chairman, Improvement Trust, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Dr. Rajinder Singh Sethi S/o Sh. Ram Singh r/o C-4, Circular Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. above and tenants if any
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 125 measuring 485 sq. yds. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2679/I dated 21-12-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, American

Date: 14-8-1980

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/110—Whereas I, M.L.MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one shop situated at Cooper Road, ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Subhash Vohra s/o Dhanpat Rai c/o M/s. Dhanpat Rai & Sons, Mall bazar, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shmt. Chanchal Kumari w/o Sh. Jangi Ram, Fruit Seller, near Bhandari Bridge, Cooper Road, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the under singed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop bearing no. 195/13-2 situated on cooper Road, Amritsar (Bhandari Bridge) as mentioned in the sale deed No. 2723 det 26-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority,
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref No ASR/80-81/111.---Whereas, I M L MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No One shop at Cooper Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

SR Amritsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shri Dhanpat Rai s/o Mayia Dass, c/o M/s Dhanpat Rai & Sons, Hall Bazar, Amritsar

(Transferor)

- (2) Shmt Chanchal Kumarı w/o Jangı Ram, Fruit Seller, near Bhandari Bridge, Cooper Road, Amritsar.

 (Transferce)
- (3) As at Sr No 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop bearing No 195/13/2 situated on Cooper road, Bhandan Bridge, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2775 dt 28-12-79 of the registering authority Amritsar.

M L MAHAJAN, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 14-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME_TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/112.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inhibitiable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop at Cooper Road, Amritsar situated at Amritsar (alid thore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kulit Kumar s/o Dhanpat Rai, c/o M/s. Dhanpat Rai & Sons, Hall Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Chanchal Kumari w/o Shri Jangi Ram, Fruit Sellor, Bhandari Bridge, Cooper Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at s.r.No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop bearing No. 195/13-2 situated on cooper road, Amritsar Bhandari Bridge, as mentioned in the sale deed No. 2936 dt. 15-1-80 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Dato: 14-8-80

(1) Shri Parbodh Chander s/o Sat Dev s/o Khushal Chand r/o Gurdaspur now 18 Janpath, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Saroj Kumari d/o Ramjidass s/o Jagan Nath, r/o Mandi, Gurdaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

GOVERNMENT OF INDIA

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Amritsar, the 20th August 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. One Kothi at Ram Nagar, Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Gurdaspur on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi (area 3K 1 M ×3S) situated at Ram Nagar Villago, Teh. Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 705 dated 6-5-80 of the registering Authorty, Gurdaspur.

> M. L. MAHAJAN, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-23-236GI/80

Date: 20-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/114.—Whereas, I M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One Kothi at Ram Nagar, Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December, 1969

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Parbodh Chander s/o Sat Dev s/o Khushal Chand, r/o Gurdaspur now 18, Jan Path, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Dass s/o Jagan Nath s/o Diwan Chand, r/o Mandi, Gurdaspur,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi (measuring 3 K 1 M 3.S) situated in Rsm Nagar Village, Teh. Gurdaspur as mntioned in the sale deed No. 203 dated 26-12-1979 of the registering authority, Gurdaspur.

> M. L. MAHAJAN, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritear

Date: 20-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/115---Whereas, I., M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One Kothi at Ram Nagar, Teh. Gurdaspur situated at Gurdaspur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 Shri Parkash Chander s/o Sat Dev r/o Gurdaspur now 18 Janpath, New Delhi.

(Transferor)

 Shrimati Satya Devi w/o Ramjidass, r/o Mandi, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows of be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Share of One Kothi (area 3 kanals 1 marla 3 sarsahian) situated in Vill. Ram Nagar, Teh. Turdaspur as mentioned in the sale deed No. 299 dated 28-12-1979 of the registering authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 20-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of factory shed on Plot No. 7 situated at Chamrang Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tilak Raj s/o Shri Dhani Ram r/o Dhab Khatlian Ktr. Bhai Sant Singh, Amritsar.
- (2) Shri Mohinder Singh s/o Isher Singh & Shri Jagmohan Singh s/o Mohinder Singh r/o Ramsar Road, colony Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share in factory shed on plot No. 7 situated on Chamrang Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2577 dated 12-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 20-8-1980

Seal 🛙

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on dated 17-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Surjit Kaur d/o Shri Gurbachan Singh r/o Kot Bhagat Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Balwant Kaur w/o Arganjan Singh House No. 4260 Kot Bhagat Singh, American.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 4260 (area 56 4 sq. mtrs.) situated in Kot Bhagat Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2638/I dated 17-12-79 of the Registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 20-8-1980

Seal 1

FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/118.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 1/2 Share in shed at Chamrang Road, Amritsar situsted at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tilak Raj s/o Dhani Ram Katra Bhai Sant Singh, Beri Gate, Amritsar.
- (2) Shri Khajinder Singh s/o S. Mohinder Singh & Smt. Surjit Kaur w/o Shri Mohinder Singh, r/o Colony Baba Deep Singh, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in factory shed plot No. 7 khasra No. 289 sittated on Chamrang Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 388 dated 5-5-80 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS. |
Competent Authority |
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritaar.

Date: 20-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquision Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. T. R. No. Acquisition/913/Etah/79-80.—Whereas, I B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pasties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sarimati Hem Luta Pathak w/o Jagdish Kishore Pathak, Advocate, r/o Umrei Nagar, Etah Parg. Etah Sakit, Teh. & Distt. Etah.

(Transferor)

(2) Shrimati Ram Kumari Gupta w/o Shri Dinesh Prakash r/o Malawan, Parg. Sanhar, Tch. & Distt. Etah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House (Pucca) roperty of Single Storey bearing No. 700-F, Block No. 4 and Ward No. 1 measuring 272.80 Sq. Mts. situated at Umrai Nagar, Etah.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-8-1980

10096

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sita Ram Saini s/o Shri Pooran Chandra r/o Nagla Putti, Agra,

(Transferor)

(2) Shrimati Bhoori Devi S/o Shri Surendra Pal Singh, r/o Nagla Putti, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. TR 921/Acq/Agra/79-80.-Wherevs, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 37/531/1, situated at Mauja Nagla Putti, Parg. & District Agre.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Krifir.

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 5th August 1980

Ref. No. TR 911/Acq./Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 18-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: — 24—236GI/80

(1) Shri Mahesh Chandra Agarwal, S/o Shri Dau Dayalji Agarwal, Smt. Shakuntala w/o Shri Ramesh Chandra Agarwal r/o Manik Chowk Mathura. Malik and Bhagidar (Partner) of Registered Linn "Dayal Bhairava Corporation, Chhatta Bazar, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Kumar, Ramesh Chandra, Moti Chandra and Dinesh and Vimal Kumar s/o Shri Girraj Prasad r/o Manohar Lal Gani, Mandi Ram Dass, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 817 '70 SQ. Mts., situated at Reri Ki Mandi, Mathura which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometical Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE (ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 5th August, 1980

Ref. No. TR 875/Acq./Aligarh/79-80.-Whereas J. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Iglas on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concrelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Mool Chand s/o Harcheren Lel, Roghunandan Pd., Jogdish Pd., Nirenjen Lel, Rom Gopal, Belkrishne, Ramavtar and Heri Babu oll sons of Mool Chand r/o Dhukoli, Mojara; Gandhi Gram, Parg. Hassengarh, Teh. Iglas, District Allgarh.

 (Transferor)
- (2) Shri Diwan Singh, Ran Singh and Jagbir ss/o Shri Ram Singh and Shrimati Ramshri Devi w/o Ram Singh, r/o Palahawat, Toh. Sadabad, Post. aNasirpur, Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 779 measuring 35(11)3, situated at Mauja Mankraul, Parg. Hassangarh, Teh. Iglas, District Aligarh.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5-8-1988

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th August, 1980

Ref. No. TR No. 870/Acq./Agra/79-80,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No, as per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

at Agra on 26-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Shri Ratan Prakash Mathur, S/o Shri Parma Nand, r/o 167, Tagore Town, Allahabad.
- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Rajnarain, r/o Shahganj, Agra.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot bearing No. 6-C, measuring 533-3 S1. Yds., situated at Madhiyambarg Co-Operative Housing Society Ltd., Agra.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

|Date : 4-8-1980 | Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. 822/Acq./Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Ganga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumar s/o Sr Ched Lal r/o Shahganj, Darwaja, Mathura Present Address of Punch Sheel Enclave, 118/119, New Delh. (Transferor)
- (2) Smt. Premwat w/o Shr Ram Babu r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE

A double and triple storeyed House Property bearing Weter Rate No. 1345/5, sinated at Shahganj, Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. TR No. 820/Acq./Mathura/79-80.—Whereas, 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mathura on 17th December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Gaga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumara s/o Chedi Lal r/o Shahganj Darwaja, Mathura Present Address of Punch Sheel Enclave, 118/119, New Delh.

(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal s/o Shri Ram Babu, r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property (double and Triple story) bearing Water Rate No. 1345/5, situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Commissioner of Incom-tax, Acquisition Range Kanpur.

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. TR No. 821/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumar, s/o Shri Chhedi Lal r/o Shahganj Darweja, Methura Present Address of Punchsheel Enclave, 118/119, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kalyan Dass Agarwal s/o Shri Ram Babu, r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double and Triple Storeyed House Property bearing Water Rate No. 1345/5, situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> Acquisition Range, Kanpur Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. 819/Acq./Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Ganga Sahei, Om Prekash and Ashok Kumar s/o Shri Chhedi Lal, r/o Shahganj Darwaja, Mathura and Present Address of Punch Sheel Enclave, 118/119, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Chandra Agarwal s/o Shr Ram Babu, r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property in double and triple Storeyed bearing Water Rate No. 1345/5, measuring 302 ·50 sq. Mtrs., situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-10 x, Acquisition Range. Kanpur.

Date : 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kenpur

Kanpur, the 4th August, 1980

Ref. No. 2092-A/Shaharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Kumar s/o Shri Mam Chandra r/o Vill.; Kota, Post: Khas, Parg: Harida, Teh. & District Subaranpur. (Transferor)

(2) Shri Telu Gir S/o Shri Baljit Gir r/o Vill. : Madki, Post : Kota, Parg. : Harada, Teh & Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land Bearing Khasara No. 163, measuring 9 Bigha, 2 Biswa and 18 Biswansi situated at Vill. Madki, Parg. Herada, Teh. & Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 22,800/

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1530-A/Meorut/79-80,—Whereas I, B. C CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-236 GII7

 Shri Ramji Dass s/o Shri Mohanlal Arora r/o Moh, Bhatwara Hall, Delhi Road, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gandhi s/o Shri Sant Lal Gandhi r/o Punjabi Pura, Shahar, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property in single storey without Number measuring 119 Sq. Yds., situated at Mohalla Punjabipura, Delhi Road, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

aDte: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1564-A/Mecrut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinaster referred to as the 'said Act'), have renson to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a_3 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely:—

 Shrimati Vimla Devi w/o Khushdil r/o 310, Subhash Nagar, Moerut.

(Transferor)

(2) Messrs, Krishna Tubes, Delhi Road, Meerut through Shrimati Rekha Agarwal w/o Brajraj Krishna r/o 158, Shish Mahal Road, Meerut (Partner).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 1950 [and 1951 measuring 592 Sq. Yds. situated at Delhi Road, Meerut which was sold for Rs. 41,440/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tra, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-8-1980

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1431-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and braring

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vijal Prakash,
 2/0 Late Shri Roop Narain
 r/0 A-16, Green Park,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ran Dhir Chowdhary s/o Shri Jagannath r/o House No. 127, Model Town, Ghaziabad, Teh. & District Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 194 alongwith Plot bearing No. 87, measuring 200 Sq. Yds., situated at Ghaziabad which was sold for Rs. 1,25,000 -.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Ashok Kumar s/o Pt. Kailash Chandra Sharma, r/o Moh. Patthar Walan, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Satendra Puri and Rayindra Singh Puri s/o Shri Gurmej Singh, r/o Moh. Raunalerura Railway Road, Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1413-A/Meerut 79-80.—Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule sitated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 10-12-1979

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open Plot measuring 512 yds, it means 87 × 53 fts, situated at Jagannathpuri, Meerut, which was sold for Rs. 35,840/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUMENTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1492-A/Bulandshahar 79-80,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 21-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Chand Seth s/o Mukhtar Khas Smt. Premwati Seth, r/o present place Idgah Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Gulbir Singh s/o Sri Harchen Singh, Smt. Sumanlata w/o Shri Sukhbir Singh r/o Vill: Mandoll, Parg: Agauta,

District: Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi (Building) situated at Moh. Shivpuri, Bulandshahar which was sold for Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhalak Ram s/o Shri Govind Ram, Yogendra Singh, Gurcharan Singh and

s/o Shri Baljit Singh Sharma, r/o Mohalla: Munshi Para,

(1) Shri Jai Prakash Gaur,

Bulandshahar,

(Transferor)

Devendra Singh s/o Bhalak Ram, r/o Moh: Munshi Para, Bulandshahar.

(Transferee)

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF NCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1485-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 3-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two House Properties named "Ram Guest House and Chabutra" situated at Mohalla: Munshi Para, Bulandshahar which was sold for Rs. 1,80,000/-.

> B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 942/Acq./Kanpur/79-80.- Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Dharmawati Devi w/o Shri Dev Narain Singh, r/o 110/2, Babu Purwa, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Charain Singh, Shrimati Akhilesh and Km. Kamlesh r/o 110/2, Babj Purwa, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 128/983 (Y) Block, Kidwal Nagar, Kanpur, measuring 450 Sq. Yds.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, 6he th August 1980

Ref. No. 1579-A/Kanpur/79-80 —Where: s I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri M. P. Singh Vali s/o Sardr Tara Singh Vali r/o Hall 19-B, Railway Colony Sardar Patel Road, New Delhi-21 through Shri B. D. Gulati s/o Late Shri Shyamdas Gulati, Kidwai Nagar, 24, Block-"N", Kanour.

(Transferor)

(2) Shrimati Harbans Kaur w/o Shri B. D. Singh Gulati r/o 133/27/17, N-Block, Kidwał Nagar, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/27/17, Block-N, situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 33,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th August 1980

Ref. No. 1567-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent

Kanpur on 18-12-1979

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

26-326 GI_I8

(1) Shri Jai Shankes s/o Shri Durga Shanker r/o 135/4, Kidwai Nagar, Kanpur through Bagmal s/o Bahadur Chandra r/o 383 Block-13, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Vijai Shanker Awasthi s/o Shri Ram Singh Awasthi, r/o 133/75, O-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/278, M-Block situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-8-1980

10114

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Manna Lal Gupta, H. No. 51/7-M, Ram Ganj, Kanpur.

(2) Shri Suresh Chandra Jaiswal and

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Mahesh Chandra Jaiswal, 7/91-D, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 4th August 1980

Ref. No. 1565-A/Kanpur/79-80,-Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur on 17-12-1979

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 51/6 new No. 51/15. measuring 141 9 Sq. Yds., situated at Ramganj, Kanpur which was sold for Rs. 34,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur,

Date: 4-8-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 4th August 1980

Ref. No. 814/Acq./Kanpur/79-80.---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 5 December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manna Lal Gupta r/o 51/7, 'M' Ram Ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandra Jaiswal and Mahesh Chandra Jaiswal r/o 7/90-D, Tilak Nagar, Kanpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givei in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 51/6-C, New No. 51/15, measuring 149 9 Sq. Yrds, situated at Ram Ganj, Kanpur which was sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Kanpur, the 12th August 1980

Ref. No. 936/Acq./Kanpur/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI.

being the Cometent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sint. Pyari Bai Nigam w/o Shri Ayodhya Saran, r/o 124/28, Block-D, Govind Nagar, Kanpur (Transferor)
- (2) Shrimati Vimla Devi w/o Shri Atma Ram Dixit and d/o Shri Sada Shiv Bajpayee r/o 104/A/220, Ram Bagh, Kanpur and Shri Shiv Narain Bajpayee s/o Sadashiv r/o Panki Mausingh, Parg. & Distt. Kanpur.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the u ndersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 117/56, Block-L, measuring 406 Sq. Yd_{S.}, situated at Kaka Dev, Kanpur which was sold for R_S. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 918/Acq./Kasganj/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhagwan Singh,
 Mallkhan Singh and
 Rajendra Singh
 s/o Shri Jyoti Prasad,
 Tara Devi Widow of Shri Jyoti Prasad and
 Smt. Ambo Devi w/o Shri Chandra Pal Singh,
 r/o Moh. Mohan Kasganj,
 Teh. Kasganj, District Etah.

(Transferor)

(2) Shri Maljhan Singh, Rajbir Singh and Rakshpal Singh s/o Umrai Singh, r/o Piri, Parg. Sahawar, Teh. Kasganj, District Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Triple Storeyed House Property on land measuring 400 Sq. Fts. or 45 Sq. Yds. situated at Moh. Mohan Dasganj, District Etah which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balkesh Narain Mathur,

so Shri Prem Narain Mathur, r/o 33/22, Adarsh Nagar Colony, Agra through Shri Ghanshyam Narain Mathur, Mukhtar-Aam Balkesh Narain Mathur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE KANPUR

Shri Satya Prakash Garg s/o Late Shri Banarsi Dass c/o 19, Ajmer Road, Lata Kunj, Ágra.

(Transferee)

Kanpur, dated the 11th August, 1980

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Ref. No. T. R.: 868 Acq. Agra 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Property No. 33/22, measuring 654•39 Sq. Mtrs., situated at Adarsh Nagar, Rakabganj, Agra.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-8-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADRAS

Madras-600006, the 21st June, 1980

Ref. No. 28 Dec. 79.—Whereas, I, O. ANANDRAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 75. situated at Waltex Road, Madras-600003. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 681/79) on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati V. Sridevi Ammal, No. 1, Barnaby Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri V. Govindarajulu, No. 753, Waltax Road, Madras-3.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Document No. 681/79 S.R.O. Sowcarpet, Madras, Land & Building at New No. 75 (Old No. 220/221), Waltax Road, Madras-3.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 3rd July, 1980

Ref. No. 48/Dec./79.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B & 651/2, situated at Meelavittan Village, Palayamkottai Road, Tuticorin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O. II Tuticorin (Doc. No. 3077/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Shrimati S. Amirthammal
 - (2) Shri S. Sankaralinga Nadar,
 - (3) Shri S. Ayyemperumal,
 - (4) Shri S. Dhanabalan,
 - (5) Shri S. Vanniaperumal

No. 19, Vallikutti Nadar Street, Virudhunagar.

(Transferor)

Shri D. Nagendran,
 S/o Shri L. A. M. P. Dharmaraj Nadar,
 134, Palayamcottai Road, Tuticorin.

(Transfereer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3077/79 JSRO-II, Tuticorin.

Agricultural lands—50 Cents in S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B and 651/2, Meelavittan Village, Palayamcottai Road Tuticorin.

O. ANANDRAA M

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 3-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, dated the 3rd July, 1980

Ref. No. 1/Jan./80. -Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B and 651/2, Meelavittan Village, Palayamcottai Road, Tuticorin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

J.S.R.O. II Tuticorin (Doc. No. 123/80) on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--27-236GJ/80

(1) (1) Shrimati S. Amirthammal,

- (2) Shri S. Sankaralinga Nadar,(3) Shri S. Ayyamperumal,

Shri S. Dhanabalan, Shri S. Vanniaperumal

(Transferor)

(2) Shri S. Nagendran, S/o Shri L.A.M.P. Dharmaraj Nadar, 134, Palayamcottai Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (.) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 123/79 J.S.R.O. II, Tuticorin.

Agricultural lands- .50 Cents. in Survey No. 652/A3; 651/1A, 651/1B & 651/2 in Palayamcottai Road, Meelavittan Village, Tuticorin.

> O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 3-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th July, 1980

Ref. No. 62/Dec./79.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

63, situated at 1st Cross, Brindovan, Alagapuram Village, Salem Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.O. I Salem (Doc. No. 5914/79) in December, 1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri M. Vittal Rao,
 Shri M. Suresh Rao,
 No. 46-A, Kalaimagal School Street,
 Swarnapuri, Salem.

(Transferor)

(2) Shri T. K. Padmanabhan, S/o Shri T. M. Krishna Rao, C-42, Kalaimagal Street, Swarnapuri, Salem-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 5914/79 J.S.R.O. I, Salem.

Land & Buildings in Door No. 63, 1st Cross, Brindayan, Alagapuram, Salem Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 10-7-1980

FORM ITN5-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS

Madras-600006, the 10th July, 1980

Rej. No. 65/Dec/79.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 168, situated at Lakshmi Talkies, Gandhi Road, Arani, N.A. District

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Arani (Doc. No. 3947/79) in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. Krishnasamy Mudaliar, S/o Shri K. P. Ramasamy Mudaliar, Rao Sahib Srinivasa Mudali Street, Arani, N.A. Dstrict.

(Transferor)

 Shumati G, Thilagavathi Annual, W/o Shri P. Ganapathy Mudaliar, Polur, N.A. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3947/79 S.R.O. Arani. Land & Buildings at Door No. 168, Lakshmi Talkies, Gandhi Road, Arani, N.A. District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 10-7-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, MADRAS

Madras-600006, the 18th July, 1980

Ref. No. 22/Dec./79.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 671/2, situated at Karappanan 10th Street, Sivakasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.O. Sivakasi (Doc. No. 4181/79) in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K.C.A.D. Arunachalam Nadar, 4, Seeni Moopanar Street, Siyakasi.

(Transferor)

 The National Fireworks Factory, Police Station Road, Sivakasi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4181/79 S.R.O. Siyakasi. Land & Building at S. No. 671/2, Karappanan 10th Street, Siyakasi.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras.

Date: 18-7-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August, 1980

Ref. No. 31/Dec./79.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 287-A, 287-B, 287-C, situated at Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Athur (Doc. No. 1994/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Shri M. Kittu, S/o Shri Muthu Naicker, Thayumanavar Street, Athur.

(Transferor)

 Shri S. Sahadevan, S/o Shri Sevan Padaiyachi, Kamarajar Road, Athur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1994/79, S.R.O. Athur.

Land & Buildings at Door No. 287-A, 287B, 287C, Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1 AX,

ACQUISITION RANGILI, MADRAS

Madras 600006, the 14th August 1980

Ref. No. 32/Dec./79,—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 287-I, 287-J situated at Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem Dist.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Athur (Doc. No. 1995/79) on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Kittu, S/o Shri Muthu Naicker, Thayumanayar Street, Athur.

(Transferor)

(2) Shri S. Manoharan, S/o Shri S. Sahadevan, Kamarajar Road, Athur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1995/79 S.R.O. Athur.

Land & Buildings at Door No. 287-1, 287-J, Dr. Muthu-lakshmi Street, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Kittu, S/o Shri Muthu Naicker, Thayumanavar Street, Athur, Salem District.

(Transferor)

(2) Shrimati K. Dhanalakshmi, W/o Shri S. Sahadevan, Kamarajar Road, Jothinagar, Athur, Salem District.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGER, MADRAS

Madras-600006, the 14th August, 1980

Ref. No. 33/Dec./79. Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. 287-G, and 287-H, situated at Dr. Muthulakshmi Road, Jothinagar, Athur, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Athur (Doc. No. 1996/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1996/79 S.R.O. Athur.

Land & Buildings at Door No. 287-G & 287-H, Dr. Muthulakshmi Road, Jothinagar, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th August 1980

Ref. No. 63/Feb/80.—Whereas, 1 O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 1393, N.M.C. 27/14-31, 27/14-31A, situated at Eagle Gate Compound, Court Roud, Nugercoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registraing Officer at

J.S.R.O. 1 Nagercoil (Doc. No. 686/80) on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Balammal Selvanayagam W/o Shri John Appayoo Selvanayagam No. 111 Court Road Nagercoil.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Vijayan Benjamin S/ Shri C. Sam Benjamin C/o Shri Muthiah Advocate 'Mullajbavan' Nesamony Nagar, Nagercoil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 686/80 JSROI Nagercoil, Land & Buildings in S. No. 1393 N. M. C. 27/14-31, 27/ 14-31-A Eagle Gate Compound Court Road, Nagercoil.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Madras,

Date: 19-8-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE?I

MADRAS

Madras-600006, the 19th August 1980

Ref. No. 47/Dec./79.—Whereas I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and berring

No. 56B situated at SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, N.A. District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North, (Doc. No. 5120/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—236GI/80

(1) 1. M/s. Lord Krisna Oil & Extractions, 2. Shri V. S. Govindarja Mudaliar,

3. G. Thayarammal, 4. G. Bulakrishnan

No. 44, Sithi Vinayakar Koil Street, Arcot, N.A. District.

(Transferor)

(2) M/s. Associated Solvent Extractions Private Ltd., No. 35-A/1, Goods Shed Road, Ranipet, North Arcot District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 5120/79 J.S.R.O. I, Madras North.

Land & Building with leasehold rights in Plot, No. 56-B SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, North Accot.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 19-8-1980

Seal

FORM ITNS-

(1) Shri Anand Parkash S/o Late L. Sita Ram
(1) R/o 53/2, Punjabi Bagh Delhi
(Transferer)

(2) Smt. Uma Verma W/o Haii Perkash 53/2 Punjabi Begh Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II New Delhi-110002

New Delhi, the 28th August 1980

Ref. No...IAC/Acq-II/SRI/12-79/6053—Whereas I, Miss. R. K. Chahal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. 5638 on plct No. 40 (1/3 Share) situated at Basti Hurphool Singh Sadar Bazer Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dilhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share out of house built on Plot No. 40]bearing Municipal No. 5638 (Eastern one half portion) measuring 111-1 sq. yds. situated at Basti Harrheel Singh Sadar Bazar Delhi bounded as under:-

North: 40' wide road South: 15' wide road East: Plot No. 16

West: Western half portion of plot No. 40

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delh/New Delhi

Date: 20-8-80

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

COMBINED EXAMINATION (1981) FOR RECRUITMENT TO MEDICAL POSTS UNDER THE CFNTRAL GOVERN-MENT AND IN THE MUNICIPAL CORPORATION OF DEI HI

NOTICE

New Delhi, the 13th September 1980

No. F.14/3/80-EI(B).—A combined examination will be held by the Union Public Service Commission on 22nd February, 1981 for recruitment to Junior Scale Posts in the Railways, Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service, Central Health Service and in the Municipal Corporation of Delhi.

- 2. The approximate number of vacancies in the various posts required to be filled on the results of the examination is given below:—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways
 —approx. 75 vacancies.**
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Fquipment Factories Health Service—approx. 18 vacancies.
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service approx, 300 vacancies (including 45 vacancies reserved for Scheduled Castes and 22 reserved for Scheduled Tribes candidates).
 - (iv) General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Cornoration of Delhi—approx. 120 vacancies (includes 18 vacancies reserved for Scheduled Castes and 9 reserved for Scheduled Tribes candidates).

The number of vacancies is liable to alteration.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Schedulid Castis and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

N.B.—Candidates should specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference. No request for alteration in the preferences indicated by condidates in respect of posts for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Styles Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

3. Centres of Examination.— Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itaeagar, Iaicur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nageur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

Candidates should note that no request for change of centre of examination received in the Commission's Office on or after 12th January, 1981, will ordinarily be entertained.

- 4. Conditions of Eligibility.
- (a) Nationality

A condidate must either be---

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tib*tan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Ind an origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Fthiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1981.

The age limit is, however, relaxable upto 50 years as on 1.1.1981 for the examination to be held in 1981.

NOTE.—THE RELAXATION UPTO 50 YEARS IN THE UPPER AGE LIMIT WILL NOT BE ADMISSIBLE FOR THE EXAMINATIONS TO BE HELD AFTER 1980 UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

The upper age limit is further relaxable as follows:---

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a hona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a hona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964:
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after ist June 1963;
- (viii) up to a maximum of right years if a candidate belongs to a Scholul d Caste or a Scholuled Tribe and is also a bone fide reporting of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe; and
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRES-CRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Fxamination as soon as possible and in any case not later than 30.4.1981.

Note 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5. Fee to be paid with the application.—Rs. 28/- (Rs. 7/-for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

N.B.—Fee once paid will not be refunded nor held in reserve for any other examination or selection except in the case of a candidate, who took the "Combined Examination (1980) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi" and who wishes to apply for admission to 1981 examination. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 examination, his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office by 31st January, 1981.

- 6. How to Apply.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Examination (1981) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi, appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission. Dhelpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by

- remitting Rs. 2/- by Moncy Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to sumit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE BY POST OR BY PERSONAL DELIVERY AT THE COUNTER.
 - (i) From candidates in India 3rd November, 1980.
 - (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep. Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K. State—17 November, 1980.
- 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.
- (A) By all candidates :--
 - (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation//Higher Secondary Fxamination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Head Master/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1,—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidate must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (i.e. University or other examining body) to show that he has passed the M.B.B.S. Examination. A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 30th April, 1981.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

		son/
daughter* of-	who has	s been a student in
this college has pass	sed the	examination
and has become eligi	ble for the award o	of degree.

2. Certified that	Shri/Smt./Km.————son/
daughter* of-	is expected to appear/
has appeared* at	— — examination
conducted by——	in the month of
examination is likely to	-19 and that the result of the above
examination is likely to	be announced by19 .
	Signature—

Designation

Name of Institution

Where situated

*Strike out whichever is not applicable.

Date-

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. ×27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—
 Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (C) By candidates claiming age concession,—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla

- Desh) claiming age concession under para 4(b)(ii) or 4(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 4(b)(iv) or 4(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under para 4(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 4(b)(vii) or 4(b)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 4(b)(ix) or 4(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank	No.———Shri ———of
Unit————was	disabled while in the Defence Ser-
vices, in operations duri	ng hostilities with a foreign country/
in a disturbed area a:	nd was released as a result of such

Signature		 ٠.									
Designation											
Date				.,							

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 4(b)(xi) or 4(b) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified	that	Rank N	o. ——		-Shi	ri -		of
Unit		was	disabled	while	in tl	he	Border	Security

Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under para 4(b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 8 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.
- 9. Acknowledgement of Application.—All applications received in the presented form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 10. Result of Application.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 11. Admission to the Examination.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 12. Action against Candidates found guilty of misconduct.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its a tested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-

- obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscane language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of air or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself hable to criminal prosecution be liable:—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the condidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.
- 13. Original Certificates Submission of.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 8 ABOVE ATTESTED BY CAZETIFD OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT, CANDIDATES WHO QUALITY FOR INTERVIEW FOR THE PEPSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WPITTEN PART OF THE EYAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED APOYE. THE RESULT OF THE WRITTEN EYAMINATION IS LIKELY TO BE DECLATED IN THE MONTH OF MAY, 1981. THEY SHOULD KEEP THE, OPICINALS OF THE CERTIFICATES IN PEADINESS FOR SUPMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST, THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATURE WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN OPIGINAL AT THE TIME OF THE PURSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.
- 14. Scheme of Examination.—The examination will comprise:—
- (A) Written Examination.—The candidates will take the examination in one paper of three bours duration containing objective true questions covering the following four subjects and currying a maximum of 200 marks. The questions in the paper will be so designed as to give the following weightage to the four subjects—
 - (i) General Medicine including Paediatrics 40%
 - (ii) Surgery including F.N.T., Onthalmology, Transmatology and Orihoneedics 20%
 - (iii) Preventive Medicine and Community
 Health including Child Welfare and Family
 Planning 20%
 - (iv) Obstetrics and Gynaecology 20%
- (B) Personality Test of candidates who qualify in the written examination.200 marks

Nove — Details regarding the nature of the examination sample questions and ancomer cheef are given in the "Candidates' Jeformatica Manual" at Annead's III

15 Candidates who obtain such minimum analifying marks in the written examination as may be first by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summened for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, intitiative and capacity for leadership.

6. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 50% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies deided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relexed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for anointment to the Services irrespective of their reaks in the order of merit at the examination.

- 17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 18. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.
- 19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.
- 20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the one may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Mustry of Health and Family Welfare (Department of Health).

21. No person:

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a snouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 22. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDREDJED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION,
- N.B.(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B.(ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 23. CHANGE IN ADDRESS.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 22 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER,
- 24. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

VINAY JHA, Deputy Secretary

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*—son/daughter* of ______ of village/town* _____ in District/Division* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*..... of District/Division* of the State/Union Territory* of......

Place State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **Officers competent to issue Caste/Tribe certificates
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below.

- I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways .-
- (a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are:—

1-5 Stages-Rs. 150/- P.M.

6-10 Stages-Rs. 200/- P.M.

11-15 Stages-Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.
- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- (e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status,
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person-

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as afore-said after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
 - (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non-practising allowance of Rs. 300/- per month from 1st to 9 stages and Rs. 350/ per month from 10th stage onwards.
 - (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practising allowance of Rs. 500/- per month.
 - (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time, Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practicing allowance of Rs. 500/- p.m.

- (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the enally tendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practising allowance of 500/- per month.
- (n) Duties and Responsibilities-

Assistant Divisional Medical Officer:

- (i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vit) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.
- Note (1): When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and resabilities.
- Note (2): ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.
- II Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—
- (a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1 - 5 stages

Rs. 150/- Per moath

6 - 10 stages

Rs. 200/- per month

11 stages onward

Rs. 250/- per month

- (b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allow-anies attached to the higher grades....
 - (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.

Others who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to sonior scale—Sonior Medi-

cal Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA.—

1 -- 3 stages

Rs. 250/- per month

4 — 5 stages

Rs. 300/- per month

6 — 7 stage9

Rs. 350/- per month

8 — 9 stages

Rs. 400/- per month

10---11 stages

Rs. 450/- per month

(ii) SUPFR-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.

Officers who have put in 5 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. 1—Director of Health Services with the may scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

- (p) Nature of duties—(1) ASSISTAN Γ MEDICAL OFFICERS.
 - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/ out patient departments daily and as required.
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
 - (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
 - (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
 - (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
 - (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules
- (2) GDO GR. I-ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SPRVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER.
 - (a) ADHS posted at the Hqrs, will assist the DHS/ DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
 - (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
 - (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
 - (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
 - (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Est. there.
 - (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
 - (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
 - (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 bcds or above and the Medical Estis. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be faid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE I-DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

- (a) Medial Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for emplementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will narmally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation thereon all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMO's SMO's and AMSa.

III. Junior Scale posts in the Central Health Service:

- (a) Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extend of at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.
- th) The candidates can be posted anywhere in India in any disconary or hespital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Waffare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradent, Lakshadweep, Anthanna and Nicobar Islands. Pardepartment etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab, and consultant practice is prohibited.
 - (c) The following are the rates of pay admissible:

Buntor Group 'A' Scale

Revised Scale: Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300

N.P.A.

1 to 5 stages Rs. 459 per month
6 to 10 stages Rs. 200 per month

11th stage onwards Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years' service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100-50-1600.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs.	250	per	month
4 to 5 stages	Rs.	300	per	month
6 to 7 stages	Rs.	350	per	month
8 to 9 stages	Rs.	400	per	month
10 to 11 stages	Rs.	450	рег	month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

Spelalists Grade II

1 to 3 stages

4 to 6 stages

7 to 9 stages

Revised Scale: Rs. 1100-50-1500-EB--60-1800.

N.P.A. Rs. 300 per month Rs. 350 per month Rs. 400 per month

 10 to 12 stages
 Rs. 450 per month

 13 to 14 stages
 Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I : granst 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade I

Revised Scale: Rs. 1800—100—2000—125/2—2250— Rs. 600 per month.

Supertime Grade II

Revised Scale: Rs. 1500-60-1800-100-2000-Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the 'either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II.

Supertime Grade I Level II

Revised Scale: Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I Level I

Revised Scale: Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/ Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

IV. General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi:

(a) The post is temporary in Category A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—30—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:

1-5 stages	Rs. 189/- P.M.
6-10 stages	Rs. 200/- P.M.
11 stages and onward	Rs. 250/- P.M.

- (b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted any where within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the hospital/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres.
 - (d) Private practice of any kind whotsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's motice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one months' pay in lieu of notice.

APPENDIX III

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item), several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

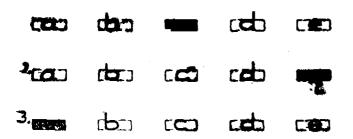
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a,b,c,...... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a,b,c,d,e, are printed. After you have read each item in the Tes Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is, important that-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, arase it commpletely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you and eraser also;
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get scated immediately.
- No body will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Superior. YOU ARE NOT PERMUTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERLY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in link the name of the examination/fest your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the configurate space provided in the answer sheet. Note has not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an craser, a pencil sharpner and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you for rough work on demand. You should write the name of the examination your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

F. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the quantions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and came back to the difficult oxes later.

All questions carry equal marks. Answer oll the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. These will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permit you to leave the hall. You are NOT allowed to take test booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Ashoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic benkruptcy during post-Asokan
 - 2 In a parliamentary form of Government :-
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Eexecutive is responsible to the Judiciary,

- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :—
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
 - 4. The nearest planet to the Sun is:
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explain the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the loss the vegetation the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.